निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 1 अप्रैल 2025 मंगलवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 307 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1582 : फ्रांस में फूल्स डे की शुरूआत।
1793 : जापान में 'उनसेन' नाम का ज्वालामुखी फटने के वजह से तकरीबन 53000 लोगों की मौत।
1839 : कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल शुरू किया गया।
1912 : दिल्ली को भारत की राजधानी और एक प्रांत घोषित किया गया।
1936 : ओडिशा को बिहार से अलग करके एक नया राज्य बनाया गया।

झारखंड से दिल्ली तक रहेगी सरहुल की धमक

दिल्ली में पहली बार मनाया जाएगा प्रकृति पर्व सरहुल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/ नई दिल्ली। सरहुल को लेकर राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में उत्साह है। रांची में जगह-जगह सरहुल के संदेश वाले पोस्टर लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्यवासियों को सरहुल की शुभकामनाएं दी हैं। सरहुल के अवसर पर मंगलवार 1 अप्रैल को राज्यपाल रांची विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे, जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासी छात्रावास और केंद्रीय सरना समिति सिरम टोली के पूजा स्थल का भ्रमण कर सरहुल शोभा यात्रा में भाग लेंगे। इस अवसर पर निकाले जाने वाले भव्य जुलूस की तैयारी पूरी कर ली गई है। इधर, सरहुल जुलूस को लेकर प्रशासन ने यातायात व्यवस्था भी दुरुस्त कर दी है। मुख्य सड़क से लेकर विभिन्न मार्गों पर जुलूस का रूट निर्धारित कर दिया

फाइल फोटो

गया है और पुलिस जवानों की तैनाती का निर्णय लिया गया है। झारखंड के आदिवासी और कलाकारों का जत्था दिल्ली में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर आगामी 3 अप्रैल को सरहुल मिलन समारोह में शिरकत करेगा। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा दिल्ली में पहली बार आयोजित हो रहे इस सरहुल महोत्सव में झारखंड के एक हजार से अधिक आदिवासी, कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ भाग लेंगे। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि सरहुल पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश देने वाला पर्व है, जो आज विश्व के लिए काफी महत्वपूर्ण है। झारखंड में सरहुल को अलग अंदाज में मनाने की परंपरा रही है, देश और दुनिया को इससे परिचित कराने के लिए पहली बार इसका आयोजन नई दिल्ली में किया जा रहा है।

बिहार में अप्रैल से जून तक पड़ेगी झुलसाने वाली गर्मी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया कि यहां अप्रैल से जून तक सामान्य से अधिक झुलसाने वाली गर्मी पड़ेगी। पूरे प्रदेश में इस दौरान उच्चतम और न्यूनतम तापमान दोनों ही अधिक रहेगा। सोमवार को जारी आइएमडी की पूर्वानुमान रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में खासतौर पर बिहार के उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में अप्रैल में लू (हीट वेव) के दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। यहां करीब तीन से चार दिन लू रह सकती है। इस दौरान पश्चिमी बिहार को सबसे अधिक लू का दौर झेलना पड़ सकता है। शेष कुछ जगहों पर एक से दो दिन लू की स्थिति बन सकती है। आइएमडी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल से जून तक विशेष रूप से दक्षिण-मध्य, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य में लू (हीट वेव) के दिन भी सामान्य से अधिक रहेंगे। चिंता की बात है कि बिहार का बिहार का ऐसा कोई हिस्सा नहीं है, जहां लू की पहुंच नहीं हो। पूर्वी बिहार में गर्म हवाएं तो चलेंगी, लेकिन यहां लू वाले दिन तुलनात्मक रूप में राज्य के अन्य हिस्सों से कम हो सकते हैं।

धनबाद में सीबीआई का छापा, ईसीएल के दो क्लर्क रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। सीबीआई की टीम ने कोल इंडिया की इकाई ईसीएल मुग्मा एरिया के खुदिया कोलियरी कार्यालय में दबिश दी। सीबीआई की टीम ने खुदिया कोलियरी के दो क्लर्क को 15 हजार घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई की इस कार्रवाई से ईसीएल में हड़कंप मच गया है। सेवानिवृत कोलकर्मी रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली राशि का भुगतान के लिए रिश्वत की मांग की जा रही थी। पीड़ित कोलकर्मी ने मामले की लिखित शिकायत सीबीआई से की। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई की टीम ने मामले की जांच पड़ताल की। जांच पड़ताल के दौरान सीबीआई ने मामला सही पाया। जिसके बाद सीबीआई की टीम ने जाल बिछाकर आज दोनों क्लर्क को रंगे हाथ रिश्वत के रुपए के साथ धर दबोचा। उमेश कुमार सिंह ईसीएल कोलियरी से रिटायर्ड हुए थे। वह रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पावना राशि के भुगतान के लिए लगातार कार्यालय का चक्कर लगा रहे थे। पावना राशि भुगतान के एवज खुदिया कोलियरी कार्यकाल में कार्यरत क्लर्क अरविंद कुमार राय से रिश्वत की मांग की जा रही थी। परेशान होकर उमेश

कुमार सिंह ने मामले की लिखित शिकायत सीबीआई से की। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने जांच पड़ताल की। इस मामले की जांच पड़ताल के क्रम में सीबीआई ने मामले को सही पाया। जिसके बाद सीबीआई की टीम ने जाल बिछाया। सीबीआई की टीम कोलियरी कार्यालय में दबिश दी। क्लर्क अरविंद राय द्वारा अपने अधीनस्थ क्लर्क शीतल बाउरी को घूस की राशि लेने को कहा गया था। शीतल बाउरी ने घूस के 15 हजार रुपए लिए और फिर उस राशि क्लर्क अरविंद राय को दिए। इस दौरान सीबीआई ने दोनों को 15 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ धर दबोचा। सीबीआई एसपी पीके झा ने बताया कि पीड़ित के द्वारा मामले की लिखित शिकायत की गई थी। शिकायत

■ सेवानिवृत कोलकर्मी से रिटायरमेंट की राशि भुगतान के एवज में मांगी जा रही थी घूस

के आलोक में जांच पड़ताल के दौरान मामल सही पाया। जिसके बाद ईसीएल मुग्मा एरिया के खुदिया कोलियरी कार्यालय के कार्यरत क्लर्क अरविंद कुमार राय और क्लर्क शीतल राय को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। क्लर्क अरविंद राय के द्वारा रिश्वत की मांग की गई थी। क्लर्क शीतल राय ने रिश्वत की राशि लेकर क्लर्क अरविंद राय को दी, दोनों को सीबीआई ने गिरफ्तार रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

मस्जिदों और ईदगाहों में अता की गई ईद की नमाज, अल्लाह से मांगी गई अमन-चैन की दुआ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रमजान के 30 रोजे के बाद सोमवार को देशभर में मुस्लिम समुदाय के लोग ईद धूमधाम से मनाए। इस कड़ी में रांची में भी ईद की धूम दिखी। सुबह के समय नए-नए कपड़े पहनकर बच्चे, बुजुर्ग और युवाओं ने अपने-अपने घरों के पास के ईदगाहों और मस्जिदों में सामूहिक रूप से ईद की नमाज अता की। नमाजियों की सुविधा के लिए अलग-अलग ईदगाहों और मस्जिदों में ''ईद की नमाज'' का समय अलग-अलग निर्धारित किया गया था।

मौलाना ने मोहब्बत का दिया पैगाम

ईद की नमाज के बाद मौलाना असगर मिस्बाही ने अपने संदेश में कहा कि ईद और इस्लाम मोहब्बत का पैगाम

देता है। इस्लाम इंसान से इंसान के बीच मोहब्बत का पैगाम देता है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में विभिन्न धर्मों के लोग प्रेम और भाईचारे से रहते हैं। मजहब की आजादी ही यहां की खूबसूरती है। कुछ लोग इस खूबसूरती को खत्म करना चाहते हैं। ऐसे में मुल्क की हिफाजत की जिम्मेवारी हमारी है। मौलाना असगर मिस्बाही ने कहा कि जो लोग नफरत फैलाना चाहते हैं उनके मंसूबों को हमें प्रेम और भाईचारे से नाकाम करना है। उन्होंने कहा कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। जो उनका फर्ज है वह अहले सियासत जानें। इस्लाम धर्मावलंबियों के सबसे बड़े त्योहार ईद-उल-फितर को लेकर खासा उत्साह देखा गया। ईद की नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे को ईद की शुभकामनाएं दी। कई लोग ऐसे हैं जो अपने परिवार के साथ ईद मनाने के लिए दूसरे राज्य या शहर से रांची पहुंचे हैं। ईद के अवसर पर सभी के घरों में सेवईयां, खट्टा-मीठा चाट, दही बड़ा, मोती पुलाव सहित कई खास व्यंजन बनाए गए हैं। इस दौरान मौलाना असगर मिस्बाही ने कहा कि ईद के मौके पर वह केंद्र की सरकार से आग्रह करते हैं कि वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को वापस ले ले। ईद की नमाज के दौरान कुछ लोगों ने पीएम मोदी से वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक वापस लेने का बैनर लिए हुए भी नजर आए। जिसमें ईद की सौगात के रूप में संशोधन विधेयक वापस लेने की अपील की गई थी।

दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज का उद्घाटन 19 को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। सबसे पहले वे उधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज) का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे कटरा (माता वैष्णो देवी) पहुंचकर जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल जम्मू रेलवे स्टेशन पर मरम्मत का काम चल रहा है, इस वजह से ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से कटरा से शुरू की जा रही है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अगस्त से यह ट्रेन जम्मू से चलना

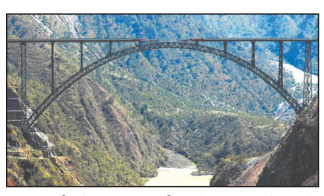

शुरू करेगी। जम्मू से श्रीनगर की दूरी करीब 250 किमी है। 25 जनवरी को कटरा-श्रीनगर रूट का सफल ट्रायल हुआ था। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे श्रीनगर पहुंची। ट्रेन ने 160 किमी का सफर 3 घंटे में पूरा किया था।

जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को विशेष रूप से एंटी फ्रीजिंग सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है।

10 अप्रैल से झारखंड के सबसे बड़े इंटर स्टेट बस टर्मिनल से खुलेंगी बसें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। लंबे इंतजार के बाद देवघर में इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आइएसबीटी) 10 अप्रैल से चालू करने की तैयारी है। वर्ष 2018 में आइएसबीटी का काम चालू हुआ और 2022 में आइएसबीटी पूरी तरह तैयार हुआ। जिला प्रशासन ने आइएसबीटी को चालू करने के साथ-साथ बसों का रूट निर्धारण भी कर दिया है। आइएसबीटी का लूक कॉरपोरेट ऑफिस की तरह दिया गया है। 20 एकड़ में फैले आइएसबीटी परिसर में सुंदर गार्डेन तैयार किया गया है। आइएसबीटी के निर्माण में 42 करोड़ खर्च हुए हैं। देवघर का यह बस टर्मिनल झारखंड के सबसे बड़ा टर्मिनल है, जहां एक साथ 150 बसों के ठहराव की क्षमता है। इस बस टर्मिनल झारखंड के कई जिलों के साथ-साथ बिहार के भागलपुर, बांका, जमुई, नवादा, कटिहार, पूर्णियां, पटना, लक्खीसराय सहित पश्चिम बंगाल के आसनसोल, रामपुरहाट, दुर्गापुर, वर्धमान व कोलकाता के लिए बसों का परिचालन होगा। प्रसिद्ध श्रावणी मेला के दौरान प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु अपने निजी वाहनों से देवघर आते हैं। श्रद्धालुओं की गाड़ियों की पार्किंग की व्यवस्था भी इस टर्मिनल के आसपास कोठिया व दर्दमारा रहती है। श्रद्धालुओं का टेंट सिटी भी बस टर्मिनल के समीप तैयार होता है। बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलार्पण के बाद श्रद्धालु इस बस टर्मिनल से बासुकीनाथ जाने वाली बस में सवार हो सकते हैं। साथ ही पैदल कांवर यात्रा करने वाले श्रद्धालु जलार्पण के बाद इस टर्मिनल से श्रद्धालु बगैर कोई परेशानी के सीधे अलग-अलग जिलों के लिए बस की सवारी कर सकते हैं। निजी वाहन से आने वाले श्रद्धालु बासुकीनाथ से लौटने के बाद आसानी से अपने पार्किंग स्थल पर पहुंच सकते हैं।

2 और 3 अप्रैल को बारिश की संभावना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मौसम में बदलाव लगातार जारी है। अधिकतम तापमान में लगभग हर दिन बढ़ोतरी हो रही है। राज्य के अधिकांश जिले का अधिकतम तापमान 35 डिग्री या इसके पार जा चुका है। इधर मौसम विभाग ने ईद को लेकर विशेष बुलेटिन जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार ईद के दिन यानी आज आसमान साफ और मौसम शुष्क रहने की बात कही है। कहा है कि आज राज्य के कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक रह सकता है। वहीं रांची शहर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री जाएगा। इधर रविवार को चाईबासा का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री रहा।

न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट पर भारत की कड़ी प्रतिक्रिया

हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स पर लगे आरोप भ्रामक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत ने सोमवार को न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया दी, जिसमें दावा किया गया था कि हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने रूस को हथियारों की आपूर्ति करनेवाली एक ब्लैक लिस्टेड एजेंसी को संवेदनशील तकनीकी उपकरण बेचे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस रिपोर्ट को ''तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक'' बताते हुए इसे राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताया। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि रिपोर्ट ने जान-बूझकर मुद्दों को विकृत किया और भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा, ''जो भारतीय कंपनी इस रिपोर्ट में उल्लेखित है, उसने अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक व्यापार नियंत्रणों और एंडएं -यूजर प्रतिबद्धताओं का पूरी तरह से पालन किया है।'' मंत्रालय ने मीडिया संस्थानों से आग्रह किया कि वे किसी भी रिपोर्ट को प्रकाशित करने से पहले उचित जांच करें, जो इस मामले में नहीं की गई। यह विवाद उस समय उठ खड़ा हुआ जब न्यूयॉर्क टाइम्स ने 28 मार्च को अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि ब्रिटिश एयरोस्पेस निर्माता एचआर स्मिथ ग्रुपग्रु ने हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के माध्यम से रूस को तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति की थी। उनमें ट्रांसमिटर्स, कॉकपिट उपकरण और अन्य संवेदनशील हिस्से शामिल थे। यह दावा किया गया कि इन उपकरणों को ब्रिटेन और अमेरिका ने रूस को न बेचने के आदेश दिए थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने एचआर स्मिथ से प्राप्त उपकरणों को रूस की एक ब्लैक लिस्टेड एजेंसी रोसोबोरोन एक्सपोर्ट को भेजा था। भारत ने इस मामले को लेकर स्पष्ट किया कि हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड का व्यापारिक ढांचा पूरी तरह से कानूनी और पारदर्शी है और यह किसी भी तरह के अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं करता।

थिनर फैक्ट्री में लगी भीषण आग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना के थिनर फैक्ट्री में भीषण आग लगी है। घटना 7 बजे के आसपास की है। अगलगी में कई कर्मियों के झुलसने की सूचना आ रही है। हादसा बाढ़ अनुमंडल स्थित गुलाबबाग में हुआ है। आग इतनी तेजी से फैली कि कई कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए। फैक्ट्री में काम कर रहे कुछ मजदूरों के जलने की सूचना है। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। रिपोर्ट लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। घायलों की संख्या और उनकी स्थिति के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं है।

समय पर नहीं मिला खाना तो पत्नी और बेटे की ले ली जान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सरायकेला। जिला के कांडाधोरा तामुलिया क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। खरसावां थाना क्षेत्र के रायडीह सिलपीनदा निवासी सुकराम मुंडा ने अपनी पत्नी रविवारी सिंह और 5 साल के बेटे की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार घटनास्थल पर मृतक के बिस्तर से एक ब्लेड बरामद हुआ है, जिससे अंदेशा है कि सुकराम मुंडा ने घरेलू विवाद के चलते इस हत्याकांड को अंजाम दिया है। आरोपित ने घटना को अंजाम देने के लिए ब्लेड से गला रेतकर पत्नी और बेटे को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपित पति सुकराम मुंडा को

शिकंजे में ले लिया है। वहीं घटना को लेकर इलाके में आक्रोश और शोक का माहौल है। घटना चांडिल थाना क्षेत्र के कपाली ओपी की है। पुलिस द्वारा अनुसंधान के क्रम में पता चला है कि आरोपित शराब का सेवन करता था। बीती रात वह शराब पीकर सोया था। सोमवार तड़के सुबह उसकी नींद खुली, उस समय तक पत्नी सोई हुई थी। इस बीच उसने पत्नी को जगाकर खाना मांगा। जिस पर पत्नी ने इनकार कर दिया। नतीजतन उसने घर में रख लोहे के तवे से पत्नी के सिर पर प्रहार कर दिया, जिससे लहूलुहान अवस्था में पत्नी की मौत हो गई। इसके बाद सुखराम मुंडा ने 5 वर्षीय बेटे को भी इसी आक्रोश में लोहे के तवे से पीटकर मार डाला। ओपी प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि आरोपी पति सुकराम मुंडा को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वही घटना को लेकर इलाके में आक्रोश और शोक का माहौल है। घटना के संबंध में आरोपी के भाई सोयना मुंडा ने बताया कि घटना की जानकारी होने पर वह भाई के घर पहुंचा लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। बाद में मकान मालिक को बुलाया। जब तक उसने पत्नी और बेटे की जान ले ली थी। इधर पुलिस की ओर से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

क्या बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी कांग्रेस? राजद से दूरी के बाद कन्हैया कुमार बनेंगे तेजस्वी की काट

पटना, एजेंसी। बिहार में इस विधानसभा के चुनाव होने हैं। मतदाताओं की कम पूंजी और अन्य प्रमुख दलों की तुलना में कमजोर जनाधार के बावजूद बिहार में कांग्रेस अभी चर्चा में है। चर्चा कई बिंदुओं पर हो रही है, लेकिन सबसे अधिक चर्चा यह कि क्या कांग्रेस अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी यह अनुमान केंद्रीय नेतृत्व के हाल के कुछ निर्णयों के आधार पर लगाया जा रहा है। इसमें राजद के साथ तकरार के पहलुओं की खोज हो रही है।

पहला निर्णय बिहार प्रभारी के पद से मोहन प्रकाश की विदाई और उनकी जगह कृष्णा अल्लावारू की पदस्थापना है। दूसरा- जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाकपा से कांग्रेस में आए नेता कन्हैया कुमार को रोजगार के प्रश्न पर राज्य की पदयात्रा की अनुमति देना है। तीसरा- राज्यसभा के सदस्य डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह की जगह विधायक राजेश कुमार को प्रदेश अध्यक्ष पद पर बिठाना है।

इन तीनों निर्णयों की व्याख्या इस रूप में की जा रही है कि कांग्रेस राजद की छाया से निकल कर अपने पुराने जनाधार को हासिल करना चाह रही है। बताया जा रहा है कि मोहन प्रकाश राजद से मोलभाव के समय आक्रामक नहीं हो सकते थे। कन्हैया विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की काट के रूप में काम करेंगे, क्योंकि रोजगार और सरकारी नौकरी का वादा ही राजद का मुख्य चुनावी मुद्दा है।

डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह की पृष्ठभूमि राजद की रही है। इसलिए वह लालू प्रसाद के सामने बैठकर सीटों पर मोलभाव नहीं कर सकते हैं। एक पक्ष निर्दलीय सांसद पप्पू यादव का भी है। इनके बारे में चर्चा है कि कांग्रेस इन्हें पूर्णिया

लोकसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाना चाहती थी, लेकिन लालू प्रसाद और विशेष कर तेजस्वी यादव की सहमति न मिलने के कारण पप्पू को निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ा। उनकी जीत भी हुई। कांग्रेस की नई संरचना में यह भी जोड़ा जा रहा है कि अब पप्पू यादव भी सहयोग करेंगे।

प्रश्न पूछा जा रहा है क्या इन प्रयासों से कांग्रेस मजबूत होने जा रही है व्यावहारिक पक्ष यह है कि 1990 में बिहार की सत्ता से अलग होने के बाद हरेक विधानसभा से पहले कांग्रेस कुछ नया प्रयोग करती रही है। परिणाम यह बता रहा है कि तमाम प्रयासों के बावजूद 2015 को छोड़ दें तो हर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की कुछ सीटें कम ही होती गईं।

कांग्रेस ने राजद से अलग होकर चुनाव लड़ने का भी टोटका आजमाया। वर्ष 2010 में यह फलदायी साबित नहीं हुआ। सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद उसे केवल चार सीटों पर सफलता मिली। अंततः 2015 में वह राजद गठबंधन में शामिल हुई। उसे 27 सीटों पर सफलता मिली। उसे गठबंधन में चुनाव लड़ने के लिए 41 सीटें दी गई थीं। यह 1995 के विधानसभा चुनाव से दो कम था, जब कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में चुनाव लड़ी थी। 2020 में कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी और 19 पर जीती।

इस पृष्ठभूमि को और बीते पांच वर्षों में राज्य कांग्रेस की जमीनी गतिविधियों को देखें तो कहीं से यह नहीं कहा जा सकता है कि कांग्रेस इतनी मजबूत हो गई है कि वह अकेले चुनाव लड़े और इतनी सीटें जीत जाए, जिससे उसके सहयोग के बिना किसी की सरकार नहीं बनेगी।

यह ऐसा सच है, जिसे सच्चे कांग्रेसी भी स्वीकार कर रहे हैं कि सत्ता से अलग होने के साथ ही वह जनाधार भी गंवाती चली गई और उसे फिर से जोड़ने के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं किया गया।

बीच में ही यात्रा छोड़कर कन्हैया कुमार गए दिल्ली

अररिया, एजेंसी। अररिया में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने रविवार को बिहार में अपनी पलायन रोको नौकरी दो पद यात्रा स्थगित कर दिया है. यात्रा बीच रास्ते में छोड़कर कन्हैया कुमार दिल्ली के लिए रवाना हो गए. अररिया में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और कन्हैया के सुरक्षाकर्मियों के बीच विवाद के बाद यह फैसला लिया गया. बताया जा रहा है कि कन्हैया को दिल्ली से बुलावा आया था।

कन्हैया कुमार की पदयात्रा में धक्कामुक्की: बताया जाता है कि कन्हैया कुमार की पदयात्रा में उस समय विवाद हो गया जब कुछ लोग उन्हें माला पहनाने और उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे थे. एक विधायक के रिश्तेदार की सुरक्षाकर्मियों से बहस हो गई. सुरक्षाकर्मी लोगों को कन्हैया के पास जाने से रोक रहे थे. इस दौरान धक्का-मुक्की हुई और कुछ कार्यकर्ता गिर भी गए. इसके बाद कन्हैया ने बस स्टैंड के पास पद यात्रा रोक दी और दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

राहुल गांधी का आया फोन: यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता और कन्हैया कुमार के बाउंसर के बीच झड़प की पुष्टि खुद कांग्रेस जिलाध्यक्ष जाकिर अनवर बैराग ने की है. उन्होंने कहा कि कन्हैया कुमार शहर में चल रहे पदयात्रा को बीच में छोड़कर इसलिए निकल गए क्योंकि उन्हें राहुल गांधी का फोन आ गया था।

दिल्ली गए कन्हैया कुमार: जिलाध्यक्ष ने कहा कि कन्हैया कुमार को दिल्ली से कॉल आया था. जिसके बाद उन्होंने यह फैसला लिया. बता दें कि कन्हैया कुमार की यह पदयात्रा बिहार में पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्रित थी, इसकी शुरुआत चंपारण के भितिहरवा से हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस महकमा फिर हुआ शर्मसार, बेगूसराय में दारोगा की गंदी करतूत

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के नावकोठी थाना के दारोगा अरविंद शुक्ला को अप्राकृतिक यौनाचार मामले में गिरफ्तार किया गया है।

दारोगा पर मारपीट मामले में जेल भेजे गए आरोपित के पुत्र ने शिकायत करते हुए प्राथमिकी कराई है। एसपी मनीष ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपित दारोगा को निलंबित किया है। पीड़ित की मेडिकल जांच करा, दारोगा को गिरफ्तार किया गया है। एसपी के निर्देशानुसार बखरी डीएसपी कुंदन कुमार के नेतृत्व में नावकोठी थानाध्यक्ष के द्वारा पीड़ित व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। आरोपित दारोगा अरविंद शुक्ला से पूछताछ की जा रही है। बीते 23 मार्च को थाना क्षेत्र के एक गांव में भूमि विवाद में मारपीट हुई थी। एक पक्ष द्वारा छत ढलाई का प्रयास और दूसरे पक्ष द्वारा डीसीएलआर कोर्ट में विवाद लंबित रहने को लेकर रोका गया। एक पक्ष की महिला और दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति ने अलग-अलग प्राथमिकी अंकित कराते हुए छह-छह लोगों को नामजद आरोपित बनाया है। छह दिन पूर्व एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। आरोपित दारोगा पर इसी मामले में आरोपित के पुत्र को मदद के नाम पर थाना से 200 मीटर दूर स्थित अपने डेरा पर बुलाने और अप्राकृतिक यौनाचार किए जाने का आरोप है।

हनुमान जी के वार्षिक जन्मोत्सव पर होगा तीन दिवसीय आयोजन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। श्रीराम हनुमान मंडल की रविवार को अखाड़ा घाट रोड स्थित कार्यालय में हनुमान जी के वार्षिक जन्मोत्सव की तैयारी बैठक हुई। संयोजक आदित्य बंका व सुरेश अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष 52वां वार्षिक जन्मोत्सव 11 से 13 अप्रैल तक मनाया जाएगा। इस दौरान 41 घंटे की अखण्ड ज्योति व भजन का आयोजन होगा। बताया कि 11 अप्रैल को प्रातः 7 बजे मंदिर प्रांगण से ध्वजा शोभा यात्रा निकलेगी। वहीं, शाम 6 बजे उद्घाटन समारोह और रात 8 बजे से भजनों का कार्यक्रम होगा। वहीं, 12 अप्रैल को भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। 13 अप्रैल को कार्यक्रम की पूर्णाहुति होगी।

आयोजन में शहर के विशिष्ट अतिथियों में डॉ. रामगोपाल जैन, डॉ. एके दास, डॉ. शैलेन्द्र कुमार एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर भरतीया, आयोजन के मुख्य यजमान के रूप में मंजू देवी एवं पवन सिंघानिया, हरि प्रसाद अग्रवाल और दीपीका एवं राजेश अग्रवाल सेवा प्रदान करेंगे।

सपा सांसद के बयान को लेकर विरोध प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। राणा सांगा को लेकर समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन की कथित टिप्पणी के विरोध में रविवार को शहर में विरोध प्रदर्शन हुआ। श्रीराजपूत करणी सेना और करणी सेना ने सरैयागंज टावर चौक पर पुतला फूंका। साथ ही सपा और सांसद के खिलाफ नारेबाजी की। वे बयान को लेकर क्षत्रिय समाज से माफी मांगने की मांग कर रहे थे।

मौके पर श्रीराजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियांशु सिंह, प्रदेश महामंत्री अमित सिंह नरंगी, प्रदेश सचिव गौरव सिंह नरंगी, प्रदेश प्रवक्ता अनितेश सिंह, अमरनाथ सिंह, सन्नी सिंह, मणि सिंह, राजा सिंह, अमित सिंह, करण सिंह, सौरभ सिंह, आकाश सिंह राजपूत, आदित्य स्वरूप सिंह सहित अन्य थे।

रामनवमी पर सीढ़ी घाट से निकलेगी शोभायात्रा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सरैयागंज स्थित सार्वजनिक हनुमान मंदिर में रविवार को रामनवमी पर शोभायात्रा को लेकर बैठक हुई। अध्यक्षता रविनाथ रजक ने की। कहा कि 6 अप्रैल को सिकंदरपुर स्थित सीढ़ी घाट से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। रामभक्त माथे पर तिलक और हाथों में ध्वजा लेकर शोभायात्रा में शामिल होंगे। शोभायात्रा सिकंदरपुर सीढ़ी घाट से निकलकर बड़ी करबला, कंपनीबाग, सरैयागंज टावर, छाता बाजार, बाबा गरीबनाथ धाम, माखन साह चौक, पुरानी बाजार, हरिसभा चौक, कल्याणी, मोतीझील, संतोषी माता मंदिर होते हुए वापस सिकंदरपुर पहुंचेगी।

बिहार के खगड़िया में दर्दनाक हादसा, घर में सो रहे 2 सगे भाई जिंदा जले

खगड़िया, एजेंसी। बिहार के खगड़िया में भीषण अगलगी की घटना सामने आई है. जिले के चौथम थाना क्षेत्र के रोहियार बंगलिया गांव में हृदय विदारक घटना में दो बच्चों की आग में झुलसकर मौत हो गई, जबकि बच्चे को बचाने के प्रयास में पिता भी घायल हुए हैं. घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मचा है।

खाने बनाने के दौरान भड़की चिंगारी: रविवार को रोहियार बंगलिया गांव में अग्निदेव का रौद्र रूप देखने को मिला. जहां खाना बनाने के दौरान लगी भीषण आग ने देखते ही देखते आधा दर्जन घरों को अपनी जद में ले लिया. आग की चपेट में आने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि बच्चे को बचाने की कोशिश में पिता भी झुलस गए. इस घटना में करीब आधा दर्जन पालतू जानवर भी जले हैं।

दो सगे भाइयों की मौत, पिता झुलसे

मृतक की पहचान संदीप कुमार (5 वर्ष) और सूरज कुमार (3 वर्ष) बताई जा रही है. वहीं बच्चों को बचाने के प्रयास में पिता संजय सिंह भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनको अस्पताल में भर्ती किया गया है. घटना के बाद पूरे गांव में हाहाकार मचा हुआ है. इस अगलगी की घटना में आधा दर्जन बकरी के भी जलने की बात कही जा रही है. आग की चपेट में आने से तीन घर पूरी तरह जलकर राख हो गए, जबकि कुछ घरों को आंशिक क्षति पहुंची है।

अगलगी की घटना बढ़ी

अगलगी की इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन की ओर से राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं. स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि आग संजय सिंह और अजय सिंह के घर में लगी थी, जो इतना बिकराल हो गई कि घर में सो रहे दो छोटे मासूम की झुलसकर मौत हो गई. आपको बताएं कि बीते 15 दिनों में कई आगलगी की घटना घटित हुई है।

पटना के गांधी मैदान में ईद की नमाज, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पहुंचे, दी मुबारकबाद

पटना, एजेंसी। आज मुस्लिम समाज धूमधाम से ईद मना रहा है. पटना के गांधी मैदान में बड़ी तादाद में नमाजियों ने नमाज पढ़ी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी टोपी पहनकर ईद की नमाज में पहुंचे हैं. उन्होंने हाथ उठाकर दुआ मांगी, साथ ही देशवासियों को ईद की मुबारकबाद भी दी।

गांधी मैदान में ईद की नमाजः पटना के गांधी मैदान में सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद की नमाज पढ़ी. इस दौरान सुरक्षा कड़े बंदोबस्त किए गए हैं. वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी वहां पहुंचे और लोगों को ईद की मुबारकबाद दी. उनके साथ मंत्री अशोक चौधरी भी मौजूद थे. सीएम हर साल ईद की नमाज में शरीक होते हैं।

राज्यपाल ने दी मुबारकबादः बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी ईद की मुबारकबाद की. उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा,

ईद-उल-फित्र के अवसर पर समस्त देशवासियों और बिहारवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं. यह त्योहार हमें आत्मसंयम, त्याग और उदारता का संदेश देता है. मेरी कामना है कि ईद-उल-फित्र सबके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए. आइये इस अवसर पर हम सभ्य, सद्भावनापूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण का संकल्प लें।

किशनगंज में प्रशांत किशोर, ईद की नमाज में पहुंचे

जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने किशनगंज में ईद मनाई। इस मौके पर वो नमाजियों के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि सीमांचल में ईद के अवसर पर किशनगंज से बेहतर कोई जगह नहीं है। वहीं अमित शाह के दौरे पर कहां कि वो चुनाव को लेकर आए है, हम ईद को लेकर आए हैं।

ईद को लेकर कड़ी सुरक्षा

वहीं, ईद-उल-फितर को लेकर राजधानी पटना में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं. 425 से ज्यादा मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है. हर चौक-चौराहे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है. खासकर मस्जिदों के आसपास कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था देखने को मिल रही है।

मसौढ़ी में भी ईद की धूम

मसौढ़ी के गांधी मैदान में भी सामूहिक रूप से ईद की नमाज पढ़ी गई. जहां नमाजियों ने मुल्क की सलामती और अमन चैन की दुआ मांगी. इस मौके पर गांधी मैदान में अनुमंडल पुलिस प्रशासन की टीम मुस्तैद रही. इसके अलावा सबसे पहले तारेगना ईदगाह पर 6:30 बजे नमाज अता की गई. पुरानी बाजार मस्जिद में भी नमाजियों ने नमाज पढ़ी और पूरे अनुमंडल में कुल 37 जगहो पर ईद के मौके पर पुलिस मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी।

अनुपम ने राष्ट्रीय बधिर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में किया कमाल

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के एक छोटे से गांव से आने वाले युवा एथलीट अनुपम कुमार ने केरल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चार पदक हासिल किए हैं। चंद्रशेखरन नायर स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम में 28 से 31 मार्च 2025 के बीच आयोजित 9वीं राष्ट्रीय बधिर जूनियर एवं सब-जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप और 26वीं राष्ट्रीय बधिर सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अनुपम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर न सिर्फ अपने जिले

बल्कि पूरे बिहार का नाम रोशन किया है।

हरनौत बाजार के नियामतपुर गांव निवासी पप्पू कुमार के पुत्र अनुपम ने 800 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़ और 4म400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता, जबकि 4म100 मीटर रिले में रजत पदक हासिल किया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि अनुपम ने 400 मीटर की दौड़ मात्र 54 सेकंड में पूरी करके एक बेहतरीन समय दर्ज किया।

कोच ने उज्जवल भविष्य की कामना की है

अनुपम के कोच कुंदन कुमार पांडे ने कहा की अनुपम के पास असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने कभी हार नहीं मानी और निरंतर कड़ी मेहनत की। यह पदक उनके समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रतिफल है।÷ अनुपम की इस उपलब्धि पर प्रशिक्षकों की टीम में शामिल किशोरी जाजोदिया, प्रमोद कुमार, सत्यनाम कबीर, जूनियर कोच रासबिहारी पांडे, रवि कुमार, विनय कुमार, अमित कुमार, गौतम सिंह और प्रकाश कुमार ने उन्हें बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

इस प्रतियोगिता में सम्पूर्ण भारत से आए विशेष क्षमता वाले युवा एथलीटों ने भाग लिया, जिसमें अनुपम का प्रदर्शन सबसे उल्लेखनीय रहा।

नवजात को बेचने वाले पिता समेत 6 गिरफ्तार, 50 हजार में किया था डील

मां की शिकायत पर पुलिस ने पकड़ा

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली में एक पिता द्वारा अपने नवजात बच्चे को बेचने का मामला सामने आया है। जहां कार्रवाई करते हुए हाजीपुर नगर थाना पुलिस ने इस मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि महुआ थाना के कन्हौली मानपुरा निवासी राजेश कुमार ने अपने नवजात बच्चे को गोरौल निवासी रमेश कुमार को 50 हजार रुपए में बेच दिया गया था।

राजेश के पहले से ही 4 बच्चे हैं। वहीं रमेश कुमार की एक बेटी है और वह एक बच्चा खरीदना चाहता था। मामले का खुलासा तब हुआ जब बच्चे की मां गोलू कुमारी ने जोहरी बाजार स्थित न्यू बुद्ध पॉपुलर इमरजेंसी हॉस्पिटल से नवजात की चोरी की शिकायत नगर थाना में दर्ज कराई। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में नवजात के पिता राजेश कुमार, बच्चा खरीदने वाले रमेश कुमार के अलावा लालगंज के अरुण कुमार, पिरापुर के जयप्रकाश कुमार, सारण के जितेंद्र कुमार और नगर

थाना क्षेत्र के अविनाश कुमार शामिल हैं। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सात महीने पुराना मामला– बता दें की सात महीने पहले 10 सितंबर 2024 को में न्यु बुद्ध अपोलो इमरजेन्सी हॉस्पीटल, जौहरी बाजार हाजीपुर में आशा कार्यकर्ता मिनू देवी पत्ति विनय ग्राम पहाड़पुर, थाना महुआ, जिला वैशाली के कहने पर भर्ती हुई जहां उसे एक बेटा पैदा हुआ।

बेटा होने के बाद वहां पर मौजूद डॉक्टर चिन्टू उर्फ आदित्य राज पिता गरीबन सिंह, निवासी ग्राम वैजलपुर, थाना सोनपुर, जिला सारण द्वारा कहा गया कि बच्चे का हालत नाजुक है। उसे बच्चा केयर सेन्टर में रखना है वो बिना मेरी सहमति के अपनी गाड़ी में मेरे उक्त नवजात बच्चे को लेकर कहीं चल गया।

आशा के साथ मिलकर बेचने का लगाया आरोप

बच्चे की मां ने बताया कि बच्चा मांगे जाने पर कहा कि बच्चे को डिस्पोज कर दिए हैं। लेकिन वह और उनके स्वजन दबाव बनाने लगे तो गाली-गलौज करते हुए धमकी देते हुए वहां से भगा दिया। इसके साथ ही महिला के भर्ती और इलाज संबंधी कागजात मांगे जाने पर नहीं दिया गया गया। महिला का कहना था कि बाद में उन्हें पता चला कि उसका बच्चा बिल्कुल स्वस्थ था। उसे आशा कार्यकर्ता मीनू देवी की सहमति से नवजात शिशु को संजीत कुमार रजक, पिता सत्य नारायण रजक, ग्राम मनपुरा, थाना महुआ के हाथों बेच दिया गया है।

जिसमें रंजीत के चचेरे भाई नितेश कुमार उर्फ लालू कुमार, पिता महेश रजक ने बिचौलिया का काम किया है। वह नवजात शिशु रंजीत कुमार रजक के फुफा के पास रखा हुआ है।

महिला ने की थी डीएनए टेस्ट कराने की मांग

महिला ने उसे बरामद करने और सत्यता जांच के लिए डीएनए टेस्ट कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि मीनू देवी, डॉ. चिंटू उर्फ आदित्य राज, रंजीत कुमार रजक, नितेश कुमार रजक उर्फ लालू कुमार, रंजू देवी, सतिया देवी आदि ने मिलकर साजिश के तहत नवजात बच्चे की हाजत नाजुक बताकर उसे अपहरण कर कहीं ले गए। उन्होंने रंजीत रजक के हाथों मोटी रकम लेकर बच्चे को बेच दिया है। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल से नवजात चोरी के मामले में उसके पिता सहित आधे दर्जन लोगों को गिरफ्तार करते हुए नवजात को बरामद कर लिया है।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 31-03-2025 22:16 Page 1

कलश शोभा यात्रा के दौरान पथराव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा के कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के केवतगामा पंचायत के पछियारी टोला में कलश शोभायात्रा के दौरान पथराव की घटना सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने 45 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है, जबकि छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना को लेकर ग्रामीण एसपी आलोक ने पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस पथराव से जुड़े वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी जारी है।

ग्रामीण एसपी आलोक के अनुसार, इस विवाद की शुरूआत एक धार्मिक आयोजन के दौरान हुई। कार्यक्रम के दौरान एक मुर्गे को मारने को लेकर दोनों समुदायों में कहासुनी हो गई, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए मारपीट और फिर पथराव में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। इलाके में फिलहाल पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो।

पुलिस ने स्थानीय पदाधिकारियों और चौकीदार की मदद से

- 45 लोगों पर प्राथमिकी, छह गिरफ्तार
- माहौल शांत, पुलिस रख रही नजर

आरोपियों की पहचान की। पहचान किए गए 45 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिनमें से छह को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि वीडियो फुटेज और चश्मदीदों के बयान के आधार पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही, लेकिन पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप से माहौल शांतिपूर्ण है। ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की गई है। पुलिस प्रशासन ने साफ किया कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

हर्षोल्लास के साथ मनी ईद

लोगों ने एक दूसरे को दी मुबारकबाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड क्षेत्र में ईद उल फितर त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने अपने गांव के मस्जिदों में ईद उल फितर नमाज अदा कर एक दूसरे को गले लगा कर ईद मुबारक दिया। और इस दौरान परिवार समाज और देश में अमन चैन शांति भाई चारे के लिए दुआ मांगी। ईद को लेकर क्षेत्र के समीरा सुन्नी जमा मस्जिद परशुराम ,रहटौली ,नूरगंज, मस्जिद में नमाज अदा को लेकर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होकर नमाज अदा किया। शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर क्षेत्र में हथौड़ी थाना अध्यक्ष नागेंद्र कुमार, शिवाजीनगर थाना अध्यक्ष छोटेलाल सिंह के साथ साथ पुलिस पदाधिकारी व दंडाधिकारी भ्रमण करते देखे गए।

जूनियर इंजीनियर की चाकू गोदकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अपराधियों ने अररिया के जूनियर इंजीनियर की मुजफ्फरपुर में चाकू गोदकर हत्या कर दी। मृतक शिवम कुमार अररिया जिले के फारबिसगंज के रहनेवाले थे और वह बिजली विभाग में जूनियर इंजीनियर थे।

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि मृतक शिवम का ससुराल तुर्की थाना क्षेत्र के केरमा गाँव मे है। रविवार की सुबह में फारबिसगंज से अपने ससुराल आने के दौरान अहले सुबह करीब चार बजे के बीच तुर्की थाना इलाके में पहुंचे और वहां से वह पैदल ससुराल जा रहे थे। इस दौरान सुबह साढ़े चार बजे के करीब मृतक एक लाइन होटल पर रुककर चाय पीने लगे। चाय पीने के बाद वह फिर वहां से उठकर ससुराल की ओर निकल पड़े । शिवम पैदल ही जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में बदमाशों ने लूटपाट करने लगे। जब इन्होने लूट का विरोध किया तब बदमाशों ने उनपर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई।

घटना के संबंध में डीएसपी वेस्ट 2 अनिमेष चंद्र ज्ञानी ने बताया कि तुर्की थाना क्षेत्र में एक शख्स की का शव मिला था। शव मिलने के लगभग 12 घंटे तक वह अज्ञात रहा, लेकिन परिजन के द्वारा काफी खोजबीन के बाद शव की शिनाख्त बिजली विभाग के एक इंजिनियर के रूप में हुई। इस संबंध में एसडीपीओ वेस्ट टू अनिमेष चंद्र ज्ञानी ने बताया कि शिवम फारबिसगंज से तुर्की थाना क्षेत्र के केरमा गांव में आ रहे थे। केरमा शिवम का ससुराल है, जहां उनकी पत्नी और बच्चा आया हुआ था। पत्नी और बच्चा को लेकर उनको वापस अपने घर फारबिसगंज लौटना था। लेकिन इसी दौरान में बदमाशों ने उनकी हत्या कर दी। एसडीपीओ वेस्ट टू अनिमेष चंद्र ज्ञानी ने बताया कि लूटपाट के दौरान इस घटना को अंजाम दिए जाने की आशंका है। पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। पहले मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी देर रात पहचान हो पाई है।

आश्रय गृह की अधीक्षक ने खुदकुशी

नवादा। वृहद आश्रय गृह की अधीक्षक ने खुदकुशी कर ली। घटना सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। मृतका प्रियंका (35) यूपी के गोरखपुर की रहने वाली थी। उन्होंने नगर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 05 बुधौल स्थित अपने सरकारी आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

आत्महत्या से पहले प्रियंका ने अपने पति गणेश कुमार से व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल पर बात की। उन्होंने पति को बताया कि वह आत्महत्या करने जा रही हैं। इसके बाद यह घटना हुई। प्रियंका के पति ने ही पुलिस को उसके आत्महत्या करने की सूचना दी।

पुलिस गिरफ्त से फरार हुआ 10 करोड़ी चोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। हरियाणा के अंबाला जिले में कोऑपरेटिव बैंक से 10 करोड़ रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी मिथुन बिंद पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। हरियाणा पुलिस उसे रिमांड पर लेकर बिहार के मुंगेर पहुंची थी, लेकिन एक होटल के शौचालय के वेंटिलेटर को तोड़कर वह भाग निकला। हरियाणा पुलिस और स्थानीय असरगंज थाना पुलिस अब फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, सितंबर 2023 में अंबाला के बलदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित कोऑपरेटिव बैंक में चोरी की बड़ी वारदात हुई थी। इस मामले में असरगंज प्रखंड के चौरगांव से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। हरियाणा पुलिस ने इन आरोपियों के घरों से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात जमीन में गड़े हुए बरामद किए थे। इसी मामले में चोरी के मुख्य आरोपी मिथुन बिंद को 30 मार्च को रिमांड पर लेकर हरियाणा पुलिस मुंगेर आई थी।

बताया जा रहा है कि हरियाणा पुलिस मिथुन बिंद को लेकर खड़गपुर थाना और अन्य स्थानों पर जांच के लिए गई थी। इसके बाद रात में पुलिस ने असरगंज थाना क्षेत्र के लदौवा मोड़ स्थित शिवम लाइनर होटल में ठहरने का फैसला किया। सुबह के समय आरोपी ने शौचालय जाने की अनुमति मांगी और मौका पाकर वेंटिलेटर तोड़कर फरार हो गया। जब तक पुलिस को इस बात का पता चला, तब तक वह आंखों से ओझल हो चुका था। हरियाणा पुलिस ने तत्काल असरगंज थाना पुलिस को सूचना दी और स्थानीय पुलिस ने आरोपी की तलाश में छापामारी शुरू कर दी।

इस मामले में होटल प्रबंधन की लापरवाही भी सामने आई है। जिस होटल में पुलिस ठहरी थी, वहां लगे सीसीटीवी कैमरे कई महीनों से बंद पड़े थे। सीसीटीवी बंद रहने के कारण पुलिस को आरोपी के भागने की सही दिशा और अन्य सुराग नहीं मिल पाए।

वर्ष 2025 के हॉकी विश्वकप का मेजबानी करेगा राजगीर

हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच हुआ करार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार को चुनावी साल में एक और बड़ी सौगात मिली है। स्पोर्ट्स सेक्टर के लिए यह खबर काफी महत्वपूर्ण है। बिहार के राजगीर शहर में हॉकी एशिया कप का आयोजन होगा। सोमवार को हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच इसको लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर भी कर लिए गए। राजगीर अब 2025 के हॉकी एशिया कप के लिए पूरी तरह से तैयार है।

बता दें कि यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक राजगीर हॉकी स्टेडियम में होगा। इस स्टेडियम को हाल ही में विकसित किया गया है। नवंबर 2024 में सफल महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद यह राजगीर द्वारा आयोजित दूसरा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होगा। महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत विजयी हुआ था। हॉकी एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया सहित आठ टीमें भाग लेंगी। शेष दो टीमें क्वालीफाइंग टूर्नामेंट, एएचएफ कप के माध्यम से अपना स्थान सुरक्षित

करेंगी। राजगीर में इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी के बारे में बिहार खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव बी राजेंद्र ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा, ₹हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर बिहार के लिए काफी अहम है। इस बिहार भी स्पोर्ट्स हब बनने की ओर आगे बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व का क्षण है और हम टूर्नामेंट को बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। हम पूरे एशिया से शीर्ष टीमों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, यह आयोजन न केवल अंतरराष्ट्रीय खेलों में बिहार का कद बढ़ाएगा बल्कि इस क्षेत्र में हॉकी खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को भी प्रेरित करेगा। मैं हॉकी इंडिया और एशियाई हॉकी महासंघ को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं और हम एक विश्व स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए उत्साहित हैं।

गेहूं की खेत से युवक की लाश बरामद

सीतामढ़ी। जिले के रीगा थाना क्षेत्र के सोनार धोबिया टोल में एक युवक की गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्यारे शव को गेहूं के खेत में फेंककर फरार हो गए। अहले सुबह जब स्थानीय लोगों ने शव देखा तो इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी नंदलाल गिरी के 21 वर्षीय पुत्र रोशन कुमार के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ रामकृष्ण और रीगा थानाध्यक्ष संजीव कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

विचाराधीन कैदी दीवार फांदकर हुआ फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। छपरा मंडलकारा से रविवार की रात 15 दिनों से बंद विचाराधीन बंदी 25 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गया। वह सिवान जिले के गोरिया कोठी थाना क्षेत्र के दुधरा गांव निवासी नितेश कुमार है।

उसे भगवान बाजार थाने की पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी व इसी मामले में दो वर्ष पहले कोर्ट परिसर से हथकड़ी सरकाकर भागने के मामले में दोबारा गिरफ्तार किया गया था।

इस मामले में डीएम ने जेल प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है। जेल अधीक्षक ने रात की ड्यूटी पर तैनात तीन सिपाही को निलंबित कर दिया है, वहीं जेल के दो उपाधीक्षक से शोकॉज किया है।

इस मामले में जेल अधीक्षक राधेश्याम सुमन ने भगवान बाजार थाने में फरार कैदी के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। भगवान बाजार थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि फरार कैदी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जेल अधीक्षक ने प्राथमिकी में उल्लेख किया है कि नीतेश कुमार पहली बार वर्ष 2023 में उसी ट्रैक्टर की चोरी मामले में गिरफ्तार किया गया था, तब छपरा कोर्ट परिसर से हथकड़ी सरका कर पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला था।

15 दिनों पहले पुलिस ने उसे दोबारा गिरफ्तार कर कोर्ट में प्रस्तुत कर जेल भेजा था। इस बार उसने जेल की दीवार फांदने के लिए परिसर में लटके केबल का सहारा लिया है। सीसीटीवी में उसकी करतूत कैद हो गई है।

बड़ी बात यह है कि जेल की दीवार की ऊंचाई मानक के अनुरूप 25 से 30 फीट है। चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, वाच टावर पर सुरक्षाकर्मियों की राउंड द क्लाक ड्यूटी लगती है।

रात में रोशनी के लिए हाईमास्क लाइट लगी है। शाम में सभी कैदियों की गिनती कर वार्ड में बंद कर दिया जाता है। ऐसे में कैदी दीवार फांदकर भाग निकला और किसी को भनक तक नहीं लगी।

67 वर्षों बाद कब्जाधारियों की जमाबंदी होगी रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के आरा सदर अंचल क्षेत्र में 1958 से अधिग्रहित भूमि की अब तक कई बार अवैध ढंग से खरीद बिक्री किए जाने का खुलासा हुआ है। लगभग 67 वर्षों से कई लोगों के द्वारा इस पर जमाए गए अवैध कब्जे को हटाने के लिए इसकी जमाबंदी रद्द की जा रही है। इसे लेकर आरा सदर अंचलाधिकारी ने जमीन की जमाबंदी रद करने का प्रस्ताव भेज दिया है।

भेजे गए प्रस्ताव में मौजा आरा और धरहरा थाना नंबर 166 के 12 खाताधारी शामिल हैं, जिनके नाम पर तेरह खेसरा शामिल है। तेरह खेसरा में 19 जमाबंदी शामिल हैं।

मामले का खुलासा कायमनगर-जीरो माइल मुख्य सड़क से अतिक्रमण हटाने के दौरान हुआ। रैयतों के द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा था और कहा जा रहा था कि यह जमीन हम लोगों की रैयती है। जमीन से जुड़े कागजात और रजिस्ट्री डीड के साथ-

भू अर्जन कार्यालय की अर्जित भूमि की कई बार हो चुकी है खरीद-बिक्री

साथ ऑनलाइन या ऑफलाइन दाखिल-खारिज रसीद भी दिखाई गई।

इस मामले को देखकर आरा सदर अंचलाधिकारी पल्लवी गुप्ता का माथा ठनका। मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने पूरे मामले की जांच राजस्व कर्मचारी और राजस्व पदाधिकारी से कराई। जांच में यह पता चला कि इस जमीन को भू-अर्जन कार्यालय के द्वारा 1958 में ही अधिग्रहित कर ली गई थी। इस कारण इस जमीन पर किसी भी प्रकार के रैयत का दवा नहीं बनता है।

इसे देखते हुए आरा अंचलाधिकारी ने सभी की जमाबंदी रद करने की अनुशंसा एडीएम से कर दी है। कायमनगर-जीरो माइल मुख्य सड़क के किनारे कई बड़े प्रतिष्ठान और बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बनी हुई है।

दूसरी तरफ इन सभी के कारण ही कायमनगर-जीरो माइल सड़क का निर्माण कार्य तेजी से पूरा नहीं हो पा रहा है, क्योंकि अब ये लोग ही केवल अतिक्रमण किए हुए हैं। इन सभी के हट जाने के बाद पूरे सड़क मार्ग से लगभग अतिक्रमण सफाया हो जाएगा, जिसके बाद सड़क का निर्माण कार्य भी तेजी से पूरा हो जाएगा।

जिला भू अर्जन कार्यालय के द्वारा 1958 में इस जमीन को अधिग्रहित कर लेने के बाद जिसके नाम से जमीन अधिग्रहित की गई उसके नाम से रजिस्टर टू के साथ-साथ जमाबंदी कायम करना चाहिए था।

उसके बाद सभी कागजातों को अपडेट कर देना चाहिए था। विभाग की इस भूल या लापरवाही के कारण कई लोग इस जमीन को खरीदते और बेचते रहे। अब यह मामला न्यायालय में भी जा सकता है?

शराब पीकर अस्पताल पहुंचे चिकित्सक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। एक-दो चिकित्सक की करतूत से सदर अस्पताल शर्मसार हो रहा है। सूबे में शराबबंदी होने के बाद भी सदर अस्पताल में तैनात चिकित्सक असीम अपनी आदत से बाज नहीं आ रहे हैं।

ये खुलेआम शराबबंदी कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं। तीन बार शराब के नशे में पकड़े जाने के बाद कोर्ट से जमानत उन्हें लेनी पड़ी।

इसके बाद भी वह नशे में ही मरीज का इलाज करने अस्पताल पहुंचते हैं। रविवार की रात डॉ. असीम की ड्यूटी इमरजेंसी वार्ड में लगी थी। इस बीच फरदा निवासी नरेश पाठक की पत्नी नीलम देवी (75) को गंभीर हालत में लेकर स्वजन अस्पताल पहुंचे। नशे में होने के कारण डॉ. असीम नींद में थे। इस पर स्वजन ने हंगामा करना शुरू कर दिया।

हंगामे की खबर सुनकर कोतवाली व 112 की पुलिस पहुंची। पुलिस के आने की सूचना पर नशे में धुत डॉ. असीम को स्वास्थ्य कर्मियों ने अस्पताल से भगा दिया। इस बीच गंभीर हालत में पहुंची महिला की मौत हो गई। हंगामा कर रहे पुलिस ने सभी को समझा कर शांत कराया।

स्वजन का आरोप है कि जब वह मरीज को लेकर पहुंचे थे तो डॉ. असीम नशे में धुत होकर बेड पर सोए थे। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियो ने उन्हें इमरजेंसी वार्ड से भगा दिया। रात 9.30 बजे डॉ. हेमंत कपूर पहुंचे और मरीजों का बारी-बारी से इलाज किया। परिवार वालों ने इमरजेंसी वार्ड में लगे सीसीटीवी का फुटेज जांच कराने की भी मांग की है।

जमालपुर प्रखंड के गौरीपुर निवासी अविनाश कुमार परिवार के साथ ई-रिक्शा से जमालपुर जा रहे थे। बीएमपी के समीप सामने से बाइक ने टक्कर मार दी। इसमें अर्पित राज (8) बेबी देवी (35) गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सक के नहीं रहने के कारण स्वजन ने हंगामा किया। अविनाश कुमार ने बताया इमरजेंसी की ड्यूटी में डाक्टर शराब पीकर आए, यह कहां तक उचित है।

पीकर रामविलास पासवान की बेवा को पशुपति पारस ने किया बेदखल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगड़िया। संपति को लेकर राम विलास पासवान के परिवार में विवाद पैदा हो गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की पत्नी ने उनके बड़े भाई रामविलास पासवान की पहली पत्नी राजकुमारी देवी के कमरे में ताला जड़ दिया है।

मामला संपत्ति विवाद को लेकर बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पशुपति पारस अपने पुस्तैनी घर के बगल में रामविलास पासवान का समाधि स्थल बनाए हुए हैं। इसको लेकर विवाद शुरू हो गया है। रविवार को पशुपति पारस की पत्नी शहरबन्नी पहुंची और रामविलास पासवान की पहली पत्नी राजकुमारी देवी के कमरे में ताला जड़ दिया।

राजकुमारी देवी ने भी अपनी गोतनी पशुपति पारस की पत्नी पर कमरे को बंद करने का आरोप लगाया है। हालांकि इस मामले में अलौली थाना में अभी तक किसी तरह का आवेदन नहीं दिया गया है। वहीं इस मामले में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की तरफ से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बहरहाल बिहार विधानसभा चुनाव से पहले खगड़िया में पासवान परिवार में जंग का असर चुनाव में भी दिखने की चर्चा हो रही है।

चिराग पासवान की बड़ी मां राजकुमारी देवी का आरोप है कि पशुपति कुमार पारस की पत्नी शोभा देवी और स्वर्गीय रामचंद्र पासवान की पत्नी सुनैना देवी ने उनको घर से निकालकर ताला मार दिया है। इस घटना से आहत होकर वह बीमार हो गई हैं। उनका आरोप है कि उनकी देवरानियों के साथ-साथ सुरक्षा गार्ड और ड्राइवर भी उनके साथ शामिल थे। इधर चिराग पासवान के भांजे और छात्र लोजपा रामविलास के छात्र प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस पासवान ने कहा कि अगर सभी बंटवारा करना चाहते हैं तो कर लें।

दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की पहुंच राष्ट्रीय राजनीति में रही है। वे कई बार केंद्रीय मंत्री रहे हैं। उनकी मृत्यु के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और उनके चाचा पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के बीच राजनीतिक विरासत को लेकर विवाद छिड़ा था। इस मामले में पार्टी हथियाने और धोखा देने के आरोप तक लगाये गये थे। अब यह मामला संपति विवाद में तब्दील हो गया है।चिराग पासवान और उनके परिवार के बीच संपति विवाद का मामला तुल पकड़ चुका है।

दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। पशुपति कुमार पारस की ओर से प्रदेश प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल ने ऐसे किसी भी आरोप को बेबुनियाद कहा है। उन्होंने चिराग पासवान पर कटाक्ष करते हुए इसे ओछी राजनीति बताया है। इधर लोजपा रामविलास के प्रदेश प्रधान महासचिव संजय पासवान ने कहा कि पशुपति पारस रामविलास पासवान को भगवान कहते हैं, जिन्होंने उनके मरने के बाद मां सामान भाभी को घर से निकाल दिया।

गोलघर की बदलेगी सूरत, कलाकारों का बनेगा डाटा बेस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अंग्रेजों के जमाने में बने पटना की पहचान गोलघर की चमक वापस लाने की तैयारी है। धूप-बारिश से लगभग काले हो चुके गोलघर की केमिकल से सफाई कराई जाएगी।

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग गोलघर की बाहरी दीवारों की रासायनिक विधि से साफ-सफाई के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) से पत्राचार करेगा।

इसके अलावा विभाग के स्तर से भी गोलघर की सफाई के लिए परामर्शी का चयन करते हुए समानांतर रूप से कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके साथ ही रोहतास जिले में स्थित शेरशाह सूरी के मकबरे का जीर्णोद्धार और विकास करने के लिए भी एएसआइ से पत्राचार किया जा रहा है।

पिछले दिनों विभागीय सचिव प्रणव कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण और लंबित योजनाओं की समीक्षा की गई। सीतामढ़ी और बेतिया में नया संग्रहालय बनाने के लिए भूमि चिह्नित करने का निर्देश दिया गया। इसको लेकर संबंधित डीएम से समन्वय स्थापित करने को कहा गया है। बिहारशरीफ संग्रहालय के जिला प्रशासन के स्तर से भूमि न उपलब्ध कराने पर इसका स्थानांतरण नालंदा के तेल्हाड़ा में करने का प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा गया है।

इसके साथ ही इस संबंध में नालंदा के डीएम का मंतव्य लेने को भी कहा गया है। इसके अलावा छपरा, गया और मधुबनी के संग्रहालय के जीर्णोद्धार की कार्ययोजना नए तरीके से एजेंसी का चयन कर तैयार करने को कहा गया है। मुजफ्फरपुर के रामचंद्रशाही संग्रहालय के भवन की मरम्मत और जीर्णोद्धार का निर्देश दिया गया।

विभागीय सचिव ने सांस्कृतिक कार्य निदेशालय को सभी कलाकारों का डाटाबेस तैयार करने का निर्देश दिया है। इसमें सभी विधाओं के कलाकारों का नाम, मोबाइल नंबर आदि दर्ज किया जाएगा।

लालू पर बरसे मांझी, शहनवाज का किया समर्थन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी आज राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव गलतफहमी में हैं। बबुल के पेड़ से किसी को आम मिला है? कभी गलती से बबूल के पेड़ के पास से आम मिल गया तो सदा वह कहेंगे कि आम ही मिलेगा। ऐसी बात नहीं है, लालू प्रसाद यादव गलतफहमी में हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव कह रहे है कि कोई माई का लाल तेजस्वी यादव को सीएम बनाने से नहीं रोक सकता है। किस गर्व की बात से लालू यादव ऐसा बात बोलते हैं। लोकतंत्र में ऐसा नहीं चलता है। हर चीज तो उन लोगों ने गलत किया है। किसी कारणवश कभी मौका मिल गया है तो वह समझ रहे हैं सब कुछ हो गया। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने स्पष्ट रूप से कहा कि तेजस्वी यादव कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पायेंगे, लालू प्रसाद यादव गलतफहमी में न रहें।

सोमवार को बोधगया में स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने भाजपा के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन के ओवैसी वाले बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले हमारा भी इसी तरह का बयान आया था। हमने मुस्लिमों को कठमुल्ला कहा था। कठमुल्ला का मतलब किसी धर्म को किसी बात को अपने ढंग से सोचकर आगे प्रसारित करना है। शहनवाज हुसैन ने ऐसा कहा है तो कहीं न कहीं तथ्य होगा।

राजद नेता सह बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव अपने एक्स मीडिया पर चुनावी वर्ष में भाजपाई राजनीतिक कर झूठी घोषणाएं कर रहे हैं। इस सवाल पर केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि तेजस्वी यादव गलत बोल रहे हैं। कुछ दिन पूर्व पीएम नरेंद्र मोदी भागलपुर गए थे, वह चुनावी वर्ष था।

उन्होंने कहा कि बिहार में विकास का दौर चल रहा है। जहां विकास की बातें होती हैं, वहां पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह और मंत्री जाते रहते हैं। क्या उनके जैसा घर में बैठे रहे। उनके जैसा जात-पात और धर्म की बात करेंगे। बिहार के बारे में वहीं लोग हल्ला करते थे। स्पेशल राज्य के दर्जा से दोगुना राशि बिहार को मिल रहा है। एनडीए की सरकार सिर्फ विकास की बात करती है, जो बिहार में दिख रहा है।

पेड़ से बांधकर विधवा की पिटाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक विधवा महिला को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। महिला के ससुराल पक्ष पर मारपीट और प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना जिले के सकरा थाना क्षेत्र की है। समस्तीपुर जिले के विद्यापति नगर थाना क्षेत्र निवासी वाली पिंकी देवी की शादी 2012 में सकरा निवासी प्रमोद कुमार से हुई थी। शादी के बाद उनके दो बेटे हुए, लेकिन 2021 में उनके पति की मृत्यु हो गई। इसके बाद से ही पिंकी के ससुराल वालों ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

पीड़िता ने बताया कि पति की मौत के बाद उसकी सास तेतरी देवी, भैसुर और जेठानी उसे आए दिन मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। 2021 के सितंबर महीने में पिंकी ने अपने मायके वालों को इसकी सूचना दी, जिसके बाद उसका भाई उसे अपने घर ले गया। करीब डेढ़ साल बाद मार्च 2023 में ससुराल पक्ष से समझौते के बाद पिंकी फिर अपने ससुराल लौट आई। लेकिन यहां हालात पहले जैसे ही रहे। ससुराल वालों ने उसे फिर से मारपीट कर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया, जिसके चलते पिंकी को एक बार फिर अपने मायके जाना पड़ा।

सब्जी के विवाद में पत्नी ने की खुदकुशी

तीन साल पूर्व किया था प्रेम विवाह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के आयर थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव में रविवार की रात जहर खाने से छत्तीसगढ़ की नर्तकी (महिला डांसर) की मौत हो गई। सोमवार की सुबह कमरे से उसका शव बरामद किया गया। मृतका 19 वर्षीय प्रियंका देवार मूल रूप से छतीसगढ़ के कोरबा जिले के भालपहरी, हल्दी बाजार निवासी सिकंदर देवार की पुत्री थी।

वह तीन वर्ष पहले भोजपुर के एक युवक से प्रेम विवाह कर उसके साथ श्रीपुर में किराए के कमरे में रहती थी। दोनों को एक दो वर्ष की बच्ची भी है। बताया गया कि रविवार की शाम उसका पति से सब्जी को लेकर विवाद हुआ था, इसके बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

सोमवार को सदर अस्पताल, आरा में उसका पोस्टमार्टम कराया गया। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए हैं। थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि मृतका के पिता के आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बताया गया कि प्रियंका पांच वर्ष पहले छत्तीसगढ़ से भोजपुर आई थी। यहां श्रीपुर के अशोक राम के मुस्कान थियेटर में नर्तकी थी। एक कार्यक्रम के दौरान आयर थाने के सुल्तानपुर गांव निवासी लक्ष्मण शर्मा के संपर्क में आई थी। नजदीकियां बढ़ीं तो दोनों ने लगभग तीन वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था। युवक के घर वालों की असहमति के कारण दोनों अलग किराए का कमरा लेकर श्रीपुर में रह रहे थे। मृतका की मौसी कौशल्या ने बताया कि उसका पति उसे आए दिन श्रीपुर में छोड़कर अपने गांव चला जाता था। इसे लेकर अनबन होती थी। घटना की रात दोनों में सब्जी को लेकर झगड़ा हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

ट्रिपलआईटी के दो छात्रों की मौत का मामला... निदेशक कार्यालय घेरकर बैठे भड़के छात्र

प्रयागराज , एजेंसी। ट्रिपलआईटी में दो साथियों की मौत से भड़के छात्रों ने जमकर हंगामा किया। संस्थान प्रशासन पर अनुशासन के नाम पर उत्पीड़न, छात्र सुविधाओं में बदहाली का आरोप लगाकर विरोध जताया। रात में 12 बजे से सुबह छह घंटे तक हंगामा करने के बाद शाम को एक बार फिर वह विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कैंडल मार्च निकालने के बाद उन्होंने निदेशक कार्यालय पर धरना शुरू कर दिया, जो रात 11 बजे खबर लिखे जाने तक जारी था।

छात्रों का आरोप था कि फैकल्टी की अनुशासन के नाम पर उत्पीड़न ही राहुल की मौत का कारण है। वहीं, अखिल की जान समय पर मेडिकल सुविधा न मिलने के कारण हुई। इसी को लेकर छात्र सुबह तक प्रदर्शन करते रहे। शाम छह बजे से छात्र फिर से एकजुट होकर मांगों के साथ कैंडल मार्च निकाला और देर रात तक निदेशक कार्यालय पर धरना देते रहे। छात्र राहुल और अखिल की मौत के बाद रविवार को निदेशक के कार्यालय में देर रात तक हंगामा चलता रहा। छात्र साथी के परिवार के लिए कॉलेज में एक नौकरी, मुआवजा और परिवार के लिए आजीवन स्वास्थ्य बीमा की मांग करते हुए देर रात तक डटे रहे।अवकाश पर होने के कारण निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतावने अपने गृह जनपद पुणे में थे।सूचना पाकर वह फ्लाइट से पहले वाराणसी और वहां से सड़क मार्ग से देर रात ट्रिपलआईटी पहुंचे। कॉलेज पहुंचते ही उन्होंने छात्रों को अपने कार्यालय में वार्ता के लिए बुलाया। छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल उनसे वार्ता करने पहुंचा, जबकि अन्य छात्र धरने पर बैठे रहे। छात्रों और निदेशक के बीच तकरीबन दो घंटे तक वार्ता होती रही लेकिन छात्रों को कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। कई बार छात्रों ने तल्ख लहजे में गुस्सा भी जाहिर किया। छात्रों ने कहा कि राहुल और अखिल की मौत के लिए ट्रिपलआईटी प्रशासन की जिम्मेदारी तय की जाएगी और संबंधित अफसरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराते हुए कार्रवाई की जाए।

यू-गार्डर लगाने का काम शुरू, जुलाई में खंदारी तक दौड़ेगी आगरा मेट्रो

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने मेट्रो के पहले कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेज कर दिया है। भूमिगत स्टेशन को एलिवेटेड ट्रैक से जोड़ने के लिए यू-गर्डर लगाने का कार्य शुरू हो गया है। जून तक 4 स्टेशन बनकर तैयार हो जाएंगे और जुलाई के अंत में खंदारी तक मेट्रो का लोग सफर कर सकेंगे। यूपीएमआरसी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अरविंद राय ने बताया कि पहले कॉरिडोर में ताज पूर्वी से मनकामेश्वर स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन का संचालन हो रहा है। इसके अगले चार स्टेशन आरबीएस, राजा की मंडी, आगरा कॉलेज स्टेशन में सुरंग बनकर तैयार हो गई है। सिविल कार्य चल रहा है। आईएसबीटी, गुरु का ताल और सिकंदरा स्टेशन एलिवेटेड हैं। भूमिगत और एलिवेटेड स्टेशन का रैंप एरिया खंदारी चौराहा है। इसको जोड़ने के लिए रविवार को यू-गर्डर रखने का कार्य शुरू हो गया है।

जून तक चारों भूमिगत स्टेशन बनकर तैयार हो जाएंगे। जुलाई के अंत में या अगस्त के पहले सप्ताह में मेट्रो का आरबीएस स्टेशन तक संचालन किया जाएगा। रैंप एरिया कनेक्ट होने से मेट्रो ट्रेनों को आईएसबीटी स्टेशन पर खड़ा किया जा सकेगा। आईएसबीटी, गुरु का ताल और सिकंदरा एलिवेटेड स्टेशन के निर्माण कार्य भी चल रहा है। इसी साल दिसंबर तक ये भी निर्माण होने की उम्मीद है और इसी महीने में सिकंदरा तक मेट्रो चलाने की योजना है।

मोहम्मद शमी के बहन-बहनोई समेत 12 से होगी दस लाख की वसूली

अमरोहा , एजेंसी। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन और उनके परिवार के सदस्यों के नाम मनरेगा मजदूर के रूप में 10 लाख रुपये की मजदूरी लेने का मामला सामने आया है। डीएम के निर्देश पर जांच में गड़बड़ी की बात सामने आई है। अब नोटिस और रिकवरी की कार्रवाई शुरू की जा रही है।

क्रिकेटर मोहम्मद शमी के बहन-बहनोई का पंजीकरण मनरेगा मजदूर के रूप में होने और उनके खाते में मजदूरी के पैसे आने के मामले में वसूली होगी। डीसी मनरेगा अमरेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि जोया ब्लॉक के पलौला गांव में मनरेगा में गड़बड़ी की रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी।

डीएम के निर्देश पर नोटिस और रिकवरी की कार्रवाई की जाएगी। मोहम्मद शमी की बहन शबीना की शादी जोया ब्लॉक के पलौला गांव निवासी गजनबी के साथ हुई है। शबीना की सास गुले आयशा गांव की प्रधान हैं। कुछ दिन पहले यह जानकारी सामने आई थी कि शबीना, उसके पति और दो देवर का नाम मनरेगा मजदूर के रूप में दर्ज है।

इस मामले की डीएम निधि गुप्ता वत्स ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में यह जानकारी सामने आई कि मनरेगा में मजदूरी पाने को प्रधान के परिवार की और से फर्जीवाड़ा किया गया है। शबीना और गजनबी समेत परिवार के आठ लोगों ने मजदूरी हासिल की है।

जांच में सामने आया है कि शबीना ने 71013, उनके पति गजनबी ने 66561, देवर शेखू ने 55312, नसरुद्दीन ने 71704, आमिर सुहेल ने 63851, ननद नेहा ने 55867, सरिया ने 54645 व सबा रानी ने 17020 रुपये की मनरेगा मजदूरी चार सालों में हासिल की है।

इसके अलावा परिवार के दूसरे लोगों समेत करीब 12 से अधिक लोग इस फर्जीवाड़े का हिस्सा रहे हैं। जिनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं जो विदेश में रह रहे हैं। जिन्होंने करीब दस लाख रुपये की मजदूरी गलत तरीके से हासिल की। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन-बहनोई के खाते में मनरेगा की मजदूरी आने का मामला सामने आने बाद केंद्र और प्रदेश सरकार ने भी जिला प्रशासन से रिपोर्ट तलब कर ली है। रविवार को भी बीडीओ जोया विकास भवन में रिकॉर्ड का मिलान कर जांच के तथ्यों को मिलान करते रहे। जांच टीम पलौला गांव में पहुंचकर ग्रामीणों के बयान दर्ज कर चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में नोटिस और रिकवरी के साथ ही मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा।

2021 में बनाए गए थे मनरेगा जॉब कार्ड: अधिकारियों के मुताबिक प्रधान के परिवार के लोगों के मनरेगा जॉब कार्ड जनवरी 2021 में मनाए गए थे। जिस समय जॉब कार्ड बनाए गए तब पंचायतों में प्रशासक की तैनाती थी। इसी दौरान ही जॉब कार्ड बनाए गए और तीन सालों तक मनरेगा में मजदूरी उनके खाते में आई। 2024 में परिजनों के जॉब कार्ड निरस्त कर दिए गए। लेकिन ग्राम प्रधान गुले आयशा की बेटियों तीनों ननद के कार्ड निरस्त नहीं किए गए। मामला सुर्खियों में आने के बाद अब उनके जॉब कार्ड भी निरस्त कर दिए गए हैं।

सरकार ने अभिषेक प्रकाश के निलंबन पर केंद्र को भेजी रिपोर्ट, 36 पन्नों में दिया गया विस्तार से ब्योरा

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश सरकार ने निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश के मामले में केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को अपनी रिपोर्ट भेज दी है। 36 पन्नों की इस रिपोर्ट में अभिषेक प्रकाश को निलंबित किए जाने का कारणों का विस्तार से ब्योरा दिया गया है। यहां बता दें कि किसी भी आईएएस अफसर के निलंबन का डीओपीटी भी समय-समय पर समीक्षा करता है। सोलर कंपनी से सब्सिडी के एवज में घूस मांगने के आरोप में इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश को 20 मार्च को निलंबित कर दिया गया था। उससे पहले 2021 में लखनऊ के भटगांव में जमीन अधिग्रहण घोटाले के मामले में भी वे जिम्मेदार ठहराए गए हैं। डिफेंस कॉरिडोर के लिए भटगांव की जमीन अधिग्रहीत की गई थी। इसमें सारे नियम-कायदों को ताक में रखकर फर्जी ढंग से नौकरशाहों और राजनेताओं के नजदीकियों को फायदा पहुंचाया गया।

जिनकी जमीन नहीं थी, फर्जी पट्टे के आधार पर उन्हें पहले मालिकाना हक दिया गया, फिर उस जमीन को नजदीकियों के नाम कराया गया। हालांकि, भटगांव के जमीन अधिग्रहण के प्रकरणों में उन लोगों की जांच होना भी जरूरी है, जिन्होंने फर्जी पट्टेदारों से अपने नाम जमीन करवाकर करोड़ों रुपये का मुआवजा हड़पा। इनमें से कुछ बिचौलिये खरीदारों के संबंध सत्ताधारी दल के एक एमएलसी से भी बताए जा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि इन बिचौलिये खरीदारों की भी जांच हो जाए तो घपलों से संबंधित और भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

नियुक्ति विभाग के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, भटगांव के मामले में भी अभिषेक प्रकाश को आरोपपत्र दिए जा चुके हैं। साथ ही उन पर हुई निलंबन की विस्तृत सूचना भी डीओपीटी को भेजी गई है। मामले में एक माह के भीतर जो भी स्थिति होगी, उसे भी डीओपीटी को भेजा जाएगा। उसके बाद भी निलंबन जारी रहने पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित एक उच्चस्तरीय कमेटी अपनी रिपोर्ट केंद्रीय विभाग को भेजेगी। यह रिपोर्ट निलंबन के चार माह बाद भी बढ़ाए जाने की स्थिति में भेजनी होगी। यहां बता दें कि किसी आईएएस अधिकारी का निलंबन एक साल से ज्यादा रखने के लिए डीओपीटी की सहमति आवश्यक है।

बदायूं में मुस्कान की हत्या

बदायूं , एजेंसी। बदायूं जिले के उझानी के सिविल लाइन थानाक्षेत्र के गलम पट्टी गांव से 18 फरवरी से लापता डांसर मुस्कान की हत्या उसके ही पति ने की थी। हत्या मामले में खुलासा हुआ है कि मुस्कान की मौसी शाहरा ने बताया कि करीब पांच साल पहले नौटंकी के दौरान रिजवान की नजर मुस्कान पर पड़ी तो वह उस पर फिदा हो गया था। इसके बाद मुस्कान के अन्य कार्यक्रमों में भी वह आने लग गया। दोनों के बीच करीबी देख ही परिवार के लोग भी निकाह पर रजामंद हो गए थे।

प्रधान पति रिजवान ने दो साथियों के साथ मिलकर मुस्कान की हत्या की थी। रविवार को पुलिस ने तीनों हत्यारोपियों की निशानदेही से उझानी क्षेत्र के नरऊ खेतीहर इलाके से गड्ढे में दफन डांसर का कंकाल बरामद कर किया। इस दौरान फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए। एसपी सिटी अमित किशोर श्रीवास्तव ने पुलिस लाइन में घटनाक्रम का खुलासा कर तीनों आरोपियों को जेल भिजवाया है।

एसपी सिटी अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि, सिविल लाइन थानाक्षेत्र के गांव गाल पट्टी निवासी डांसर मुस्कान (28) मूलतः दातागंज क्षेत्र के गांव हाशिमपुर निवासी स्व. साबिर की बेटी थी। वह नौटंकी में डांस करके अपना जीवन यापन करती थी। इस दौरान मुस्कान और उझानी क्षेत्र के गांव अल्लापुर भोगी निवासी प्रधान पति रिजवान के बीच प्रेमप्रसंग हो गया। पहले से शादीशुदा रिजवान ने चार साल पहले मुस्कान से निकाह कर लिया था। इसके बाद मुस्कान और रिजवान सिविल लाइन क्षेत्र के मोहल्ला गालमपट्टी में ही रहने थे।

महंत राजू दास का विवादित बयान, गाजी और पाजी का टाइम खत्म, अब राष्ट्रवादियों का दौर

सुल्तानपुर । अयोध्या के हनुमानगढ़ी के प्रसिद्ध संत महंत राजू दास ने सुल्तानपुर में एक कार्यक्रम के दौरान विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि गाजी और पाजी का टाइम खत्म हो गया है, अब राष्ट्रवादियों का टाइम शुरू हुआ है। महंत ने कुशभवनपुर में लगने वाले मेले पर आपत्ति जताते हुए इसे चोर, नीच, लुटेरे, बलात्कारी और राष्ट्रद्रोही लोगों का मेला करार दिया और शासन-प्रशासन से इसे प्रतिबंधित करने की मांग की। महंत राजू दास ने मीडिया से बातचीत में कहा, जो पूर्ववर्ती सरकारें इस मेले को लगाने की अनुमति देती थीं, अब इसे बैन करना चाहिए। यह सभी सनातनियों, हिंदुओं और भारतवासियों की मांग है। ऐसे आतंकवादियों और अपराधियों का मेला लगना, जिन्होंने लाखों मंदिर तोड़े हों, मां-बहनों की इज्जत लूटी हो और कत्लेआम किया हो, कतई ठीक नहीं है। उन्होंने प्रशासन के हालिया प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वहां रोक लगाई गई और मेला रुका भी। महंत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान में बालोचियों के साथ कत्लेआम हो रहा है, मां-बेटियों के साथ बलात्कार हो रहा है, उन्हें गोली मार दी जा रही है। यह नाइंसाफी है। मानवाधिकार कहां चला गया? बालोचियों के साथ दुर्व्यवहार पर सब चुप क्यों हैं? उन्होंने सिंध को अलग देश बनाने की वकालत करते हुए कहा, पाकिस्तान के तीन टुकड़े होने चाहिए। मैं प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से मांग करता हूं कि संयुक्त राष्ट्र में इस विषय को उठाया जाए और चर्चा हो। वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर महंत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे बकवास बोर्ड और जमीन हड़पने का बोर्ड करार दिया। उन्होंने कहा, देश सेक्युलर है, हिंदू हिंदुस्तान है। फिर भी यहां मुसलमान हैं। इस्लामिक कानून को बढ़ावा देना, वक्फ बोर्ड और मुसलमानों के अन्य कानून लागू करना ठीक नहीं है।

पुलिस डर से जान देने वाली महिला की कहानी: गांव वालों के सामने किया बेइज्जत, फिर आने की दी धमकी

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में दादों क्षेत्र के गांव लहरा से महिला के अपहरण मामले में आरोपी की बहन लक्ष्मी देवी (46) ने पुलिस उत्पीड़न और कार्रवाई की दहशत में 29 मार्च रात आत्महत्या कर ली। आरोप है कि महिला और उसके बेटे को हिरासत में लेकर पुलिस ने मारपीट की थी और फिर आने की धमकी देते हुए छोड़ा था। घटना के बाद 30 मार्च सुबह ग्रामीणों ने छह घंटे तक शव नहीं उठने दिया और हंगामा किया। हंगामे-नोकझोंक व खींचतान के बीच ग्रामीण एसओ सहित पुलिस टीम पर मुकदमा दर्ज करने और मृतका के परिवार को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। दोपहर में एसएसपी के एसओ को लाइन हाजिर करने और अन्य पुलिस कर्मियों की भूमिका की जांच करने के आश्वासन पर ग्रामीण माने। इसके बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसएसपी ने मामले की जांच एसपी देहात को सौंप दी है। घटनाक्रम के अनुसार गांव लहरा की महिला मीना को 28 मार्च रात पड़ोसी गांव नगला जीवराम का आरोपी प्रेमी छोटे उर्फ याकेश तमंचे के बल पर अगवा कर ले गया था। विरोध करने पर परिवार की महिलाओं से मारपीट की थी। शनिवार सुबह महिला खेत में बेहोश मिली थी। इसी घटना में दर्ज मुकदमे के आधार पर छोटे की तलाश में लगी दादों पुलिस उसकी बहन लक्ष्मी देवी के गांव पालीमुकीमपुर के भोजपुर हरनोट पहुंची। वह उस समय खेत पर गेहूं काट रही थी। आरोप है कि पुलिस खेत से ही लक्ष्मी देवी और उसके छोटे बेटे लोकेश को घसीटती व पीटती हुई गाड़ी में डालकर ले गई। थाने ले जाकर भी मां-बेटे को पीटा गया। रात दस बजे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पप्पू सिंह यादव के दखल पर दोनों को उनकी सुपुर्दगी में छोड़ा गया। साथ ही सुबह दस बजे फिर थाने आने की बात कही थी। घर पहुंची लक्ष्मी पुलिस की दहशत और बेइज्जती से आहत थी, शनिवार रात में उसने किसी समय घर से कुछ दूरी पर पेड़ पर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली।

दुष्कर्म और गर्भपात, शादी से मुकरने पर युवती ने दी जान

प्रयागराज , एजेंसी। प्रतापगढ़ के रानीगंज थाना क्षेत्र के दुर्गागंज बाजार स्थित मां मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में काम करने वाली युवती की मौत का रविवार को खुलासा करते हुए चिकित्सक, मैनेजर समेत वार्डबॉय को जेल भेजा। आरोपी वार्ड बॉय के शादी से मना करने से क्षुब्ध होकर युवती ने जहर खाकर जान देने की बात सामने आई है। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक, वैज्ञानिक, साइबर व फॉरेंसिक टीम की मदद ली।

रानीगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती हॉस्पिटल में चार वर्षों से काम करती थी। अस्पताल में कौलापुर नंदपट्टी का रहने वाला शहबाज भी दो वर्षों से वार्डबॉय का काम करता था। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि हॉस्पिटल में काम करने वाली युवती की 27 मार्च को मौत हो गई। दूसरे दिन मृतका की मां की तहरीर के आधार पर अस्पताल संचालक समेत छह लोगों के खिलाफ गैंगरेप, हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए सीओ पट्टी को विवेचना दी गई थी।

घटना का खुलासा करने के लिए रानीगंज थानाध्यक्ष के साथ ही स्वाट टीम प्रभारी सुनील यादव समेत अन्य टीमों को लगाया गया था। विवेचना के दौरान इलेक्ट्रॉनिक, वैज्ञानिक समेत अन्य साक्ष्यों को संकलित करते हुए मुख्य आरोपी शहबाज को पकड़ा गया। पूछताछ में शहबाज ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। बताया कि शादी का झांसा देकर मृतका से कई बार शारीरिक संबंध बनाया था। वह उस पर बार-बार शादी का दबाव बना रही थी।

27 मार्च को शादी से मना करने पर ड्यूटी के दौरान मृतका ने जहर खा लिया। साथियों की मदद से उपचार करने का प्रयास किया गया लेकिन उसकी मौत हो गई। पुलिस से बचने के लिए सहयोगियों ने अस्पताल से साक्ष्य मिटाए थे। मुख्य आरोपी की मदद करते हुए प्रयागराज के करछना थाना क्षेत्र के खाई निवासी डॉ. अमित कुमार पांडेय उर्फ धीरज और अस्पताल मैनेजर हुसैनपुर निवासी क्षेत्र पंचायत सदस्य सुनील यादव ने साक्ष्य मिटाए थे।

मुख्य आरोपी शहबाज ने मृतका संग पूर्व में दुष्कर्म करने व उसे जान देने के लिए प्रताड़ित करने का काम किया है। गर्भपात कराने की भी आशंका की जांच चल रही है। लिखापढ़ी के बाद तीनों आरोपियों को जेल भेजा जा रहा है। अन्य नामजद आरोपियों के भूमिका की जांच करते हुए साक्ष्य संकलित किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में एएसपी पूर्वी दुर्गेश सिंह, सीओ पट्टी मनोज रघुवंशी मौजूद रहे।

कई युवतियों से मुख्य आरोपी ने बनाए थे शारीरिक रिश्ते: अस्पताल में काम करने वाली युवती की मौत के बाद पुलिस की जांच में मुख्य आरोपी के कारनामे सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार आरोपी शहबाज के मोबाइल में कई लड़कियों के साथ नग्न वीडियो व तस्वीरें मिली हैं। मृतका से भी प्रेम प्रसंग से जुड़ी चैटिंग मिली है। अस्पताल में काम करने वाले लोगों में इस बात की चर्चा होती रही कि शहबाज के परिजनों ने उसकी शादी तय कर दी थी।

बरौठा की अपर गंग नहर में मगरमच्छ मिला, क्षेत्र में फैली सनसनी, पकड़ कर सुरक्षित जगह पर छोड़ा

अलीगढ़ , एजेंसी। बरौठा गांव के निकट अपर गंग नहर में पुल के निकट एक मगरमच्छ मिला। उसे लोगों ने देखा तो चर्चा फैल गई। राहगीरों के साथ ही आसपास गांवों के लोग मगरमच्छ को देखने के लिए पहुंच गए।

वन रक्षक गौरव कुमार ने बताया कि नहर में पानी कम होने से मगरमच्छ नहर पुल के निकट मंदिर के पास झाड़ियों में पहुंच गया था। सूचना पर सेक्शन अधिकारी धनीपुर संजय कुमार, पुत्तनलाल और मोहम्मद ईशाक मौके पर पहुंचे। मगरमच्छ को पकड़कर सुरक्षित स्थान कर छोड़ा गया है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर सख्ती, किताब और यूनिफॉर्म को लेकर जारी किए नए निर्देश

आगरा , एजेंसी। किताबों और यूनिफॉर्म निर्धारित दुकानों से ही खरीदने के लिए विवश करने की शिकायत का मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह ने संज्ञान लिया है। उन्होंने शासन के निर्देशों का उल्लंघन करने पर विद्यालयों की मान्यता समाप्त कराने की चेतावनी दी है। उन्होंने स्कूल संचालकों-प्रबंधकों को पत्र जारी किया है। जिलाधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र की प्रतिलिपि भेजी है।

प्रोगेसिव एसोसिएशन आफ पैरेंटस अवेयरनेस के राष्ट्रीय संयोजक दीपक सिंह सरीन और अभिभावक संघ, श्री बांके बिहारी एजुकेशनल सोसाइटी के संरक्षक डॉ. मदन मोहन शर्मा ने शिकायत की थी। इसमें कहा था कि अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन की ओर से निर्धारित दुकान से ही पाठ्यपुस्तक और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए विवश किया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधक और प्रधानाचार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम का उल्लंघन कर रहे हैं। शासन की ओर से निर्धारित पाठ्यपुस्तकों के स्थान पर अपनी मनमर्जी से प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबें विद्यालयों में लगाकर अभिभावकों का शोषण कर रहे हैं। मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह ने पत्र जारी कर कहा है कि निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 और राज्य सरकार की ओर से निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार नियमावली 2011 में प्रावधान किए गए गए हैं। इनका प्राइमरी और जूनियर हाईस्कूल में पालन करना होगा।

पीलीभीत से गोरखपुर चिड़ियाघर लाए गए बाघ की मौत

कैसे पड़ा था नाम केसरी- 13 लोगों को बना चुका था निवाला

गोरखपुर , एजेंसी। पीलीभीत से छह माह पहले रेस्क्यू कर गोरखपुर चिड़ियाघर लाए गए बाघ केसरी की रविवार भोर में चार बजे अचानक मौत हो गई। शनिवार से ही उसके व्यवहार में परिवर्तन आ गया था। वह काफी बेचैन था। शाम को उसका पोस्टमॉर्टम हुआ। मौत की वजह उसके दिमाग में पानी भरना बताई गई। जांच के लिए इसका सैंपल आईवीआरआई बरेली भेजा गया।

केसरी (बाघ) शनिवार सुबह से ही बेचैन था। वह क्रॉल में काफी उग्र व्यवहार कर रहा था। चिड़ियाघर के चिकित्सकों की टीम उसे दवा देकर शांत करने की कोशिश कर रही थी। शनिवार शाम वह शांत भी हो गया, लेकिन रविवार की भोर में उसने दम तोड़ दिया।

इसके बाद इंडियन वेटनेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई) बरेली और लखनऊ चिड़ियाघर से आए पशु चिकित्सकों की टीम ने बाघ का पोस्टमॉर्टम किया। विशेषज्ञों की रिपोर्ट के मुताबिक उसके दिमाग में पानी भरा था। बाघ पहले से ही काफी तनाव में था। इसकी विस्तृत जांच के लिए सैंपल आईवीआरआई, बरेली भी भेजा गया है।

पीलीभीत में 13 लोगों को शिकार बनाया था 275 किलो के बाघ ने: बाघ को 27 सितंबर 2024 को पीलीभीत से गोरखपुर लाया गया था। पीलीभीत में उसने करीब 13 इंसानों पर हमला किया था। शुरुआत में इसे शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान के अस्पताल में रखा गया। यह चिड़ियाघर का सबसे विशालकाय बाघ था। वजन करीब 275 किलो था। जंगल से आने की वजह से यह क्वारंटीन सेल में काफी बेचैन रहता था। धीरे-धीरे इसका व्यवहार शांत हुआ तो इसे क्रॉल में भी छोड़ा जाने लगा। इसकी ताकत को देखते हुए ही क्रॉल की ग्रिल को मजबूत किया गया था। 20 जनवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे बाड़े में छोड़कर केसरी नाम दिया था।

राजद-कांग्रेस के शासनकाल में चीनी मिलों का कब्रगाह बना बिहार : मंगल पाण्डेय

लालू-राबड़ी के राज में उत्तर बिहार की आधा दर्जन चीनी मिलों में लटक गया था ताला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा है कि राजद-कांग्रेस के शासनकाल (1985-2005) के 20 वर्षों में उत्तर बिहार जो कभी चीनी का कटोरा कहलाता था यहां की आधा दर्जन चीनी मिलें एक-एक कर बंद हो गईं। जंगल राज के भय व दहशत से मिलरों व अन्य उद्योगपतियों का बड़ी संख्या में बिहार से पलायन हुआ। श्री पांडेय ने कहा कि एक जमाने में उत्तर बिहार में 16 चीनी मिलें चलती थीं, उनमें से 7 लालू-राबड़ी के राज में बंद हो चुकी थीं। मिलें बंद होने का

असर न सिर्फ रोजगार पर पड़ा, बल्कि लाखों किसान नकदी फसल की खेती से अलग हो गए। पश्चिम चंपारण में नरकटियागंज, लौरिया, मझौलिया, चनपटिया, बगहा और रामनगर में कुल छह चीनी मिलें थीं। चनपटिया चीनी मिल वर्ष 1994 से बंद है। मधुबनी की लोहट चीनी मिल भी जंगल राज के दहशत के दौर में 1996 में जो बंद हुई, आज तक बंद है। मुजफ्फरपुर की मोतीपुर चीनी मिल में सन 1997 से पेराई ठप हो गई। समस्तीपुर जिला मुख्यालय स्थित चीनी मिल में 1985 (कांग्रेस के शासनकाल) से ताला बंद है। श्री पांडेय ने कहा कि लालू-राबड़ी राज में सबसे बुरी स्थिति मिथिलांचल की रही। कभी यहां की सकरी और रैयाम चीनी मिलों का नाम था। 1993 में सकरी और एक साल बाद 1994 में रैयाम में तालाबंदी हो गई। राजद को बताना चाहिए कि यह किसका कार्यकाल था? पूर्वी चंपारण में भी ऐसा ही देखने को मिला। सात चीनी मिलें लालू-राबड़ी और कांग्रेस के राज में तालाबंदी का शिकार हुईं। राजद के दहशत भरे राज में अपराध, भ्रष्टाचार, फिरौती के लिए अपहरण और लूट-खसोट से जहां बिहार के लोग तबाह थे वहीं चीनी मिलों की बंदी ने लाखों गन्ना किसानों व मिलों में कार्यरत करीब एक लाख कामगारों के परिजनों को भुखमरी के गर्त में धकेल दिया। आज उसी राजद, कांग्रेस को उद्योग, पलायन, रोजगार व किसानों की बातें करते हुए शर्म भी नहीं आ रही है।

अनुमंडल टॉपर रजनीश को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। बिहार बोर्ड की परीक्षा में 464 अंक लाकर मसौढ़ी के अनुमंडल टॉपर बना नसीरना चक निवासी मुन्ना प्रसाद का पुत्र रजनीश राज को गांव के स्थानीय लोगों ने सम्मानित किया। मौके पर सोनेलाल प्रसाद, दिनेश प्रसाद, सत्य प्रकाश, अशोक कुमार, वार्ड पार्षद शंभू सिंह, वार्ड पार्षद वीरू कुमार, सुरेंद्र कुमार, संजीत कुमार, अवधेश कुमार, रामजी प्रसाद, राम प्रकाश चौधरी, प्रोफेसर सी पी मंडल, शशि कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित होकर रजनीश कुमार को सम्मानित करने का काम किया। रजनीश कुमार, गिरिजा कुंवर हाई स्कूल से परीक्षा पास की है। चंदन कुमार के मार्गदर्शन में अध्ययन किया इन्होंने अपने माता-पिता अपने गुरु जनों का सहयोग का चर्चा किया। भविष्य में बीपीएससी करना इनका मूल मिशन है।

सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने हिंदू नववर्ष की दी शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रेम कुमार ने समस्त बिहारवासियों को हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिप-दा से हर वर्ष सनातनी नव वर्ष की शुरुआत होती है जिसे हिंदू समाज पूजा-पाठ के साथ हर्षोल्लास से मनाता है। डॉ. प्रेम कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हिंदू नव वर्ष के प्रथम दिन देवी-देवताओं की आराधना की जाती है। इस समय प्रकृति भी अपने नए स्वरूप में दिखती है–पेड़-पौधे फूलों और फलों से लद जाते हैं, चारों ओर हरियाली और बसंत की बहार होती है। इस पावन अवसर पर पर्वों का उल्लास हर ओर छाया रहता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने कार्यों और संस्कारों पर गर्व है। हमारा नव वर्ष सबसे वैज्ञानिक, सबसे पौराणिक और सबसे सुंदर है। साथ ही उन्होंने सभी से बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए सतत प्रयास करने की अपील की। सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमें अपनी छोटी-छोटी सफलताओं का भी जश्न मनाना चाहिए और एक-दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने नव वर्ष को एक नए अवसर के रूप में देखने का संदेश देते हुए कहा कि हर दिन हमें सीखने, बढ़ने और कुछ असाधारण करने का अवसर देता है। डॉ. प्रेम कुमार ने कामना की कि यह नव वर्ष बिहारवासियों के लिए आशा, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। उन्होंने प्रार्थना की कि सभी के घरों में सुख-शांति बनी रहे और उनके सभी प्रयास सफल हों।

बिहार में चारों ओर हो रहा विकास : नित्यानंद राय

जंगलराज वाली पार्टी के लोगों को विकास से कोई मतलब नहीं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने सोमवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में चारों ओर विकास हो रहा है, लेकिन तेजस्वी को दिखाई नहीं देता है। अगर दिखाई नहीं देता तो आंखों का इलाज करा लें। नित्यानंद राय ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें जनता की आवाज सुनाई नहीं देती तो अपने कान ठीक करवा लें। उन्होंने कहा कि जंगलराज वाली पार्टी के लोगों को विकास से कोई मतलब नहीं है। उनमें लालू यादव, उनके पुत्र, कम्युनिस्ट पार्टी के लोग कहते हैं कि बिहार में विकास नहीं हो रहा है। मैं ऐसे नेताओं को कहना चाहता हूं कि आंख से चश्मा हटाइए और जनता की आवाज को अपने कानों से सुनिए। न वो लोग देखते हैं और न सुनते हैं, वे गूंगे-बहरे हैं। वहीं केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि 20 सालों में बिहार में हुए विकास कार्यों का हिसाब गृह मंत्री ने गोपालगंज की सभा में दिया। उनके (लालू यादव) जमाने में बिहार में सड़क नहीं थी, अब सड़क है। ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड, फोर लेन पटना-सासाराम और आरा होते हुए कॉरिडोर निर्माण की मंजूरी भी मिल गई है। पहले बिहार में स्कूल जर्जर थे, सड़कें नहीं थीं, बिजली नहीं थी, नलों में पानी नहीं था, गुंडाराज था, जंगलराज था, रोजगार नहीं था, पलायन हो रहा था। उन्होंने कहा कि देश की 25 करोड़ जनता गरीबी रेखा से बाहर निकल चुकी है और बिहार में भी लाखों लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। बिहार में रोजगार के कई नए अवसर खुले हैं।

डालमिया भारत ने किया 49.5 एमटीपीए उत्पादन क्षमता का लक्ष्य हासिल

पूर्व में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बिहार के रोहतास प्लांट में अतिरिक्त क्षमता के साथ उत्पादन शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/बंजारी। भारत की प्रमुख सीमेंट उत्पादक और प्रमुख सीमेंट कंपनी, डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपना 49.5 एमटीपीए उत्पादन लक्ष्य हासिल कर लिया है। 30 मार्च, 2025 से बिहार स्थित रोहतास सीमेंट वर्क्स (आरसीडब्ल्यू) में 0.5 एमटीपीए की नई क्षमता के साथ व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो गया है। इस विस्तार के लिए 96 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है जिससे इस संयंत्र की कुल क्षमता बढ़कर 1.6 एमटीपीए हो गई है। लाइन-2 की शुरुआत के साथ ही डीबीएल ने पूर्वी भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। कंपनी की दीर्घकालिक योजना वर्ष 2031 तक इसकी उत्पादन क्षमता को 110-130 एमटीपीए तक ले जाने की है। इस अवसर पर डालमिया भारत लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, पुनीत डालमिया ने कहा पूर्वी भारत में हमारी बढ़त इस क्षेत्र के विकास में हमारे भरोसे को दर्शाती है। इस विस्तार से हम बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समर्थन देने और आर्थिक तरक्की में योगदान देने की अपनी क्षमता बढ़ा रहे हैं। यह उपलब्धि हमारे लंबे समय के विकास लक्ष्य को मजबूत करती है। मुझे खुशी है कि हमने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए 49.5 मिलियन टन का लक्ष्य पूरा कर लिया है, जो हमारे विस्तार के सफर का एक और अहम पड़ाव है। डालमिया भारत का पूर्वी भारत में मजबूत नेटवर्क है जिसमें बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा की विनिर्माण इकाइयां शामिल हैं। इस विस्तार से कंपनी की सड़कों, रेलवे और हवाई अड्डों जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने की क्षमता और बढ़ेगी। यह पहल न सिर्फ नए रोजगार के मौके लाएगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी मजबूती देगी। डालमिया भारत नवाचार, सतत विकास और उच्च गुणवत्ता वाले सीमेंट समाधानों के जरिए देश की इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रमेश चंद्र की कहानियों पर आधारित नाटक ब्लैक एंड व्हाइट का मंचन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। माध्यम फाउंडेशन पटना द्वारा प्रेमचंद रंगशाला के मुख्य मंच पर रमेश चंद्र की कहानियों पर आधारित, विवेक कुमार द्वारा नाट्य रूपांतरित और धर्मेश मेहता द्वारा निर्देशित नाटक ब्लैक एंड व्हाइट का मंचन किया गया। इसके पूर्व रंगशाला के बाहरी परिसर में संस्था रस-रंग, पटना की ओर से सोनवां हाई स्कूल के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक 'मैं बिहार हूं' की प्रस्तुति की गई जिसके लेखक-श्रीकांत, निर्देशक - शिवचंद प्रसाद गुप्ता एवं सहयोग - राज कपूर का रहा। साथ ही पटना नगर निगम की ब्रांड एम्बेसडर नीतू नवगीत द्वारा स्वच्छता पर आधारित कार्यक्रम कर स्वच्छ रहने के लिए संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डिप्टी कलेक्टर कुमार अनुज, राज्य कर आयुक्त समीर परिमल, पटना नगर निगम की ब्रांड एम्बेसडर नीतू नवगीत, बिहार भाजपा के कला संस्कृति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष वरुण सिंह एवं माध्यम फाउंडेशन के सचिव धर्मेश मेहता द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य मंच पर प्रस्तुत नाटक ब्लैक एंड व्हाइट ग्रामीण और शहरी परिवेश में रहने वाले दो स्वप्न जीवियों के स्वप्न वास्तविक जीवन में धराशायी होते दिखाई देते हैं। कोई अपने सपने को त्याग देता है तो कोई उसे लेकर आगे बढ़ता है। एक मोड़ पर दोनों हारते हैं, लेकिन उनके सपने की जीत होती है। सभी चरित्र बिल्कुल सात्विक हैं। यहां न तो कोई नायक है न खलनायक। खलनायक है तो केवल हमारा 'सामाजिक परिवेश'। हम सभी उसी परिवेश के अनुसार अपनी इच्छाओं को आकार देते हैं और बहुधा अपनी महत्वाकांक्षा का दमन करते हैं। आकांक्षा और महत्वाकांक्षाओं के द्वंद को लेकर प्रस्तुत रहा नाटक - 'ब्लैक एंड व्हाइट'। इस नाटक में काम करने वाले कलाकार हैं- होरील शर्मा- राजकपूर, मेहता साहब (प्रोड्यूसर)- धर्मेश मेहता, बाबूराव (डायरेक्टर) - आशीष पांडे, बाबुराम- देवेंद्र झा, अंग्रेज- आशीष पांडे, गार्ड एवं ग्रामीण- ऋतिक कुमार शर्मा, संवरी- सोनल सिन्हा, लक्ष्मी- अनिशा शर्मा, ग्रामीण महिला- मीना देवी एवं चित्र प्रिया, भोलू- विक्की पोद्दार, डाकिया - सुशील बिहारी, होरील का पिता- कंचन वर्मा, ग्रामीण- मोहम्मद सदरुद्दीन, राकेश कुमार। मंच परे - ध्वनि संगीत- सोनू कुमार, प्रोपटी - ऋतिक शर्मा, प्रकाश परिकल्पना- स्पर्श मिश्रा, वस्त्र विन्यास- मो सदरुद्दीन, सहायक निर्देशक- राज कपूर, प्रोडक्शन मैनेजर- राकेश कुमार, रूप सज्जा-मनोज मयंक, मंच सज्जा-सुनील शर्मा एवं विडियोग्राफी-टाइम टू टाइम मीडिया का रहा।

रविशंकर प्रसाद और नितिन नवीन ने किया पटना एयरपोर्ट के निर्माणाधीन टर्मिनल भवन का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना साहिब के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पटना हवाई अड्डे का निर्माणाधीन नये टर्मिनल भवन का निरीक्षण किया। उनके साथ राज्य के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन भी थे। इस दौरान जीएम प्रोजेक्ट जॉयदीप गांगुली, एयरपोर्ट निदेशक उमाशंकर, टर्मिनल मैनेजर आनन्द सत्संगी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। रविशंकर प्रसाद ने सभी स्थानों पर घूमकर निर्माण कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों से बाकी कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से इस कार्य का पहला चरण अप्रैल महीना तक पूरा करने का आग्रह किया। ताकि यात्रियों को सुविधा मिलनी शुरू हो सके। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए रविशंकर प्रसाद ने बताया कि वे पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करेंगे। वह चाहेंगे कि पीएम आगामी बिहार दौरे पर इस नए टर्मिनल का उद्घाटन करने के लिए सहमति प्रदान करें क्योंकि यह एयरपोर्ट बिहार के लिए बड़ी सौगात है। बिहार के लाखों यात्रियों को इस एयरपोर्ट के कायाकल्प से बेहतर सुविधा मिलेगी। अनुमानित 14 सौ करोड़ की लागत से नए टर्मिनल भवन एवं यात्री सुविधाओं का कार्य हो रहा है। साथ ही उड़ान स्कीम के अंतर्गत पटना के अलावा बिहटा, पूर्णिया, भागलपुर में भी नए एयरपोर्ट का निर्माण प्रस्तावित है तथा भागलपुर एवं राजगीर में दो नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की घोषणा इस नए बजट में भी की जा चुकी है। उन्होंने प्रोजेक्ट मैनेजर से आग्रह किया कि कुछ नये भवन में कुछ ऐसी दृश्य को दर्शाया जाए जो बिहार के विरासत और परंपरा का प्रतिबिंब हो।

अब कटरा से श्रीनगर की यात्रा होगी मात्र 3 घंटे में

वंदे भारत से इस रूट पर अब यात्रा होगी आसान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। यूएसबीआरएल परियोजना के पश्चात अब कई सालों का इंतजार खत्म हो जाएगा। जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत चलने से कई घंटों की समय बचत होगी। कटरा से श्रीनगर की यात्रा अब केवल 3 घण्टे में होगी। अभी सड़क से यात्रा में 6 से 7 घंटे लगते हैं। फिलहाल वंदेभारत को कटरा से श्रीनगर के बीच चलाने की योजना बनायी गयी है। अभी वैली में श्रीनगर से लेकर संगलदान तक ट्रेनों का आवागमन होता है। अब संगलदान से कटरा तक रेललाइन चालू होने के बाद इन ट्रेनों को कटरा तक चलाया जा सकता है।

यूएसबीआरएल परियोजना : वर्ष 2009 में काजीगुंड-बारामूला सेक्शन शुरू हो गया था। वर्ष 2013 में 18 किलोमीटर बनिहाल-काजीगुंड सेक्शन, वर्ष 2014 में 25 किलोमीटर ऊधमपुर-कटरा, वर्ष 2023 में बनिहाल से संगलदान और अब संगलदान से कटरा के बीच शुरू होने वाली है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेल आर्च ब्रिज- चिनाब ब्रिज इस परियोजना का हिस्सा है। टनल, पुल और वैली से अब रेल सफर और आनंदमय होगा।

सृजनोत्सव : छात्रों की प्रतिभा और नवाचार का अनूठा संगम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना के स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग में आयोजित दस दिवसीय सृजनोत्सव का भव्य समापन वार्षिकोत्सव के रूप में संपन्न हुआ। इस आयोजन में छात्रों की अद्भुत प्रतिभा, नवाचार और रचनात्मकता का प्रदर्शन हुआ, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत रोबोटिक दीप प्रज्वलन और स्मार्ट इनॉगुरल लैंप से हुई जिसमें अतिथियों ने दीपगान के साथ दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री संजय पासवान ने छात्रों को अपनी संस्कृति से जुड़ने और किसी भी कार्य को मनोयोग से करने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यालय की शिक्षण पद्धति की सराहना करते हुए इसे 'वृहदारायण अवधारणा' का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। ए0 पी0 सी0 एल0 के अध्यक्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा (सेवानिवृत्त) के अधिकारी विजय प्रकाश ने इसे एक क्रांतिकारी प्रयोग करार देते हुए कहा कि यह उत्सव विभिन्न प्रतिभाओं के बच्चों को उनकी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान 'इनोफेस्ट' में छात्रों द्वारा निर्मित राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पुरस्कृत दस सर्वश्रेष्ठ नवाचार मॉडल प्रदर्शित किए गए। 'वर्ल्ड ऑफ रोबो' में विद्यार्थियों के तैयार किए गए रोबोट्स की कार्यक्षमता का प्रदर्शन हुआ जबकि 'कबाड़ से जुगाड़' प्रदर्शनी में 'हल चलाते नीलगाय'की कलाकृति ने पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के सदुपयोग का संदेश दिया। कार्यक्रम में भारतीय प्रशासनिक सेवा (सेवानिवृत्त) के अधिकारी आनंद बिहारी प्रसाद ने विद्यालय की गतिविधियों को अन्य शिक्षण संस्थानों तक ले जाने की जरूरत पर बल दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. मृदुला प्रकाश ने इस अवसर पर विद्यालय की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से समाज के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की। पटना जिला पार्षद गुड्डू देवी, जमसौत के मुखिया राजेंद्र बेलदार और हथियाकांड के मुखिया रवींद्र मुखिया ने भी शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया और छात्रों की रचनात्मकता की सराहना की। समारोह में खेलकूद, क्रिएटिव ओलंपियाड और समर कैंप के विजेताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 'रोल ऑफ ऑनर' से नवाजा गया। इस दौरान नौ छात्रों को विभिन्न स्कॉलरशिप भी प्रदान की गईं। कार्यक्रम के सफल संचालन की जिम्मेदारी सजीली ने निभाई जबकि समापन में ए0 पी0 सी0 एल0 के उपाध्यक्ष अवधेश नारायण ने सभी का आभार व्यक्त किया। सृजनोत्सव 2025 सिर्फ एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया, जिसने सीखने, सृजन करने और आनंद लेने का अनूठा अवसर प्रदान किया।

गांधी मैदान में हुआ सामूहिक नमाज, अमन-चैन की मांगी दुआ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मसौढ़ी। ईद उल फितर के मौके पर प्रदेश भर में हर्षोल्लास के साथ मुस्लिम भाइयों के बीच उत्साह का माहौल है। ऐसे में मसौढ़ी में भी ईद की धूम मची रही। गांधी मैदान में सामूहिक रूप से ईद की नमाज पढ़ी गई जहां मुल्क की सलामती और अमन चैन की दुआ मांगी। इस मौके पर गांधी मैदान में अनुमंडल प्रशासन की टीम मुस्तैद रही, सबसे पहले तारेगना ईदगाह पर 6:30 बजे नमाज अता की गई। उसके बाद पुरानी बाजार मस्जिद में भी नमाजियों ने नमाज पढ़ी और पूरे अनुमंडल में कुल 37 जगहों पर ईद के मौके पर पुलिस मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। एसडीएम अमित कुमार पटेल ने बताया कि मसौढ़ी अनुमंडल में स्थापित नियंत्रण कक्ष से सभी जगहों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। तीन पालियों में 20 कर्मचारियों की ड्यूटी मुस्तैद की गई है। शहर के चप्पे-चप्पे पर कैमरे लगाए गए हैं।

रंगमंच व लोकसंस्कृति की शानदार प्रस्तुति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सांस्कृतिक संस्था 'इमैजिनेशन' द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव 'बिहार रंग महोत्सव : बिहारंगम-2025' बिहार पुलिस को समर्पित रहा और रंगमंच व लोकसंस्कृति की शानदार प्रस्तुतियों के साथ स्थानीय बीएमपी 5 सभागार में संपन्न हुआ। हर साल इस महोत्सव में कला से जुड़े लोगों को 'बिहार रत्न सम्मान' से सम्मानित किया जाता रहा है और इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष यह सम्मान नाट्य निर्देशन के क्षेत्र में दिया जा रहा है। बिहार रत्न सम्मान (सीनियर): वरिष्ठ रंगकर्मी विनोद राय (एनएसडी पासआउट) बिहार रत्न सम्मान (जूनियर) : युवा नाट्य निर्देशक अभिषेक राज (ड्रामेबाज) को दिया गया। इस महोत्सव के अंतिम दिन आलोक राज (डीजी, बिहार पुलिस) प्रिया प्रकाश, (ए.जी.एम. बैंकिंग डिपार्टमेंट, आर.बी.आई.) वीणा कुमारी, अभय नारायण सिंह, परवेज अख्तर (वरिष्ठ रंगकर्मी) राजेश शर्मा (डी.एस.पी. बी.एम.पी.-5, ज्योति परिहार (डायरेक्टर किलकारी बिहार बल भवन) मौजूद रहे। पहली प्रस्तुति में आरबीआई और आईओसीएल के लिए जागरूकता फैलाने हेतु नुक्कड़ नाटक किया गया। दूसरी प्रस्तुति पटना के 'आमद' समूह द्वारा प्रस्तुत 'सामा-चकवा'' लोक नृत्य ने बिहार की ग्रामीण संस्कृति को मंच पर जीवंत किया। यह प्रस्तुति नारी प्रेम, समर्पण और लोक परंपरा को दर्शाने वाली रही जिसमें गीत, संगीत और नृत्य का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। तीसरी प्रस्तुति 'कुमार उदय सिंह' द्वारा निर्देशित 'लौंडा नाच' ने बिहार की पारंपरिक नृत्य शैली को जीवंत कर दिया। यह नृत्य रूप बिहार की रंगमंचीय विरासत का एक अहम हिस्सा है जिसे मंच पर देखना एक अनूठा अनुभव रहा। चौथी प्रस्तुति नाटक 'मानो ना' की प्रस्तुति हुई जिसे अभिषेक राज ने लिखा और निर्देशित किया। 'किलकारी बिहार बाल भवन' द्वारा प्रस्तुत यह नाटक सामाजिक संवेदनाओं और मानवीय रिश्तों की गहराइयों को छू गया।

तीसरी आंख से हो रही शहर की निगरानी, अनुमंडल कार्यालय बना कंट्रोल रूम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। अब अपराधियों की खैर नहीं, अपराधी बचकर नहीं निकल सकते हैं। दरअसल पूरे मसौढ़ी शहर में चप्पे-चप्पे पर तीसरी आंख से निगरानी शुरू हो चुकी है। मसौढ़ी अनुमंडल कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है जहां एसडीएम अमित कुमार पटेल के निर्देशन में पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। फिलहाल 50 कैमरे लगाए जा चुके हैं, जो मसौढ़ी के स्टेशन रोड, मेन रोड, कैलूचक, ब्लॉक रोड, पटेल नगर, गांधी मैदान रोड, रजिस्ट्री कार्यालय रोड आदि जगहों पर कैमरे लगाए जा चुके हैं। सेकंड फेज में 125 कैमरे और लगाए जाएंगे। तकरीबन ढाई सौ कैमरे पूरे शहर के चारों तरफ लगाए जाएंगे। एसडीएम अमित कुमार पटेल ने बताया कि अनुमंडल प्रशासन के द्वारा सबसे पहले क्राइम स्पॉट को चिन्हित किया गया है और पहले फेज में तकरीबन 125 कैमरे लगाए जा रहे हैं। खासकर मसौढ़ी में विधि व्यवस्था के संधारण के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। गांधी मैदान के आसपास सभी जगह पर कैमरे की निगरानी होगी। इसके अलावा मसौढ़ी मेन रोड, स्टेशन रोड, कर्पूरी चौक और रेलवे गुमटी चौराहा के पास कैमरे लगाए जा रहे हैं। पहले से भी मसौढ़ी शहर में कई जगहों पर कैमरे लगाए गए हैं। उसकी भी मॉनिटरिंग अब अनुमंडल कार्यालय कक्ष से होगी। अनुमंडल कार्यालय में नियंत्रण कक्ष में 20 कर्मचारियों की ड्यूटी मुस्तैद की गई है जो तीन पालियों में यह काम करेगी। एक पाली में तीन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। अब शहर के चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। ताकि अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

धूमधाम से मनाया गया श्री दादीजी का सिंधारा महोत्सव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शक्तिधाम सेवा न्यास द्वारा आज बैंक रोड स्थित शक्तिधाम मंदिर में श्री राणीसती दादीजी का सिंधारा महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। मुख्य संस्थापक अमर अग्रवाल ने बताया कि दादीजी की सेवा में विशेष श्रृंगार किया गया, मेहंदी लगाई गयी, चूड़ा पहनाया गया तथा पूरे मन्दिर को बहुत हीं आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा छप्पन भोग लगाया गया जो सभी के मन को मोह रहा था। अग्रवाल ने बताया कि दादी भक्तों के सहयोग से दादीजी के लिए स्वर्ण निर्मित हाथ के दो कंगन, हार, मुकुट एवं कुण्डल भेंट किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में महिलायें राजस्थानी वेश भूषा में सजकर लाल पीली साड़ी पहने दादीजी का आह्वान भी कर रही थी। शक्तिधाम महिला मंडल के द्वारा किये जा रहे इस भजन कीर्तन में भक्ति रस की धारा बह रही थी तथा सभी उपस्थित समुदाय भक्ति रस में डूबे जा रहे थे। भजन कीर्तन की समाप्ति के बाद सभी भक्तों के बीच फल एवं मिठाई का प्रसाद वितरित किया गया। रात्रि में शयन आरती के समय श्री दादीजी की विशेष शयन आरती हुई। रात्रि आरती में काफी बड़ी संख्या में भक्तगणों ने भाग लिया तथा माता से आशीर्वाद लिया। भजन कीर्तन एवं रात्रि आरती में शक्तिधाम महिला मंडल की शकुंतला अग्रवाल, सरिता बंका, इंदिरा खंडेलवाल, रेखा मोदी, चन्दा पोद्दार, प्रेम लता गोयल, सरोज बंका, अनसुया खेतान, रिमझिम सर्राफ सहित अन्य सदस्यों ने मुख्य रूप से भाग लिया। एम पी जैन ने बताया कि इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में मुख्य संस्थापक अमर कुमार अग्रवाल, ओम पोद्दार, रमेश मोदी, रमेश अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, रौशन सर्राफ, निर्मल अग्रवाल, संतोष अग्रवाल सहित न्यास के अन्य लोगों ने मुख्य भूमिका निभाई।

संपादकीय

आज के दौर में रंग-भेद का लोग हो रहे शिकार

नस्ल और रंग के आधार पर भेदभाव पूरी दुनिया में चिंता का विषय है। भारतीय समाज भी इससे मुक्त नहीं है। सदियों से इस तरह के भेदभाव में महिलाएं कुछ ज्यादा ही निशाने पर होती आई हैं। दुख की बात है कि न केवल शिक्षित लड़कियां, बल्कि बड़े ओहदे पर आसीन महिलाएं भी इससे बच नहीं पाई हैं। भारतीय स्त्रियां रंग-रूप को लेकर जीवन भर चुभने वाली टिप्पणियों का सामना करती हैं। जबकि यह हकीकत है कि हजारों-लाखों महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और संघर्ष से हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। केरल की मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन उनमें से एक हैं। हालांकि अपने सांवले रंग को लेकर समाज के पूर्वाग्रह से वे नहीं बच सकीं। सोशल मीडिया के एक मंच पर पिछले दिनों उन्हें अपने बारे में अभद्र टिप्पणी पढ़ने को मिली। स्वाभाविक रूप से यह उन्हें नागवार गुजरी। उन्होंने लिखा कि किसी ने मेरे मुख्य सचिव के कार्यकाल की तुलना मेरे पति के कार्यकाल से करते हुए लिखा कि यह उतना ही काला है, जितना मेरे पति गोरे थे। मगर मुझे अपने काले रंग से कोई दिक्कत नहीं। मुझे यह रंग पसंद है। उचित ही उनकी इस प्रतिक्रिया के बाद विमर्श शुरू हो गया है। हम बेशक आधुनिक कहलाने में गर्व महसूस करते हों, लेकिन स्त्रियों के प्रति, खासकर उनके रंग-रूप को लेकर सोच आज भी नहीं बदली है। उनकी सफलता को रंग-रूप के चश्मे से देखना विकृत मानसिकता का परिचायक है। यह निराशाजनक है कि किसी महिला की योग्यता को उसके पति के रंग से परखा जाए। शारदा मुरलीधरन ने किसी व्यक्ति की अनुचित और अरुचिकर टिप्पणी का जवाब देकर पूर्वाग्रहों पर कठोर प्रहार किया है। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखने के बाद उसे हटा दिया था, लेकिन बाद में कुछ शुभचिंतकों के यह कहने पर लिखा कि इस विषय पर सामाजिक विमर्श होना चाहिए। इसका सकारात्मक पहलू यह है कि रंग के मुद्दे पर शारदा के लिखे विस्तृत जवाब का बड़ी संख्या में लोगों ने स्वागत किया है। इससे पता चलता है कि कुछ लोग बेशक संकीर्ण सोच रखते हों, लेकिन समाज बदल रहा है।

भारतीय राजनीति में बिहार को सियासी प्रयोगशाला समझा जाता है। यहां पर कई ऐसे दिग्गज राजनेता हुए, जिसे चुनावी मौसम विज्ञानी तक करार दिया गया। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम अग्रगण्य है। चूंकि बिहार विधानसभा 2025 के लिए अक्टूबर-नवम्बर में चुनावी होने हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण चुनावी साल भी है, जिसके दृष्टिगत सभी राजनीतिक दल अपने अपने समीकरण बनाने में जुट गए हैं। यूँ तो राज्य में कुल 243 सीटें हैं और दो बड़े गठबंधन हैं। जिनमें भाजपा और जेडीयू आदि की भागीदारी वाला एनडीए अभी सत्ता में है और कांग्रेस व आरजेडी आदि की भागीदारी वाला महागठबंधन विपक्ष में है।

बिहार की राजनीति में छोटी छोटी पार्टियां ला सकती हैं बड़ा बदलाव

(कमलेश पांडे)

भारतीय इतिहास में चंपारण आंदोलन के बाद महात्मा गांधी जिस तरह से पूरे देश में चमके और सम्पूर्ण क्रांति के बाद जयप्रकाश नारायण जिस तरह से समूचे राष्ट्र में लोकप्रिय हुए, उससे यहां की सियासी हवा को समझा जा सकता है।

भारतीय राजनीति में बिहार को सियासी प्रयोगशाला समझा जाता है। यहां पर कई ऐसे दिग्गज राजनेता हुए, जिसे चुनावी मौसम विज्ञानी तक करार दिया गया। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम अग्रगण्य है। चूंकि बिहार विधानसभा 2025 के लिए अक्टूबर-नवम्बर में चुनावी होने हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण चुनावी साल भी है, जिसके दृष्टिगत सभी राजनीतिक दल अपने अपने समीकरण बनाने में जुट गए हैं।

यूँ तो राज्य में कुल 243 सीटें हैं और दो बड़े गठबंधन हैं। जिनमें भाजपा और जेडीयू आदि की भागीदारी वाला एनडीए अभी सत्ता में है और कांग्रेस व आरजेडी आदि की भागीदारी वाला महागठबंधन विपक्ष में है। वहीं, दोनों ही गठबंधन में कुल 10 महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियां हैं, जो जाति-धर्म-क्षेत्र के आधार पर या फिर कहें कि खुद को सत्ता में बनाए रखने की संभावनाओं के आधार पर भारी उलटफेर करती रहती हैं, जिससे भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों का सियासी कद भी उनके सहयोगियों की जिद्द के समक्ष बौना नजर आता है। यहां की राजनीति में जदयू सुप्रीमो व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन में उलटफेर का ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है कि बिहार के कई सारे सियासी रिकॉर्ड को उन्हें ध्वस्त कर अपने नाम कर लिया है।

वहीं, नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की सियासी हनक से प्रेरणा लेते हुए कई ऐसे राजनीतिक दल अस्तित्व में आए हैं, जो अपने अपने इलाकों में अच्छे-खासे सक्रिय नजर आ रहे हैं और किसी भी प्रतिद्वंद्वी के सियासी भविष्य को मटियामेट करने लायक व्यापक प्रभाव रखते हैं। इनमें नवस्थापित जनसुराज पार्टी के सर्वेसर्वा प्रशांत किशोर के अलावा पुष्पम प्रिया, असदुद्दीन ओवैसी और आरसीपी सिंह आदि की पार्टी प्रमुख है, क्योंकि ये नेता ना तो लालू यादव-कांग्रेस के खेमे से जुड़े हैं और ना ही नीतीश कुमार-बीजेपी के खेमे में हैं।

इसलिए यह समझा जा सकता है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में इन नेताओं की पार्टियां किसी तीसरे मोर्चे के रूप में उभर रही हैं, जो पारंपरिक गठबंधनों से अपनी अलग और अलहदा पहचान बनाने की कोशिश में जुटी हुई हैं। कहने का तातपर्य यह कि ये दल स्वतंत्र रूप से अपनी अपनी राजनीतिक गतिविधियों में लगे हुए हैं, जो यदि बिहार विधानसभा की 10-20 प्रतिशत सीटें भी जीतने में कामयाब हो गए तो नीतीश कुमार और लालू प्रसाद का रिमोट कंट्रोल अपने हाथ में रखने में सफल होंगे।

भारतीय इतिहास में चंपारण आंदोलन के बाद महात्मा गांधी जिस तरह से पूरे देश में चमके और सम्पूर्ण क्रांति के बाद जयप्रकाश नारायण जिस तरह से समूचे राष्ट्र में लोकप्रिय हुए, उससे यहां की सियासी हवा को समझा जा सकता है। वैसे भी हिंदी पट्टी की राजनीति गैर कांग्रेस और गैर भाजपा राजनीति के लिए मुफीद समझी जाती है, जबकि लंबे समय तक कांग्रेस ने और फिर भाजपा ने इसे मनमाफिक हांका है। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार

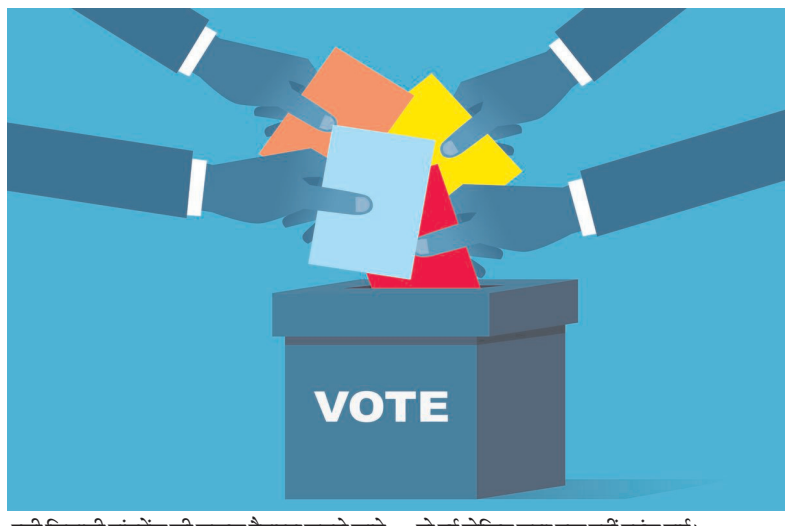

इसी सियासी दांवपेंच की सफल पैदाइश समझे जाते हैं। हालांकि, बिहार की नई पीढ़ी अब इस तरह की घाती-प्रतिघाती राजनीति से ऊब चुकी है। इसलिए साल 2025 में वहां कुछ नया करिश्मा हो जाए तो कोई हैरत की बात नहीं होगी।

आप मानें या न मानें, लेकिन बिहार की राजनीति को पड़ोसी प्रान्त उत्तरप्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल व बंगलादेश की राजनीति भी प्रभावित करती है। पाकिस्तान और अरब देशों की सियासत का प्रभाव भी बैक डोर से यहां की राजनीति पर पड़ती है, इसलिए यहां की राजनीति को एकतरफा रूप से प्रभावित करने में कभी लालू प्रसाद सफल हुए तो कभी नीतीश कुमार। अब आगे की लड़ाई उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (भाजपा), पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव (राजद), चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (जनसुराज पार्टी) और युवा तुर्क नेता कन्हैया कुमार (कांग्रेस) के बीच यदि सिमट जाए तो किसी के लिए हैरत की बात नहीं होगी। वैसे भी सम्राट चौधरी का सियासी ग्राफ सबसे ऊपर चल रहा है, क्योंकि आरएसएस और भाजपा, दोनों को उनमें अपना सियासी भविष्य दिख रहा है। नीतीश कुमार के स्वाभाविक विकल्प के तौर पर वो उभरे हैं।

आपकी सियासी याद तरोताजा कर दें कि बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में 212 पार्टियों ने हिस्सा लिया था, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में 96 पार्टियां मैदान में उतरी थीं। यह बात अलग है कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में दर्जनों पार्टियां ऐसी थीं, जिन्होंने सिर्फ एक-एक सीट पर ही अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, कई पार्टियों ने 2, 3, 4, 5, 6 उम्मीदवारों को टिकट दिए थे। इससे राजद को परोक्ष लाभ मिला था, जिससे वह मजबूत तो हुई लेकिन सत्ता तक नहीं पहुंच पाई।

तब बिहार में एनडीए की सरकार बनी, ब्रेक के बाद अभी भी वहां पर एनडीए की ही सरकार है। क्योंकि 2020 के चुनाव में एनडीए ने 125 और महागठबंधन ने 110 सीटें जीती थीं। लेकिन कुशल सियासी रणनीति वश वर्तमान में एनडीए के खेमे में 129 विधायक हैं, जिनमें बीजेपी के 80, जेडीयू के 45 और जीतनराम मांझी की हम (हम) पार्टी के 4 विधायक हैं। वहीं, विपक्ष के पास 107 विधायक हैं, जिनमें आरजेडी के 77, कांग्रेस के 19 और सीपीआई (एमएल)/सीपीआई (एमए) के 11 विधायक हैं। यहां पर बहुमत के लिए 122 विधायक होना जरूरी है। ऐसे में 45 विधायकों वाले नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री बनना अपने आप में एक सियासी करिश्मा नहीं तो क्या है?

बता दें कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), जनता दल (यूनाइटेड), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) आदि के नाम प्रमुख हैं। वहीं, महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलावा वामपंथी दलों में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन का नाम प्रमुख है। इसी गठबंधन में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी का नाम भी शामिल है।

वहीं, कुछ ऐसी कद्दावर पार्टियां भी हैं जो देखने में भले ही किसी गठबंधन में नहीं हैं, लेकिन उनकी रिमोट कंट्रोल भी भाजपा या कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाले किसी बड़े नेता या उनके मित्र उद्योगपति के पास है, जिनमें जनसुराज पार्टी , बहुजन समाज पार्टी , आम आदमी पार्टी , ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन , प्लूरल्स पार्टी ,आप सबकी आवाज, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) आदि का नाम प्रमुख है। ऐसे में समझा जा सकता है कि दोनों गठबंधनों का राजनीतिक भविष्य इन्हीं पार्टियों के कद्दावर उम्मीदवार तय करेंगे।

इसलिए सुलगता सवाल है कि तीसरे मोर्चे का आगामी चुनाव में क्या प्रभाव पड़ेगा। क्योंकि देश में भले ही भाजपा की लहर चल रही है, लेकिन वक्फ बोर्ड संशोधन बिल, औरंगजेब और राणा सांगा प्रकरण आदि का मिलाजुला असर भी यहां देखने को मिल सकता है। इस लिहाज से जन सुराज पार्टी के चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सबसे पहले जिस 'जन सुराज अभियान' की शुरुआत की और पूरे राज्य में पदयात्रा की, फिर 2 अक्टूबर 2024 को राजनीतिक दल का ऐलान किया, उसका सकारात्मक असर लोगों के दिलोदिमाग पर पड़ा है।

चूंकि जनसुराज पार्टी ने अपना चुनावी पदार्पण नवंबर 2024 में बिहार की चार विधानसभा सीटों इमामगंज, बेलागंज, रामगढ़, और तरारी के उपचुनावों में किया, जिनमें भले ही पार्टी के सभी चारों उम्मीदवार हार गए और उसके तीन उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई, लेकिन तीन सीटों पर पार्टी तीसरे स्थान पर रही, जबकि रामगढ़ में चौथे स्थान पर रही। इससे इसकी सियासी पैठ बनाने की संभावना यहां बरकरार है। इन उपचुनावों में पार्टी को कुल मिलाकर लगभग 66,000 वोट मिले। पार्टी के प्रदर्शन पर प्रशांत किशोर ने ठीक ही कहा है कि हमारी नवगठित पार्टी ने चारों सीटों पर करीब 10 प्रतिशत वोट हासिल किए। जबकि आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए उनके पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय है। यही वजह है कि पिछले 6 महीने से जन सुराज पार्टी भी अपने संगठनात्मक ढांचे को निरंतर मजबूत करने में जुटी हुई है और बिहार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रही है। पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा किया है और संगठन को खड़ा करने के लिए ताकत झोंकी है।

चिंतनीय है न्यायपालिका की गिरती साख

अनिल ठाकुर

प्रेमचंद की कहानी पंच परमेश्वर और न्याय प्रिय राजा विक्रमादित्य के टीले में दबे सिंहासन पर अनजाने में बैठे ग्वाल बच्चे की न्याय क्षमता की कहानियां पढ़कर जो बच्चे से बूढ़े हो गए , वे इन दिनों न्यायपालिका पर उठते सवालों को लेकर निश्चित रूप से बहुत आहत होंगे । कानूनी पेशे से जुड़े काले चोगो में दिखते संभ्रांतो के लिए इंग्लैंड के तत्कालीन लॉर्ड चीफ जस्टिस लॉर्ड हेवार्ट की यह ना भूलने वाली टिप्पणी भी बहुत मायने रखती है न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि न्याय किया गया है। आज की तारीख में एक आम नागरिक में उच्च एवं उच्चतम न्यायालय तक न्याय के लिए लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरने तथा महंगे अधिवक्ताओं की फीस चुकाने का सामर्थ्य ही कहां बची है ।

सामान्यतः भारत की न्यायपालिका की साख कुछ विवादास्पद फैसलों के बावजूद कायम है । नागरिक , राजनीतिक अधिकार, व्यक्तिगत एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शासन की शक्तियों का वितरण और संघवाद की प्रकृति से जुड़े कई मुद्दों पर न्यायपालिका द्वारा दिए गए फैसले सुर्खियां में एवं चर्चित रहे है । इन फैसलों को स्वस्थ लोकतंत्र और न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मानक माना गया । उच्चतम न्यायालय के कुछ महत्वपूर्ण फैसले ऐसे भी थे जिन्हें वर्षों बाद उच्चतम न्यायालय की बड़ी बेंच ने पलट दिए । बावजूद इसके न्यायपालिका की निष्पक्षता , साख पर थोड़ी बहुत हलचल से अधिक कुछ प्रभाव नहीं हुआ । इन फैसलों का सबसे महत्पूर्ण पक्ष यह है कि उस समय तक न्यायपालिका एवं विधायिका के बीच कोई बड़ी टकराहट नहीं थी । उच्च एवं उच्चतम न्यायालयों के जजों की नियुक्ति में सीधा सरकारी हस्तक्षेप था । लेकिन न्यायपालिका के निर्णयों को प्रभावित करने वाला सबसे विवादास्पद निर्णय तत्कालीन केंद्रीय सरकार का उच्चतम न्यायालय के तीन वरिष्ठ जजों की वरीयता को दर किनार कर अन्य कनिष्ठ न्यायधीश को मुख्य न्यायधीश नियुक्त करना था । राज्य सभा के एक सांसद रहे राजनेता को उच्चतम न्यायालय के जज के रूप में नियुक्ति एवं रिटायरमेंट के बाद पुनः राज्य सभा सदस्य बनाने के बाद न्यायपालिका के राजनीतिकरण की शुरुआत हो चुकी थी । बाद की सरकारों ने भी ऐसी नियुक्तियों का लाभ लेने में कोई झिझक महसूस नहीं की । सरकार एवं न्यायपालिका की सोच एक हो जैसे विषय भी लंबे समय तक चर्चा में रहे । 1993 में उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय से न्यायधीशों की नियुक्ति में मुख्य एवं अन्य वरिष्ठ न्यायधीश की राय धीरे धीरे न्यायधीशों की नियुक्ति में कॉलेजियम का एकमेव अधिकार बन गया । न्यायपालिका के इस एकाधिकार के बाद सन 2014 में संसद के दोनों सदनों ने जजों की नियुक्ति से संबंधित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) बनाने के लिए संविधान का 90 वा संशोधन पारित किया । 16 राज्य विधान सभाओं द्वारा पुष्टि एवं राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से कानून बनने के बावजूद उच्चतम न्यायालय ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए निरस्त कर दिया । जबकि कॉलेजियम की भी संवैधानिक मान्यता नहीं है । तत्कालीन कानून मंत्री के कॉलेजियम सिस्टम को एलियन करार देने के बाद यह सरकार एवं न्यायपालिका के बीच अघोषित युद्ध सा बन गया है । हमारे संविधान में न्यायपालिका , कार्यपालिका एवं विधायिका की शक्तियों , अधिकारों की सूक्ष्म व्याख्या के बावजूद इस तरह सीमाओं का किसी भी संस्था द्वारा उल्लंघन लोकतंत्र की मर्यादा का हनन है । उच्च एवं उच्चतम न्यायालय के न्यायधीशों को कई ऐसे विशेषाधिकार है जो जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को भी नहीं । इन सब के बावजूद आम नागरिक मौन ही रहा है , लेकिन जस्टिस वर्मा के निवास परिसर के बाहरी कमरे में पाए गए अध जले नोटों की घटना एवं अपनाई जा रही जांच प्रक्रिया से न्यायपालिका की साख को जो ठेस पहुंची है उसे वापस पाने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की ही है । देखना होगा न्यायपालिका की आंख पर से पट्टी हट जाने के बाद उसे कितना सच नजर आता है ? (लेखक स्तंभकार हैं)।

कैसे रूक पायेगा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण

एक समय था जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ भी होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। वह पैसे के बल पर ही चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांच सितारा संस्कृति के वाहक होते हैं।

(रमेश सर्राफ धमोरा)

हमारे देश के राजनेताओं में दिन-प्रतिदिन नैतिकता कम होती जा रही है। कई बड़े नेता आए दिन विवादास्पद बयान देखकर चर्चाओं में बने रहते हैं। वहीं बहुत से निर्वाचित विधायकों, सांसदों, मंत्रियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों पर अपराधिक मामले दर्ज हो रहें हैं। जिससे राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की छवि खराब होती जा रही है। देश की राजनीति में आज अपराध का इतना घालमेल हो गया है कि पता ही नहीं चलता कि कौन सा जनप्रतिनिधि अपराधी है और किसकी छवि स्वच्छ है। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के नेता बनने से जहां राजनीतिक दागदार हुई है। वहीं नेताओं की जनता की दूरी भी बढ़ने लगी है। मौजूदा समय में राजनीतिक व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं जो या तो बड़े नेताओं के परिवार से है या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, वफादार कार्यकर्ताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है।

एक समय था जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ भी होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। वह पैसे के बल पर ही चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांच सितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है।

1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है। वह अपने क्षेत्र से जयपुर जाते या अपने घर से विधानसभा जाते हमेशा सरकारी बस का ही उपयोग करते थे। कभी निजी गाड़ियों से नहीं घूमते थे। इसी के चलते उन्होंने राजनीति में 50 साल लंबी पारी खेली थी। वह ईमानदार थे इसीलिए ईमानदारी से रहते थे। आज हम देखते हैं कि राजनीतिक दलों के छोटे-छोटे कार्यकर्ता भी कई लाख रूपयों की महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। पार्टी का कोई नेता उनसे यह नहीं पूछता है कि इतनी महंगी गाड़ियां खरीदने के लिए पैसे कहां से आता है। सबको पता है की राजनीति में आज छुट-भैया नेता भी सत्ता की दलाली में पैसा कमा रहे हैं। दलाली के पैसों में बड़े नेताओं का भी हिस्सा होता है। इसीलिए उनकी तरफ कोई अंगुली नहीं उठाता हैं। चुनाव सुधार पर काम करने वाली एक गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संगठन ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया है। जिसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 यानी 79 प्रतिशत विधायकों ने जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक 3 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 यानि 86 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। रिपोर्ट के अनुसार 54 विधायकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 और 376 (2)(द) के तहत बलात्कार का आरोप है। धारा 376 (2)(द) एक ही पीड़ित के बार-बार यौन उत्पीड़न से संबंधित है।

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार 543 लोकसभा सदस्यों में से 251 (46 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनमें से 27 को दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार लोकसभा में चुने जाने वाले आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे उम्मीदवारों की यह सबसे बड़ी संख्या है। कुल 233 सांसदों (43 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। जबकि 2014 में 185 (34 प्रतिशत), 2009 में 162 (30 प्रतिशत) और 2004 में 125 (23 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2024 में लोकसभा के लिये चुने गये 251 उम्मीदवारों में से 170 (31 प्रतिशत) पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण से पता चला कि यह 2019 में 159 (29 प्रतिशत) सांसदों, 2014 में 112 (21 प्रतिशत) सांसदों और 2009 में 76 (14 प्रतिशत) सांसदों की तुलना में भी वृद्धि है।

एडीआर के अनुसार 18वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी बीजेपी के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं। विश्लेषण में पाया गया कि 63 (26 प्रतिशत) बीजेपी उम्मीदवार, 32 (32 प्रतिशत) कांग्रेस उम्मीदवार और 17 (46 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसमें कहा गया है कि सात (24 प्रतिशत) टीएमसी उम्मीदवार, छह (27 प्रतिशत) डीएमके उम्मीदवार, पांच (31 प्रतिशत) टीडीपी उम्मीदवार और चार (57 प्रतिशत) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार केरल के 20 में से 19 (95 प्रतिशत) सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 11 गंभीर अपराधों से जुड़े हैं। तेलंगाना के 17 में से 14 (82 प्रतिशत), ओडिशा के 21 में से 16 (76 प्रतिशत), झारखंड के 14 में से 10 (71 प्रतिशत) और तमिलनाडु के 39 में से 26 (67 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। वहीं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में लगभग 50 प्रतिशत सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरी ओर हरियाणा 10 और छत्तीसगढ़ 11 सांसद में केवल एक-एक सांसद पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पंजाब के 13 में से 2, असम के 14 में से 3, दिल्ली के 7 में से 3, राजस्थान के 25 में से 4, गुजरात के 25 में से 5 और मध्य प्रदेश के 29 में से 9 सांसदों पर आपराधिक मामले लंबित हैं।

एक जनवरी 2025 तक वर्तमान या पूर्व विधायकों के खिलाफ कुल 4,732 आपराधिक मामले लंबित थे। इनमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 1,171 मामले दर्ज हैं। ओडिशा (457), बिहार (448), महाराष्ट्र (442), मध्य प्रदेश (326), केरल (315), तेलंगाना (313), कर्नाटक (255), तमिलनाडु (220), झारखंड (133) और दिल्ली (124) मुकदमे लंबित हैं।

उपरोक्त आंकड़ों को देखने से लगता है कि हमारे देश की राजनीति में आपराधियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यदि समय रहते इस पर लगाम नहीं लगाई गई तो यह देश के लिए एक बड़ा नासूर बन जाएगी। एक समय ऐसा होगा जब राजनीति का पूरी तरह अपराधीकरण हो जाएगा और स्वच्छ छवि के लोग राजनीति से दूर होते चले जाएंगे। ऐसी स्थिति देश के लिए अच्छी नहीं होगी। सरकार को भी इस दिशा में कड़े कदम उठाने होंगे तभी राजनीति में बढ़ती अपराधियों की संख्या पर लगाम लग पाएगी।

आईआईएम बोधगया और टीमलीज एडटेक ने मिलकर ऑनलाइन एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम किया लॉन्च

बोधगया/नवबिहार टाइम्स संवाददता। भारत-भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया (आईआईएम बोधगया) ने टीमलीज एडटेक के सहयोग से ऑनलाइन एक्जीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ईएमबीए) प्रोग्राम लॉन्च किया है। यह दो वर्षीय ऑनलाइन प्रोग्राम मिड-लेवल से सीनियर-लेवल के पेशेवरों को आवश्यक ज्ञान और नेतृत्व कौशल प्रदान करता है, जिससे वे अपने करियर को आगे बढ़ा सकें और साथ ही अपनी मौजूदा भूमिकाओं में कार्यरत रह सकें। ईएमबीए प्रोग्राम एक लचीला और व्यापक शिक्षण अनुभव प्रदान करता है, जिसमें वित्त, विपणन, संचालन और रणनीति सहित प्रमुख प्रबंधन विषय शामिल हैं। इस प्रोग्राम की एक विशेषता इसके विविध वैकल्पिक पाठ्यक्रम हैं, जो शिक्षार्थियों को अपनी पसंद के क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने की सुविधा देते हैं। यह प्रतिभागियों को अपने करियर लक्ष्यों के अनुरूप कौशल विकसित करने में मदद करता है, जिससे उनकी जॉब रेडीनेस और उद्योग में आगे बढ़ने की संभावनाएं बढ़ती हैं। इस प्रोग्राम को

आईआईएम बोधगया के प्रतिष्ठित फैकल्टी द्वारा पढ़ाया जाएगा, जो अकादमिक उत्कृष्टता और उद्योग के अनुभव के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा, उद्योग विशेषज्ञों के सत्र भी शामिल होंगे, जो समकालीन विषयों की गहरी जानकारी साझा करेंगे। प्रोग्राम प्रतिभागियों को साथियों और प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के नेटवर्क से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करता है। भारत में एमबीए करने से पेशेवरों के करियर में उल्लेखनीय सुधार होता है। फाइनेंशियल टाइम्स एमबीए रैंकिंग 2025 के अनुसार, भारतीय बिजनेस स्कूलों के पूर्व छात्रों ने एमबीए के बाद अपनी वेतन वृद्धि में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी है, जो इस डिग्री के आय और करियर प्रगति पर प्रभाव को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, पियर्सन स्किल्स आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, 88% भारतीय कर्मचारी मानते हैं कि नौकरी बाजार में प्रासंगिक बने रहने के लिए निरंतर सीखना और अपस्किलिंग आवश्यक है। यह उन्नत डिग्रियों, जैसे एमबीए, के मूल्य को उजागर करता है, जो करियर विकास और अनुकूलनशीलता में सहायता करता है।

आईआईएम बोधगया की निदेशक प्रोफेसर विनिता एस. सहाय ने उद्योग-संबंधित उच्च-गुणवत्ता वाली प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहाः

आईआईएम बोधगया में, हम मानते हैं कि शिक्षा को आधुनिक पेशेवरों की जरूरतों के अनुसार विकसित होना चाहिए। यह ऑनलाइन एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अकादमिक कठोरता को व्यावहारिक ज्ञान के साथ जोड़ता है, जिससे कार्यरत पेशेवर अपनी करियर यात्रा को बाधित किए बिना शीर्ष स्तर की प्रबंधन शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रोग्राम की संरचना अद्वितीय है, जो शिक्षार्थियों को अपनी रुचि के क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे वे उद्योग के लिए तैयार हो जाते हैं और नेतृत्व की भूमिकाएं निभाने में सक्षम होते हैं।

परमात्मा की प्राप्ति के लिए साधक को सहज होना चाहिए : अनुश्री

गुठनी (सिवान)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। परमात्मा की प्राप्ति के लिये साधक को सहज होना चाहिये तभी भक्ति की पराकाष्ठा को प्राप्त कर सकेगें उक्त बातें प्रखंड मुख्यालय के बलुआ गांव स्थिति राम जानकी मंदिर परिसर में चल रहे नौ दिवसीय विष्णु महायज्ञ में प्रवचन के दौरान कथा वाचिका अनुश्री माधवी ने कहीं। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में नवधा भक्ति का निरूपण करते हुए बताया है कि भगवत प्राप्ति का सबसे आसान साधन सहजता है। सहज भाव का अर्थ है कि बाह्याडम्बर से मुक्त रहकर अंतमुर्खी होकर उस परमात्मा का नित्य निरंतर चिंतन करते रहना। अधिकांश महात्मा लोग इसी भाव से भजन करके आत्मसाक्षात्कार कर लेते हैं। मानस में आया भी है कि" निर्मल मन जन सो मोहि पावा;मोहि कपट छल छिद्र न भावा"। मन को सांसारिक विषयो से मोड़कर भगवान के चरणों में लगाना पड़ेगा। भगवान श्री कृष्ण भक्तवत्सल हैं,जो भक्तो के साथ रहकर उनकी रखवाली करते हैं। सभी लोगो को परमात्मा के शरणागत हो जाने से सांसारिक समस्याओं का समाधान आसानी से हो जाता है।

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनी ईद, गले मिल सबने कहा- ईद मुबारक

हर चेहरे पर ईद की झलक रही थी खुशी

सीवान/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में इर्द-उल-फितर का त्योहार सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर मुस्लिम भाईयों ने ईदगाहों में जाकर ईद की नमाज अदा की. इसके बाद गले मिल एक-दूसरे को इर्द की मुबारकबाद दी. शहर से लेकर गांव तक ईद मुबारक-ईद मुबारक गूंज उठा.बच्चे, बूढ़े व जवान सभी के चेहरे पर ईद की खुशियां थी. महिलाएं सुबह से लेकर देर शाम तक मेहमानों की खातिरदारी में जुटी रही. इससे पूर्व ईदगाह व मस्जिदों में ईद की दो रिकअत वाजिब नमाज अदा की गई.शहर के ईदगाह में समय से काफी पहले ही लोग पहुंच गये. ईदगाह का चप्पा-चप्पा भर गया. ठीक आठ बजे नमाज शुरू हो गई. इमाम ने अपनी तकरीर में ईद की अहमियत बयान की.शहर के नवलपुर ईदगाह,दरबार मस्जिद,शेख मोहल्ला ग्यारहवीं मस्जिद ,पुराना किला मस्जिद,हाफीजी चौक करीम शाह मस्जिद,चौक बाजार बड़ी मस्जिद,आर के माडल स्कूल मस्जिद,गौसुलवारा स्थित आसी जामा मस्जिद, शुक्ला टोली मस्जिद,शुक्ला टोली शहीदी मस्जिद,बाबुनिया रोड मस्जीदे सिद्दिक, एमएम कालोनी बेलाल मस्जिद, एम एम कालोनी मोहम्मदी मस्जिद, मस्जिदे अबुतालिब पोखरा पुरानी किला, माहपुर जामा मस्जिद ,आंदर फिरोजपुर, खुजवां, जमालपुर, फाजिलपुर, मस्जिदे जाफरिया मन्द्रापाली समेत कई ईदगाह व मस्जिदों में नमाज अदा की गई.अमन चैन व तरक्की की दुआ की.

पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था दिखी

ईद पर नमाजियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए जगह-जगह जवानों की तैनाती की गई थी. ईद के बाद लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दी.जहां कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे.ईदगाह व मस्जिदों के पास मेले का दृश्य रहा. जहां बच्चे बड़े बुजुदगो ने जमकर खरीदारी किया.

सुबह होते ही लोगों ने कहा अस्सलाम अलैकुम...

पढ़ी नमाज, सुना खुतबा, गले मिले और बोले-ईद मुबारक ऐसी न शब-ए-बरात न बकरीद की खुशी, जैसी हर एक दिल में दिखी ईद की खुशी. सोमवार को शहर में पवित्र रमजान माह पूरे शबाब पर दिखा. सुबह होते ही शहर में अस्सलाम अलैकुम... गूंज उठा. क्या बच्चे, क्या महिलाए और क्या बुजुर्ग, तकरीबन सभी इबादत में डूबे थे. वहीं नमाज के बाद शुरू हुआ मुबारकबाद का दौर. लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी और मुंह मीठा कराया.

ईदगाहों में उमड़ी नमाजियों की भीड़

शहर के विभिन्न ईदगाह नमाजियों से भरे पड़े थे. ईदगाह में जगह कम पड़ी तो लोगों ने बाहर ही नमाज अदा की. ऐसा माना जाता है कि ईद की नमाज खुले आसमान के नीचे पढ़ने का हुक्म है. परंपरा के अनुसार ईद के मौके पर लोगों ने नमाज अदा की.इसके बाद इमाम ने खुतबा पढ़ा जिसे नमाजियों ने पूरी श्रद्धा के साथ सुना. इसके बाद लोगों ने एक दूसरे को गले लगाया .अधिकांश नमाजी वहां से अपने पूर्वजों की कब्र पर गए और वहां फातिहा पढ़कर उनका शुक्रिया अदा किया.वहां से लोग अपने घर पहुंचे और फिर शुरू हो गया ईद का जश्न.

अल्लाह का माह हैं रमजान

बताया जाता हैं कि रमजान को इसलाम में उपवास या रोजों का पवित्र महीना माना गया है.इसी महीने में कुरआन को लोगों के मार्गदर्शन के लिए धरती पर भेजा गया था. रमजान को प्रायश्चित कम और अल्लाह के आदेश का पालन अधिक माना जाता है. या यूं कहे कि रमजान को अल्लाह का माह कहा जाता है.ईद के चांद के साथ ही रमजान के पाक माह का अंत हो जाता है.

हर चेहरे पर ईद की झलक रही थी खुशी

सोमवार को सुबह से ही नए-नए परिधान में बच्चे, युवा, बुजुर्ग व अन्य सभी थे. हर चेहरे पर ईद की खुशी झलक रही थी. मुस्लिम भाईयों को ईद की मुबारकबाद देने में हर धर्म के लोग आगे रहे. ईदगाह के समीप सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे.

अधिकारी लेते रहे सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

ईद के त्यौहार के मौके पर शहर से लेकर गांव तक शांति व सौंदर्य कायम करने के उद्देश्य से प्रशासनिक पदाधिकारियों ने घूम घूम कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आम लोगों से भाईचारे के माहौल में त्यौहार मनाने की अपील की. जिला मुख्यालय में बड़ी मस्जिद के समीप दंडाधिकारी और पुलिस बलों की तैनाती की गई थी. हर स्थिति पर एसपी अमितेश कुमार निगरानी रख रहे थे. वहीं एसडीपीओ अजय कुमार सिंह,नगर इंस्पेक्टर राजू कुमार सहित अन्य पदाधिकारी लगातार घूम घूम कर जायजा ले रहे थे. पूरे जिले में 424 स्थानों पर मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारी रहे तैनातपर्व को लेकर पूरे जिले में 424 स्थानों पर मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारी जगह-जगह तैनात किए गए. वही संवेदनशील जगहों पर अत्यधिक जवानों को तैनात किया गया था.शहर के बड़ी मस्जिद ,शांति वटवृक्ष सहित अन्य मस्जिदों के पास पुलिस डटी रही. विभिन्न रूटों पर पुलिस जवान व अधिकारी बाइक व चार पहिया वाहन से भी गस्त कर रहे हर स्तर पर निगरानी की जा रही थी.

बनाया गया था ड्रॉप गेट

बताते चले की ईदगाह में भिड़ को नियंत्रित करने के लिए वाहनों को पहले ही रोक दी जा रही थी.इसके लिए ईदगाह से पहले ड्रॉप गेट बनाया गया था. जहां तैनात जवान वाहनों को रोक रहे थे और उसके बाद ही अंदर को प्रवेश दिया जा रहा था. इधर नवलपुर ईदगाह में बने कैंप में नगर इंस्पेक्टर और शांति समिति के सदस्य मौजूद थे.

ईदगाह में अदा की गयी इल-उल-फितर की नमाज

गुठनी (सिवान)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुख्यालय स्थित ईदगाह में ईद-उल-फितर का नमाज सोमवार प्रातः नौ बजे अदा की गयी। चिस्तिया जामा मस्जिद के इमाम वाहिद असरफ ने मस्जिद के सदर गुलाम रसूल उर्फ मुंशी हाशमी की उपस्थिति में ईद का नमाज पढ़ाया तथा आम अवाम की सलामती की दुआ की। गुठनी मुख्यालय ईदगाह में नमाज अदा के समय बीडीओ डॉ संजय कुमार,सीओ डॉ विकास कुमार,थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह,नगर पंचायत चेयरमैन राजेश कुमार गुप्ता तथा पूर्व प्रमुख कामोद प्रसाद नारायण उर्फ सुबोध सिंह मौजूद रहे और नमाज खत्म होते मुस्लिम भाइयों को ईद का मुबारकबाद दिया। गुठनी मुख्यालय के अलावा किसुनपुरा, बलुआ, चित्ताखाल, धनौती, डरैला, मियांगुंडी, भलुआ, बरपलिया सहित अन्य कई जगह ईदगाह में नमाज अदा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए डॉ. प्रभुनाथ सिंह

छपरा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। डॉ. प्रभुनाथ सिंह महाविद्यालय, छपरा के प्रांगण में उनकी पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर डिग्री महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) विवेकानंद तिवारी व इंटर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रेम शंकर सिंह ने उनकी प्रतिमा पर फूल-माला अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

अर्थशास्त्र व राजनीति में अद्वितीय योगदान

ज्ञात हो कि स्वर्गीय डॉ. प्रभुनाथ सिंह देश के प्रख्यात अर्थशास्त्री और कुशल राजनीतिज्ञ थे। वे डॉ. जगन्नाथ मिश्रा के मुख्यमंत्री काल में वित्त राज्य मंत्री भी रहे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया। दर्जनों कॉलेजों के संस्थापक सचिव के रूप में उन्होंने शिक्षा का विस्तार किया और अनेक लोगों को जीविका का साधन उपलब्ध कराया, जो अविस्मरणीय योगदान है।

सादा जीवन, उच्च विचार के प्रतीक

डॉ. प्रभुनाथ सिंह सादा जीवन और उच्च विचार में विश्वास रखते थे और आम जनता की समस्याओं का समाधान करने में हमेशा तत्पर रहते थे। उनके अर्थशास्त्र के क्षेत्र में योगदान को अमेरिका ने भी सराहा और उन्हें ह्यूमैन ऑफ द ईयरह्व पुरस्कार से सम्मानित किया। वर्तमान परिवेश में ऐसे महान व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

श्रद्धांजलि अर्पित कर लिया प्रेरणा का संकल्पः

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने भगवान से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रो. अरुण कुमार सुमन, प्रो. त्रिलोकी नाथ उपाध्याय, प्रो. राकेश कुमार, प्रो. पशुपतिनाथ गुप्ता, प्रो. अनिल कुमार शर्मा, डॉ. उदय प्रताप सिंह, विशाल कुमार सिंह, देवेंद्र कुमार सिंह, रामकृष्ण सिंह, संजय मांझी सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी मौजूद रहे।

आरक्षण वापसी के लिए पटना में महाजुटान को लेकर हांको रथ हम पान है संगठन की बैठक आयोजित

छपरा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सारण जिले के सदर प्रखंड स्थित हिमालय होटल में पान समाज की हांको रथ हम पान है संगठन की बैठक हिमालय राज की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 13 अप्रैल को पटना के गांधी मैदान में आरक्षण वापसी की मांग को लेकर आयोजित होने वाले 13 लाख पान समाज के महाजुटान पर अहम चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पटना के गांधी मैदान में पान समाज की आरक्षण वापसी के लिए आंदोलन के तहत एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी। इस दौरान 13 लाख पान समाज के लोग जुटकर अपना खोया हुआ आरक्षण हासिल करने का संकल्प लेंगे। बैठक में मांझी प्रमुख प्रतिनिधि राजेश कुमार, घनश्याम प्रसाद, कृष्ण कन्हैया, प्रदीप कुमार, गुड्डू कुमार, लालबाबू प्रसाद, राजेश कुमार, अमित कुमार, रवि कुमार, पप्पू कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

470 अंक लाकर अरविंद ने बढ़ाया विद्यालय का मान

छपरा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज, नरहरपुर, मढ़ौरा के छात्र अरविंद कुमार ने मैट्रिक परीक्षा में 470 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्राचार्य पंकज कुमार सिंह ने अरविंद को विद्यालय बुलाकर सभी शिक्षकों के साथ मिठाई खिलाकर बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अरविंद के अभिभावक ओमप्रकाश पांडेय ने बताया कि अरविंद बचपन से ही होनहार और लगनशील रहा है।

एकमा में शांति व सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनी ईद

एकमा (सारण)नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर पंचायत बाजार समेत प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को ईद-उल-फितर (ईद) का त्योहार पारंपरिक श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह होते ही नमाजी निर्धारित समय के पूर्व ही जामा मस्जिदों में पहुंच गए तथा नमाज अदा कर अल्लाह-त-आला से देश व समाज की तरक्की, अमन-चैन व आपसी भाईचारा बनाए रखने की दुआ मांगी। वहीं नमाज अदा करने के बाद नेशनल एथलीट विकास राठौर, रसूलपुर मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद, नपं मुख पार्षद प्रतिनिधि दीपक राज, जन सुराज नेता विकास कुमार सिंह, राजद नेता अवधेश यादव, सुभाष यादव, जितेन्द्र यादव, कन्हैया यादव सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मीडिया कर्मियों, बुद्धिजीवियों, शांति समिति के सदस्यो आदि लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की दिली मुबारकबाद दी। उधर उधर ईदगाहों व जामा मस्जिदों पर नमाजियों को ईद की मुबारकबाद देने के लिए हिंदू समाज के लोग भी पहुंचे व गले मिल कर मुबारकबाद दी। नमाज स्थल पर लगे मेलों में बच्चों ने खूब खरीदारी की। वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस प्रशासन दल बल के साथ तैनात रहा। नमाज अदा करने के बाद देर शाम तक सेवईयां खाने-खिलाने का क्रम चलता रहा। एकमा, हंसराजपुर, गोपाली, गंजपर आदि के अलावा चनचौरा, परसागढ़, महम्मदपुर, रसूलपुर, चकमीरा, रामपुर, कर्णपुरा, योगियां, कटोखर, कलान आदि स्थानों पर स्थित ईदगाह व जामा मस्जिदों में ईद की नमाज अकीदत के साथ अदा की गई। इन इलाको में ईद शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। इस बीच एकमा सीओ राहुल शंकर, बीडीओ डॉ अरुण कुमार व नगर पंचायत एकमा बाजार की मुख्य पार्षद श्वेता रानी के पति दीपक राज आदि ने क्षेत्र में मुस्लिम समाज के लोगों को बकरीद की मुबारकबाद देकर त्योहार को शांति व आपसी भाईचारे व सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने की अपील करते हुए ईद की मुबारकबाद दी। वहीं एसडीपीओ राजकुमार, एकमा अंचल पुलिस निरीक्षक वीरेंद्र सिंह, पुलिस निरीक्षक सह एकमा थानाध्यक्ष उदय कुमार, रसूलपुर थानाध्यक्ष प्रभात कुमार आदि ने क्षेत्र में पुलिस बल के साथ भ्रमण कर ईद त्योहार पर शरारती तत्वों पर नजर रखते हुए कड़ाई से निपटने हेतु तत्पर नजर आए।

राजेंद्र सिन्हा पांचवीं बार बने झामुमो पलामू के जिला अध्यक्ष

पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने जारी किया कार्यालय आदेश

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददता। राजेंद्र प्रसाद सिन्हा झारखंड मुक्ति मोर्चा के पलामू जिला अध्यक्ष बनाए गए हैं। राजेंद्र प्रसाद सिन्हा पुनः पांचवीं बार अध्यक्ष बनाए गए हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कार्यालय आदेश जारी करते हुए पलामू व बोकारो के जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे ने पत्र में बालकिशन उरांव व सानू सिद्दीकी को पलामू जिला उपाध्यक्ष, अधिवक्ता रंजन चंद्रवंशी को जिला सचिव, अनुराग सिंह व देवानंद भारद्वाज को संगठन सचिव, रमेश कुमार सिंह को सहसचिव व विशाल कुमार सिन्हा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने रतन लाल मांझी को बोकारो जिला का अध्यक्ष बनाया है। गिरधर महतो, घुन्नू हांसदा, मो. फिरदौस व मोहन मुर्मू को उपाध्यक्ष, मुकेश कुमार महतो को सचिव, मुक्तेश्वर महतो व फैयाज अहमद को संगठन सचिव, पान बाबू केवट व यदु महतो को सह सचिव व पंकज जायसवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने जारी कार्यालय आदेश में कहा है कि सभी पंचायत समितियां, वार्ड समितियां, प्रखंड समितियां, महानगर व नगर समिति के गठन के उपरांत यह घोषणा की गई है। उन्होंने नवगठित जिला समिति के पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जिला अंतर्गत आने वाले केंद्रीय समिति के पदाधिकारी व केंद्रीय सदस्यों के साथ बैठककर जिला समिति के विस्तार के लिए पदाधिकारी के नाम की अनुशंसा जिला समिति के कार्यवाही पुस्तिका की उक्त बैठक की छाया प्रति संलग्न कर यथाशीघ्र करना सुनिश्चित करें ताकि विचारोपरांत जिला समिति का पूर्ण गठन किया जा सके। महासचिव विनोद कुमार पांडे ने राजेंद्र प्रसाद सिन्हा से कहा है कि अपने संगठनात्मक कर्मठता का पूर्ण उपयोग करते हुए संगठन के सुदृढ़ता के लिए कार्य करें। साथ ही प्राप्त दायित्व का निर्वहन करते हुए अनुशासन की परिधि में रहकर कार्यकताओं के साथ सुमधुर संपर्क स्थापित करें। इधर सामाजिक कार्यकर्ता व गणेश रवि ने राजेंद्र कुमार सिन्हा को झारखंड मुक्ति मोर्चा पलामू जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई दी है। कहा है कि राजेंद्र सिन्हा पर यह बड़ा दायित्व है कि वे सरकार के पार्टी के जिला अध्यक्ष हैं। इस नाते गठबंधन के सभी सहयोगी साथियों को लेकर आगे बढ़ेंगे।

फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा ने समाजसेवी शौकत को आइकॉनिक अवार्ड से किया सम्मानित

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददता। समाजसेवी शौकत खान को एक कार्यक्रम में फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा ने आईकॉनिक अवार्ड से सम्मानित किया है। लगातार गढ़वा जिले को गौरवान्वित करा रहें शौकत खान हो चुकें हैं। ऐसे हालात में शौकत खान गरीबों के लिए निशुल्क कपड़ा बैंक, चावल बैंक, सत्तू बैंक, पुस्तक बैंक खोलकर दस वर्षों में दस लाख से अधिक गरीबों की मदद कर देश भर में रिकॉर्ड बनाया है। ऐसे इंसान को सम्मानित कर फिल्म अभिनेत्री जया

प्रदा खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। कहा गया कि समाज के धनवान लोगों को शौकत खान से प्रेरणा लेनी चाहिए। मौके पर समाजसेवी शौकत ने कहा कि उन्हें देश भर से अबतक सैकड़ों सम्मान व अवार्ड मिल चुके हैं। लेकिन पटना में फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा से सम्मानित होकर व अवार्ड पाकर उत्साहित हैं। मौके पर शौकत खान ने बीआईबी के डायरेक्टर श्रीकांत कुमार सिंह, आलोक कुमार सिंह समेत उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

निस्वार्थ सेवा कार्यों से देश भर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। पटना में 30 मार्च को अभिनेत्री जया प्रदा ने राष्ट्र हित मे लगातार बेहतर सेवा कार्य के लिए राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह सह अनेक निशुल्क बैंक के संस्थापक शौकत खान को आइकॉनिक बीआईबी एक्सिलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया। उनके सामाजिक कार्यों को सुनकर सभी ने सराहना की।कहा गया कि आज के भागदौड़ भरी जिंदगी में सभी लोग अपने घर व परिवार तक सीमित

चैनपुर से अवैध हथियार व दो मोटरसाइकिल के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार, दो फरार

मेदिनीनगर में जेवर दुकान में लूट की बना रहे थे योजना

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददता। चैनपुर थाना पुलिस ने रानीताल डैम के समीप डकैती की योजना बना रहे गिरोह का भंडाफोड़ किया है।पुलिस को 30 मार्च की रात 9 बजे सूचना मिली कि रानीताल डैम के पास कुछ लोग डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही वरीय पदाधिकारी को सूचित कर पुलिस टीम गठित की गई। छापामारी के क्रम में रानीताल डैम के पास पहुंचने पर पुलिस ने दो मोटरसाइकिल खड़ा देखा। कुछ लोगों को पास में बैठे हुए पाया। पुलिस पर नजर पड़ते ही वे सभी भागने का प्रयास करने लगे। लेकिन पुलिस बल के सहयोग से तीन व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। दो अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। गिरफ्तार अपराधियों में चैनपुर थाना क्षेत्र के लादी गांव का पुरुषोत्तम कुमार उर्फ छोटू, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिला के शंकरगढ़ थाना स्थित लाल कपूरवा गांव के शत्रुघ्न पांडेय व चैनपुर थाना के लादी गांव के सतीश कुमार चंद्रवंशीको गिरफ्तार किया गया है। फरार अपराधियों में लादी गांव के देवी मंडप स्थित बैजनाथ चंद्रवंशी व मोनू के नाम शामिल है।पुलिस ने पकड़े गए अपराधियों के पास से लोहे का एक देसी कट्टा, 02 जिंदा गोली, 04 मोबाइल फोन, फर्जी नंबर प्लेट लगा हुआ हीरो स्प्लेंडर प्लस व ब्लू रंग का टीवीएस रेडर शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे डालटनगंज में एक सोना दूकान में डकैती की योजना बना रहे थे। इस कार्य के लिए उन्होंने अपनी मोटरसाइकिलों पर फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी। गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों को दिनांक 31 मार्च को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी अभियान जारी है। छापामारी दल में पुअनि थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा, थाना प्रभारी पुअनि रंजीत कुमार, पुअनि अनिल विद्यार्थी शामिल थे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को सशस्त्र सीमा बल बना रहा हुनरमंद

गुमला/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 32- बटालियन गुमला में नक्सल विरोधी अभियानों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के सशक्तिकरण के विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। इसी क्रम में विकास भारती के सहयोग से 25 दिनी बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जो 27 फरवरी 26 मार्च तक चला। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना और उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना था। इस प्रशिक्षण में 34 किशोरियों और छह युवाओं ने भाग लिया। समापन समारोह में 32वीं बटालियन के उप कमांडेंट दिव्यज्योति ने सभी प्रतिभागियों को की-बोर्ड,पेन ड्राइव और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

एआई से आएगी मीडिया उद्योग में क्रांतिः प्रो.संजय द्विवेदी

वनस्थली विद्यापीठ के विद्यार्थियों से संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक

भोपाल/एजेंसियां। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी का कहना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस) से मीडिया उद्योग में क्रांति आ जाएगी। प्रो.द्विवेदी वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान के मीडिया विद्यार्थियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एआई ने न सिर्फ मीडिया की कार्यप्रणाली को सरल बनाया है बल्कि अब सामग्री निर्माण, उपभोक्ताओं का डेटा विश्लेषण और उनकी पसंद का सटीक अनुमान लगाना आसान हुआ है। प्रो.द्विवेदी ने कहा कि एआई संचालित उपकरण कंटेंट क्रिएटर्स का समय और लागत दोनों बचा रहे हैं। एआई एल्गोरिदम उपभोक्ताओं की सर्च और ब्राउजिंग आदतों का विश्लेषण कर व्यक्तिगत विज्ञापन तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा एआई जनित चुनौतियों जैसे फेक न्यूज,डीप फेंक टेक्नोलॉजी और मानव संसाधन के विस्थापन जैसे मुद्दों से जूझते हुए हमें इसका सर्तक और सार्थक इस्तेमाल सीखना होगा।

एआई के बाजार में भारत अग्रणी

प्रो. संजय द्विवेदी ने बताया कि भारत एआई के इस्तेमाल में अग्रणी देश है। 2025 पूरा होते-होते देश में एआई का बाजार 12 बिलियन डॉलर होने की संभावना है। भारतीय एआई क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) 20 से 25 प्रतिशत के आसपास है। अभी लगभग 4 लाख पेशेवर इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। इस साल के अंत तक इसमें 30 प्रतिशत की वृद्धि संभावित है।

भारतीय भाषाओं का अमृतकाल

जनसंचार के विद्वान प्रो.द्विवेदी ने कहा कि भारतीय भाषाओं का यह अमृतकाल है। डिजिटल दुनिया में भारतीय भाषाओं में कंटेंट की मांग बढ़ेगी, जिससे क्षेत्रीय मीडिया कंपनियों को अपार अवसर मिलेंगे। संभावना है कि 60 प्रतिशत से ज्यादा कंटेंट भारतीय भाषाओं में हों। ये वैश्विक स्तर पर स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने संभावना जताई कि भारतीय मीडिया कंपनियां वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करेंगी। प्रो.द्विवेदी ने सरकार से आग्रह किया कि वह नैतिकता, डेटा सुरक्षा, फेक न्यूज और मीडिया ट्रांसपेरेंसी की दिशा में आवश्यक कदम उठाने चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में मीडिया और जनसंचार विभाग की अध्यक्ष डा.रजनी मुद्गल ने प्रो.द्विवेदी का स्वागत करते हुए वनस्थली विद्यापीठ के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक गण डा. प्रियदर्शिनी किरण, गुलशन कुमार,अंजलि गुप्ता, गजाजन खचोरिया उपस्थित रहे।

कर्ज चुकाने के लिए आईपीओ से पैसे जुटाएगी गुजरात की कंपनी वीएमएस टीएटी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीएमटी स्टील बार बनाने वाली गुजरात की कंपनी वीएमएस टीएटी ने आईपीओ के लिए सेबी के पास अपने ड्राफ्ट पेपर्स फिर से जमा किए हैं। इस आईपीओ से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को कम करने के लिए करेगी। अस्क्ष बार्स मजबूत स्टील होते हैं, जिनका इस्तेमाल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में ज्यादा होता है। कंपनी के पास कामधेनु लिमिटेड के साथ एक रिटेल लाइसेंस एग्रीमेंट भी है, जिसके तहत वह गुजरात में कामधेनु ब्रांड के नाम पर अस्क्ष बार्स बेच सकती है।

1.5 करोड़ नए शेयरों का इश्यू होगा- नीकंट्रोल की खबर के मुताबिक कंपनी ने 27 मार्च 2025 को ड्राफ्ट पेपर्स सेबी के पास जमा किए। इस ड्राफ्ट पेपर्स के मुताबिक, कंपनी का यह आईपीओ पूरी तरह से 1.5 करोड़ नए शेयरों का इश्यू होगा। इससे पहले, 27 सितंबर 2024 को कंपनी ने इसी साइज का आईपीओ प्लान किया था, लेकिन बाद में 23 अक्टूबर को उसने अपना आवेदन वापस ले लिया था।

115 करोड़ रुपये अपने कर्ज चुकाने पर खर्च करेगी- कंपनी अपने आईपीओ से मिले पैसे का क्या करने वाली है? इस सवाल का जवाब यह है कि गुजरात की यह कंपनी आईपीओ से मिलने वाले पैसे में से 115 करोड़ रुपये अपने कर्ज चुकाने पर खर्च करेगी, बाकी पैसे जनरल कॉर्पोरेट कामों के लिए इस्तेमाल होंगे। दिसंबर 2024 तक कंपनी पर कुल 160.2 करोड़ रुपये का कर्ज था।

प्रमोटर्स की 96.28 प्रतिशत हिस्सेदारी- वीएमएस टीएटी में प्रमोटर्स की 96.28 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि बाकी 3.72 प्रतिशत शेयर पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास हैं, जिनमें चाणक्य ऑपरच्युनिटीज फंड और कामधेनु शामिल हैं।

मार्च में सोना 4250 रुपये हुआ महंगा, चांदी की कीमतों में 7454 रुपये की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। शादियों के सीजन से पहले मार्च में सोने-चांदी ने खूब उड़ान भरी। फरवरी में दोनों धातुओं के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद मार्च में भी दोनों ने खूब गदर काटा। इस महीने सोना 4250 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ तो चांदी की कीमतों में 7454 रुपये प्रति किलो का उछाल आया। शुक्रवार 28 मार्च को सोना नए शिखर 89306 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच

गया और चांदी 100934 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई को टच की। आज ईद की छुट्टी की वजह से आईबीजेए गोल्ड-सिल्वर के रेट जारी नहीं करेगा और एमसीएक्स भी बंद है। इस साल अब तक सोना 13566 रुपये और चांदी 14917 रुपये उछल चुकी है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक सोने का ग्लोबल प्राइस 3,100 डॉलर तक पहुंच सकता है। जबकि, भारत में 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचने की उम्मीद है। एमके ग्लोबल की रिया सिंह के मुताबिक, सोना अभी 2,975 से 3,035 के बीच ऊपर-नीचे हो सकता है, लेकिन अगर ट्रेड वॉर की आग भड़की तो 3,150 डॉलर तक छलांग लगा सकता है। भारत में रुपया कमजोर होगा तो घरेलू कीमतें और उछलेंगी।

चीन की तारीफ में छुपी है चेतावनी... अलग लेवल पर खेल रहा है ड्रैगन

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के विश्लेषक सिद्धार्थ ओझा ने चीन की कूटनीति पर कई दिलचस्प बातें बताई हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी आपकी तारीफ करता है तो यह आपकी सफलता से ज्यादा उसकी रणनीति के बारे में बताता है। हाल ही में चीनी सरकार के समर्थन वाले ग्लोबल टाइम्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत-चीन संबंधों पर की गई टिप्पणी को व्यावहारिक नजरिया बताया था। ओझा ने इस तारीफ के पीछे छिपे चीन के इरादों को उजागर किया है। उन्होंने लि?वे?डइन पर बताया कि चीन की तारीफ में अक्सर एक चेतावनी छिपी होती है। ओझा के अनुसार, चीन की तारीफ के पीछे तीन मुख्य कारण हो सकते हैं। पहला, चीन मानता है कि जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) अब सीएनपी (समग्र राष्ट्रीय शक्ति) के युग में पुरानी हो चुकी है। दूसरा, चीन रणनीतिक चालों के जरिये तारीफ का इस्तेमाल हथियार के रूप में कर सकता है। तीसरा, चीन को अपनी श्रेष्ठता पर पूरा भरोसा है, जो कि अहंकार से भरा हुआ है और जल्द ही टूट सकता है।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री मोदी ने पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ बातचीत में भारत और चीन के बीच स्वस्थ और स्वाभाविक प्रतिस्पर्धा की बात की थी। उन्होंने 2020 के सीमा विवाद को स्वीकार करते हुए कहा था, राष्ट्रपति शी के साथ मेरी मुलाकात के बाद हमने सीमा पर सामान्य स्थिति देखी है। हम 2020 से पहले की स्थितियों को बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं।

एक्सपर्ट ने भारत को दी सतर्क रहने की सलाह

ओझा ने लिखा, वैश्विक शक्ति के खेल में चीन की कूटनीतिक प्रशंसा अक्सर छिपाने से ज्यादा प्रकट करती है। उनका मानना है कि चीन का ध्यान अब डॉलर-आधारित जीडीपी की तुलना से हटकर नियंत्रण और शक्ति के गहरे स्तरों पर चला गया है। ओझा ने कहा, डॉलर में जीडीपी यह भोले लोगों के लिए एक भ्रम है। उन्होंने बताया कि चीन अब एक अलग ही स्तर पर खेल रहा है।

चीन का औद्योगिक पैमाना बहुत बड़ा

विश्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए ओझा ने बताया कि 2020 में चीन की जीडीपी क य शक्ति समानता के मामले में 27.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। यह अमेरिका के 21.4 ट्रिलियन डॉलर से काफी आगे है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि चीन तकनीकी संप्रभुता पर जोर दे रहा है. विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के अनुसार, 2020 में चीन ने 15 लाख से अधिक पेटेंट आवेदन दाखिल किए, जो एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), क्वांटम कंप्यूटिंग और 5ज जैसे इनोवेशन क्षेत्रों में अपना दबदबा बनाने की स्पष्ट मंशा दिखाता है।

सरकार ने अधिग्रहित किए वोडाफोन के 36,950 करोड़ रुपये के नए शेयर, हिस्सेदारी बढ़कर होगी 48.99 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने रविवार को नियामक फाइलिंग को बताया कि सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 48.99 प्रतिशत करने पर सहमति जताई है। यह कदम बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों के एवज उठाया गया है। इसके तहत सरकार वोडाफोन के 36,950 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर अधिग्रहण करेगी। वर्तमान में कर्ज से जूझ रही वोडाफोन आइडिया में सरकार की 22.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस नए अधिग्रहण के बाद वह कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक बनी गई है। वोडाफोन आइडिया अब अगले 30 दिनों में 3,6950 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। इनकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर होगी। दूरसंचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में घोषित दूरसंचार क्षेत्र के सुधार और समर्थन पैकेज के तहत बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों (जिसमें स्थगित भुगतान भी शामिल हैं) को इक्विटी में बदलने का निर्णय लिया है। इस प्रक्रिया में कुल 36,950 करोड़ रुपये को इक्विटी शेयरों में परिवर्तित किया जाएगा। दूरसंचार मंत्रालय ने 29 मार्च को इस संबंध में आदेश जारी किया था। जिसके तहत ये शेयर सरकार को स्थानांतरित किए जाएंगे। वोडाफोन आइडिया ने बताया कि उसे 10 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर कुल 3,695 करोड़ इक्विटी शेयर जारी करने का निर्देश दिया गया है। यह आदेश संबंधित प्राधिकरणों, जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) भी शामिल है। कंपनी ने कहा, इस इक्विटी शेयर के जारी होने के बाद सरकार की हिस्सेदारी 22.60 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 48.99 प्रतिशत हो जाएगी। हालांकि, प्रमोटर्स कंपनी का परिचालन नियंत्रण बनाए रखेंगे।

आरबीआई अप्रैल में फिर कर सकता है रेट कट

ब्याज दरें घटकर 6 प्रतिशत होंगी: बैंक ऑफ अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक ऑफ अमेरिका ग्लोबल रिसर्च के मुताबिक, आरबीआई अप्रैल में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में एक बार फिर रेपो रेट में कटौती कर सकता है। बैंक ऑफ अमेरिका का अनुमान है कि आरबीआई रेपो रेट में 25 आधार अंक (0.25 प्रतिशत) की कटौती कर इसे 6 प्रतिशत तक ला सकता है। इसकी वजह है मुद्रास्फीति (इन्फ्लेशन) का अगले कुछ महीनों तक 4 प्रतिशत से नीचे बने रहने का अनुमान और रुपये पर दबाव में कमी।

क्यों और कितनी होगी रेट कट- बोफा का कहना है कि इन्फ्लेशन कंट्रोल में है और ग्रोथ धीमी है, जिससे आरबीआई के पास रेट कम करने की गुंजाइश बन रही है। हालांकि, 2 अप्रैल से लागू होने वाले आयात शुल्क (टैरिफ) से थोड़ी अनिश्चितता हो सकती है, लेकिन इसका एमपीसी के फैसले पर बड़ा असर नहीं होगा।

बोफा को उम्मीद है कि 2025 के अंत तक रेपो रेट 5.5 प्रतिशत तक आ सकता है, यानी इस साल कुल 1 प्रतिशत (100 आधार अंक) की कटौती होगी।

ग्रोथ और इन्फ्लेशन के अनुमान में संशोधन- आरबीआई ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.7 प्रतिशत का अनुमान लगाया है, लेकिन बोफा इसे थोड़ा ऊंचा मानता है और 6.5 प्रतिशत की संभावना जताता है।

इन्फ्लेशन के मामले में आरबीआई का त्त4 एफवाय25 का लक्ष्य 4.4 प्रतिशत है, लेकिन बोफा का मानना है कि यह 3.8-4 प्रतिशत के बीच रह सकता है। तेल की कीमतों में गिरावट, रुपये की स्थिरता और कमजोर मांग की वजह से एफवाय26 में भी इन्फ्लेशन 4 प्रतिशत के आसपास रह सकता है।

आरबीआई लिक्विडिटी भी बढ़ाएगा- आरबीआई पहले ही दिसंबर से बैंकिंग सिस्टम में 5 लाख करोड़ रुपये की लिक्विडिटी डाल चुका है। आगे भी कर्ज की उपलब्धता बढ़ाने के लिए आरबीआई और कदम उठा सकता है।

ग्रोथ को सपोर्ट, इन्फ्लेशन पर नजर- बोफा का मानना है कि आरबीआई ग्रोथ को बढ़ावा देने पर फोकस करेगा, लेकिन इन्फ्लेशन को 2-6 प्रतिशत के टारगेट रेंज में ही रखेगा। गर्मियों में हीटवेव से खाद्य महंगाई बढ़ने का थोड़ा रिस्क है, लेकिन अच्छी फसल उत्पादन से यह दबाव कम हो सकता है।

ट्रंप का टैरिफ खोलेगा ऑटो पार्ट्स बनाने वाली भारतीय कंपनियों की राह

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने विदेशों में बनी गाड़ियों और ऑटो पार्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। मोटर इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ यूएसए के अनुसार, ऑटोमोबाइल पर टैरिफ 3 अप्रैल से लागू होंगे जबकि ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ 3 मई 2025 से पहले लागू होंगे। जानकारों का कहना है कि भारत पर शायद ही इसका कोई बुरा असर होगा। ऑटो इंडस्ट्री में 20 साल का अनुभव रखने वाले सुंदरम श्रीनिवासन का कहना है कि ट्रंप का टैरिफ भारतीय ऑटो पार्ट्स कंपनियों के लिए वरदान साबित हो सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया में एक लेख में उन्होंने कहा कि ट्रंप के टैरिफ का भारत पर ज्यादा असर होने की आशंका नहीं है। लेकिन यह अमेरिका को पार्ट्स के बड़े निर्यातकों कनाडा, मैक्सिको, चीन और अन्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। भारत का अमेरिका को ऑटो एक्सपोर्ट लगभग 10 मिलियन डॉलर है। यह जापान के अमेरिका को होने वाले ऑटोमोबाइल निर्यात के मुकाबले बहुत कम है। ऑटोमोबाइल पार्ट्स के मामले में भारत एक मजबूत दावेदार है। भारत अमेरिका को 2.2 अरब डॉलर का निर्यात करता है। यह भारत के कुल ऑटोमोबाइल कंपोनेंट निर्यात का लगभग 30 प्रतिशत है। लेकिन अगर इसे सही संदर्भ में देखें, तो यह अमेरिका के कुल ऑटोमोबाइल पार्ट्स आयात का 3 प्रतिशत से भी कम है। डोनाल्ड ट्रंप का निशाना यह नहीं है। लेकिन यह अमेरिका को पार्ट्स के बड़े निर्यातकों कनाडा, मैक्सिको और चीन जैसे देशों के लिए एक साइड इफेक्ट हो सकता है।

किन देशों को होगा नुकसान

भारत में ऑटो पार्ट्स कंपनियों को इस बात का डर नहीं है कि वे ट्रंप टैरिफ के कारण उनके उत्पाद प्रतिस्पर्धियों से महंगे हो जाएंगे। उन्हें इस बात का डर है कि आयातक लागत का कम से कम कुछ हिस्सा खुद वहन करने का दबाव डालेंगे। इससे उनका मुनाफा काफी कम हो जाएगा।

नगदी बढ़ाने के लिए इंडसइंड बैंक ने उठाया है बड़ा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडसइंड बैंक ने कई साझेदार बैंकों के साथ बड़ी डील की है। रिपोर्ट के अनुसार बैंक ने बड़े कॉरपोरेट लोन को ट्रांसफर किया है। इंडसइंड बैंक का प्रयास है कि नगदी को बढ़ाया जाए। चल रही जांच के कारण बैंक की कुल संपत्ति में 2000 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार आईसीआईसीआई बैंक और फेडरल बैंक ने उच्च श्रेणी के लोन को 7.5 प्रतिशत से 8 प्रतिशत ब्याज के बदले बैंक को नगदी प्रदान की है। यह ट्रांसफर इंटर बैंक पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट के नियमों के तहत किया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति के अनुसार बैंक पिछले 10 दिनों से यह डील करने के लिए प्रसायरत है। बता दें, इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का मानना है कि यह ट्रांसफर किया गया लोन 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का है। हालांकि, इस प्रकरण पर ना ही इंडसइंड बैंक ने कोई जानकारी दी है। ना ही आईसीआईसीआई बैंक और फेडरल बैंक की तरफ से कोई बयान आया है। आईबीपीसी एक ट्रेडिशनल मार्केट है। जिसके जरिए बैंक कुछ समय के लिए लोन लेते और देते हैं। इस तरह की डील 6 महीने के लिए अमूमन की जाती है। लोन के ट्रांसफर होने का मतलब हुआ कि कुछ समय के लिए बैंक के एसेट बुक में वह नहीं दिखेगा। मान लीजिए अगर इंडसइंड बैंक ने 1000 करोड़ रुपये लोन ट्रांसफर किया है। तो उसके बदले उसे 400 करोड़ रुपये नगदी के मिलेंगे। जिससे वो ब्याज का भुगतान कर पाएंगे।

शेयर बाजार में बैंक की सेहत अच्छी नहीं है- शुक्रवार को कंपनी के शेयर 3.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 649.55 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

सीएनजी और पाइप्ड गैस की कीमतों में नरमी की उम्मीद, नियामक ने पाइपलाइन शुल्क बदलने का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल व गैस नियामक पीएनजीआरबी ने नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचाने वाली पाइपलाइनों के लिए शुल्क निर्धारण की नई नीति का प्रस्ताव रखा है। अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है तो इससे सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में नरमी दिख सकती है। नियामक ने घरों में सीएनजी और पाइप के जरिए रसोई गैस बेचने वाली शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव दिया है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने प्राकृतिक गैस को इसके उत्पादन वाले क्षेत्रों से या आयात बंदरगाहों से ले जाने वाली पाइपलाइनों पर लगाए गए क्षेत्रीय शुल्कों में परिवर्तन के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज जारी किया है। यह बदलाव उन संयंत्रों के लिए किया गया है जो इससे बिजली बनाते हैं। इसके अलावे इसका असर उन उर्वरक इकाइयों पर पड़ेगा जो इससे यूरिया बनाती हैं। इसके अलावे इससे वे शहरी गैस इकाइयां भी इससे प्रभावित होंगे जो इसे ऑटोमोबाइल को बेचने के लिए सीएनजी में बदल देती हैं और खाना पकाने के लिए इसे घरेलू रसोई तक पहुंचाती हैं। नियामक ने कहा, निवेश लाने और देश में विशेष रूप से सीएनजी और घरेलू पाइप्ड प्राकृतिक गैस (खाना पकाने के लिए घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाली) में गैस की खपत बढ़ाने के लिए एक और दूरगामी सुधार में, पीएनजीआरबी घरेलू उपभोक्ताओं और परिवहन में इस्तेमाल होने वाली पाइप्ड प्राकृतिक गैस की कीमत कम करने का प्रस्ताव लेकर आया है। टैरिफ विनियमन के विभिन्न पहलुओं पर हितधारकों से टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज (पीसीडी) वेबहोस्ट किया गया है।

99 प्रतिशत लुढ़क गया था अनिल अंबानी का शेयर

अब 2300 प्रतिशत से ज्यादा की आई तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में जोरदार तेजी आई है। 99 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़कने के बाद कंपनी के शेयर पिछले पांच साल में 2300 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर इस अवधि में 10 रुपये से बढ़कर 250 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। पिछले एक महीने में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में करीब 22 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 350.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 143.70 रुपये है।

1 लाख रुपये के बना दिए 24 लाख रुपये- अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 20 मार्च 2020 को 10.50 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 28 मार्च 2025 को 258.55 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले पांच साल में कंपनी के शेयरों में 2362 पर्सेंट की तेजी आई है। अगर किसी व्यक्ति ने 20 मार्च 2020 को रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की मौजूदा वैल्यू 24.62 लाख रुपये होती। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का मार्केट कैप भी 10,200 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

99 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए थे रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर- रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में पिछले सालों में तेज गिरावट आई। अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर 11 जनवरी 2008 को 2486.05 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट से ज्यादा टूटकर 20 मार्च 2020 को 10.50 रुपये पर जा पहुंचे। हालांकि, इस लेवल तक गिरने के बाद कंपनी के शेयरों में अच्छी रिकवरी देखने को मिली है।

चार साल में 577 प्रतिशत चढ़े हैं रिलायंस इंफ्रा के शेयर

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर पिछले चार साल में 577 पर्सेंट उछल गए हैं। अनिल अंबानी की इस कंपनी के शेयर 1 अप्रैल 2021 को 38.15 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 28 मार्च 2025 को 258.55 रुपये पर बंद हुए हैं। वहीं, पिछले तीन साल में कंपनी के शेयरों में 110 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। दो साल में कंपनी के शेयर करीब 80 पर्सेंट उछल गए हैं।

24वीं बार कंपनी दे रही है डिविडेंड, रिकॉर्ड डेट 2 अप्रैल को, हर शेयर पर 25 रुपये का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल कई कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। इन कंपनियों की लिस्ट में एडीसी इंडिया कम्युनिकेशंस लिमिटेड भी शामिल है। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 25 रुपये का अंतरिम डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया जाना है।

हर शेयर पर 25 रुपये का फायदा- एक्सचेंज को दी जानकारी म`एडीसी इंडिया कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने कहा है कि हर एक शेयर पर 25 रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 2 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। अगर आपको डिविडेंड का लाभ लेना है तो कल यानी 1 अप्रैल को कंपनी के शेयर खरीद लेने होंगे। बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी के शेयर इससे पहले 23 बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड कर चुके हैं। एडीसी इंडिया कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने पहली बार अपने निवेशकों को 30 मार्च 2001 को डिविडेंड दिया था। आखिरी बार 2 अगस्त को कंपनी एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब योग्य निवेशकों को हर शेयर पर 5 रुपये का डिविडेंड और 25 रुपये का स्पेशल डिविडेंड दिया गया था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है?

शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ बीएसई में 1386.20 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 18 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक महीने में इस स्टॉक ने पोजीशनल निवेशकों को 45 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बीच में कई महीने ऐसे आए जब निवेशकों को भारी बिकवाली का दौर देखने को मिला है। वहीं, एक साल में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 56 प्रतिशत की तेजी आई है।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 31-03-2025 22:11 Page 1

हाईटेक होगा पुलिस विभाग

- अनुसंधानकर्ताओं को मिलेंगे स्मार्ट फोन
- संकलन करना होगा डिजिटल साक्ष्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। झारखंड पुलिस हाईटेक होने जा रही है। झारखंड सरकार के गृह विभाग ने आदेश जारी किया है। जिला स्तर पर पहल शुरू हो चुकी है। केस के सभी अनुसंधानकर्ताअं को स्मार्ट फोन देने की योजना है। स्मार्ट फोन नई तकनीक से लैस होगी।

एक जुलाई 2024 से प्रभावी बीएनएसएस 2023 के प्रविधान के अनुसार सभी अनुसंधानकर्ता इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से साक्ष्य का संकलन करेंगे। इसमें वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी शामिल है।

स्मार्ट फोन उपयोग करने वाले अनुसंधानकर्ताओं को सरकार की ओर से डेटा के लिए 500 रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा। राज्य सरकार से आवंटन प्राप्त होने पर सभी जिला को पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्धारित राशि आवंटन किया जाएगा।

अनुसंधानकर्ताओं को 25 हजार रुपये तक का स्मार्ट फोन लेना आवश्यक है। अनुसंधानकर्ता मोबाइल फोन क्रय करने से संबंधित विपत्र या रसीद की छायाप्रति रखेंगे, ताकि चार वर्ष के बाद नया या दूसरा मोबाइल लेने के पश्चात राशि की क्षतिपूर्ति के समय उसे संलग्न किया जा सके।

अनुसंधानकर्ता यदि निर्धारित राशि 25 हजार से अधिक मूल्य का मोबाइल फोन खरीदते हैं तो भी उन्हें 25 हजार की ही प्रतिपूर्ति मान्य होगी। शेष राशि का भुगतान उन्हें स्वयं करना होगा।

अगर 25 हजार से कम कीमत का मोबाइल खरीदते हैं तो उनके द्वारा भुगतान की गई वास्तविक राशि की प्रतिपूर्ति ही मान्य होगी। मोबाइल फोन का रख-रखाव, सुरक्षा एवं डाटा की गोपनीयता अनुसंधानकर्ता की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी।

साथ ही यह ध्यान रखेंगे कि अविश्वसनीय इंटरनेट साइट्स को उक्त मोबाइल फोन से कदापि एक्सेस नहीं करेंगे। मोबाइल फोन की तकनीकी आयु चार वर्ष होगी। चार वर्ष के बाद अनुसंधानकर्ता उक्त मोबाइल फोन को जिला संपत्ति शाखा में जमा कर प्रमाण पत्र लेंगे।

राज्य सरकार ने निर्देश जारी किया है कि केस के सभी अनुसंधानकताओं को मोबाइल लेना अनिवार्य है। इससे एक ओर जहां डिजिटल इंडिया को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर पुलिस का काम आसान हो जाएगा। कागजी प्रक्रिया से काफी हद तक मुक्ति मिलेगी।

कुख्यात अनुज कनौजिया की डायरी बरामद

♦कई रहस्यों से उठेगा पर्दा ♦भूमिहार मेंशन का मालिक फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के अमलतास सिटी स्थित भूमिहार मेंशन में यूपी के कुख्यात अपराधी अनुज कनौजिया के छिपने से लेकर उसके मारे जाने तक की पूरी कहानी अब धीरे-धीरे सामने आ रही है। पुलिस द्वारा की गई छापामारी में ऐसी कई अहम जानकारियां मिली हैं, जो इस पूरे अपराध तंत्र की परतें खोलने के लिए काफी हैं।

इस छापामारी के दौरान पुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें पांच-छह सफेदपोशों और राजनीतिक दलों के कुछ प्रभावशाली नेताओं के नाम दर्ज हैं। इसके अलावा, बड़ी संख्या में जमीन के दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। जहां एक ओर पुलिस इस पूरे मामले की तह तक जाने के लिए दिन-रात एक कर रही है।

वहीं भूमिहार मेंशन का मालिक शशि शेखर उर्फ चिंटू सिंह, जो मानगो के डिमना रोड का निवासी है और पेशे से जमीन का कारोबार करता है, घटना के बाद से फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापामारी कर रही है। इस बीच, मुठभेड़ में मारे गए अनुज कनौजिया के कार चालक को हिरासत में लिया गया है, जिससे पूछताछ जारी है।

पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि अनुज को जमशेदपुर में छिपने की जगह किसने दिलवाई थी।

भूमिहार मेंशन की चाबी किसके पास थी, उसे यह चाबी किसने उपलब्ध कराई थी। वहां कौन-कौन लोग आते-जाते थे। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि मुख्तार अंसारी गैंग के इस शूटर को यहां पनाह देने वालों की भूमिका क्या थी।

इस पूरे मामले में पुलिस पर हमले का मामला भी दर्ज किया गया है। गोविंदपुर थाने में यूपी एसटीएफ के अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह की शिकायत पर अनुज कन्नौजिया और उसके पांच अज्ञात साथियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मुठभेड़ स्थल से पुलिस को भारी मात्रा में हथियार और संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। घटनास्थल से एक ऑटोमेटिक पिस्टल, एक देसी कट्टा, दो सूतली बम, 21 पिलेट और नौ कारतूस बरामद किए गए हैं। इसके अलावा, वहां से 26 से अधिक खोखे मिले हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि मुठभेड़ के दौरान करीब 30 राउंड गोलियां चली थीं।

पुलिस ने अनुज के कमरे से आधार कार्ड भी बरामद किया है, जो जमशेदपुर में बना हुआ है। पुलिस को संदेह है कि यह आधार कार्ड फर्जी हो सकता है, जिसे किसी जाली पहचान पत्र गिरोह की मदद से बनवाया गया था।

इसके अलावा, पुलिस द्वारा बरामद दो बमों को बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया। जांच के दौरान यह भी संदेह जताया जा रहा है कि बरामद ऑटोमेटिक पिस्टल किसी पुलिसकर्मी से लूटी गई थी।

जिले के 79 शराब दुकानों के संचालन पर संशय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। राज्य सरकार ने शराब बिक्री पर नई उत्पाद नीति को अमली जामा पहनाने से पहले आगामी एक अप्रैल से शराब दुकानों का संचालन झारखंड राज्य बिवरेजेज कापोर्रेशन लि.से कराने का निर्णय लिया है। अब इस निर्णय के विभाग द्वारा एजेंसी से दुकानों का हैंड ओवर लेने का काम भी तेजी से आरंभ कर दिया गया।

वहीं, दूसरी ओर एक अप्रैल से जिले के सभी 79 अंग्रेजी, देशी और कंपोजिट दुकानों के संचालन पर संशय व्यक्त किया जा रहा है। दरअसल, सभी शराब दुकानों में एजेंसी का मैन पावर काम कर रहा है।

अब जेएसबीसीएल चाह कर भी इतने बड़े पैमाने पर अपने स्तर से कर्मियों की बहाली नहीं कर सकती है। इसे लेकर विभाग पुराने व मंझे हुए कर्मियों के माध्यम से दुकानों का संचालन करने पर विचार कर रही है।

इस संबंध में पूछे जाने पर उत्पाद अधीक्षक बताते है कि सिर्फ नियोजनालय से निबंधित कर्मियों की सेवाएं लिया जाना है। बता दें कि एक दुकान में तीन सैल्स मैन कार्य कर रहे हैं। इस स्थिति में विभाग को कम से कम 227 कर्मियों की जरूरत पड़ेगी। अब वर्तमान में कार्यरत कर्मियों में 150 से अधिक कर्मियों का नियोजनालय में निबंधन नहीं है।

इस स्थिति में एक साथ 79 दुकानों का संचालन मुश्किल लग रहा है। यह अलग बात है कि विभाग द्वारा पूर्व के एजेंसी द्वारा बहाल कर्मियों से दुकानों का संचालन करा लें। इस स्थिति में पलामू जिले में एक बार फिर ओवर रेंटिग का खेल शुरू हो सकता है।

दो दारोगा के बूते चल रहे जिले में ओवर रेटिंग पर नियंत्रण उत्पाद विभाग के लिए बड़ी चुनौती होगी। कुल मिलाकर सभी दुकानों का संचालन नहीं किए जाने पर विभाग को राजस्व नुकसान तय माना जा रहा है।

शराब दुकानों में मैन पावर सप्लाई करने वाली केएस कंपनी के कर्मियों को पिछले आठ माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। यह अलग बात है कि ओवर रेटिंग के वसूली गई राशि से इनका काम चलता रहा है।

दूसरी ओर विभागीय सूत्रों के अनुसार कंपनी ने शराब बिक्री का करीब चार करोड़ रुपए विभाग के खाते में जमा नहीं किए है। इस स्थिति में 31 मार्च के बाद कंपनी से इतनी बड़ी राशि की वसूली विभाग के लिए एक मुश्किल काम होगा। आंकड़ों में दिखाई गई बिक्री में कमी 31 मार्च से जिले से अपना बारिया बिस्तर बांधने की तैयारी पर लगी कंपनी ने शराब की बिक्री की राशि में एक अलग तरह का खेला कर दिया।

सहायक शिक्षक ने डीईओ पर लगाये गंभीर आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। पीएमश्री विद्यालयों में गतिविधियां संचालित करने को लेकर मार्च के अंतिम सप्ताह में आनन-फानन में दो करोड़ रुपये की राशि खर्च करने के लिए शिक्षकों पर दिए जा रहे दबाव के बीच एक नया प्रकरण प्रकाश में आया है।

चक्रधरपुर अनुमंडल के पीएमश्री प्लस टू उच्च विद्यालय रोलाडीह के सहायक शिक्षक अजय कुमार महतो ने जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज टोप्पो पर गंभीर आरोप लगाते हुए उपायुक्त कुलदीप चौधरी से लिखित शिकायत की है।

शिकायतकर्ता शिक्षक अजय कुमार महतो ने जिला शिक्षा पदाधिकारी पर मारपीट और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि 27 मार्च को चाईबासा में पीएमश्री प्लस 2 जिला उच्च विद्यालय में जिला शिक्षा पदाधिकारी की ओर से जिलास्तरीय सभी पीएमश्री विद्यालयों का सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।

इस कार्यक्रम में हमारे विद्यालय के बच्चों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात मैं और हमारे प्रधानाध्यापक जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में कक्षा-9 एवं कक्षा-10 का प्रैक्टिकल मार्क्स जमा करने के लिए गये थे।

इसी दौरान हमारे प्रधानाध्यापक को पीएमश्री स्कूल के लिए बिल वाउचर प्रदान किया जा रहा था। हमारे प्रधानाध्यापक ने बिल वाउचर ले लिए और कक्षा-9 एवं कक्षा-10 का प्रैक्टिकल मार्क्स की फाइल जमा करने के लिए लिपिक के पास गये थे। परन्तु उन्होंने जैक कार्यालय का आदेश प्राप्त नहीं होने के कारण जमा नहीं लिया। इसके तुरंत बाद लिपिक जितेन बांकुड़ा ने फोन कर डीईओ सर का बुलावा कहकर शाम 5:18 बजे मुझे कार्यालय बुलाया। थोड़ी देर बाद डीईओ अपने कार्यालय कक्ष पहुंचे तो लिपिक ने डीईओ कक्ष में जाने को कहा।

कार्यालय में घुसते ही डीईओ ने मुझे अपशब्द कहना शुरू कर दिया और अपनी कुर्सी से उठकर दरवाजा के पास आकर मेरे गाल पर जोर से एक तमाचा मारा, जिससे मेरा चश्मा नीचे गिर गया और टूट गया। उसके बाद से मेरी मानसिक स्थिति ठीक नही है।

कनौजिया के मारे जाने के बाद अमलतास सिटी में पसरा सन्नाटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। उत्तर प्रदेश एसटीएफ और झारखंड पुलिस द्वारा किए गए संयुक्त ऑपरेशन में कुख्यात अपराधी अनुज कनौजिया के मारे जाने के बाद अमलतास सिटी में सन्नाटा पसरा है। पुलिस अब जमीन माफिया चिंटू उर्फ शशि शेखर पर भी शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है। चिंटू ने ही अनुज को शरण दी थी।

अनुज पिछले दो महीने से गोविंदपुर थाना क्षेत्र के अमलतास सिटी में जमीन माफिया चिंटू उर्फ शशि शेखर के आउटहाउस में छिपा था। मुठभेड़ स्थल से बम भी बरामद हुआ, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी। आइए इस पूरी घटना के बारे में विस्तार से जानते हैं।

मुख्तार अंसारी के शूटर अनुज कनौजिया की पुलिस से मुठभेड़ कैसे और कब शुरू हुई?

मुठभेड़ में अनुज के ढेर हो जाने के बाद उसका शव कहां गया, कौन ले गया?

गोविंदपुर थाना क्षेत्र में अमलतास सिटी के 20 कट्ठा के विशाल भूखंड पर बने आउटहाउस में अनुज कनौजिया ने शरण ली थी। चारों ओर 10 फीट ऊंची चहारदीवारी और उस पर लगे सीसीटीवी कैमरों से घिरा यह ठिकाना किसी किले से कम नहीं था।

स्थानीय जमीन माफिया चिंटू उर्फ शशि शेखर का यह अड्डा देर रात तक शराबखोरी और अय्याशी का गढ़ बना हुआ था। पड़ोसियों का कहना है कि चारदीवारी के बाहर शराब की बोतलों का ढेर और शोर-शराबा आम बात थी। कई बार गोविंदपुर थाने में शिकायत की गई, पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

शनिवार रात करीब 10:30 बजे यूपी और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने इस ठिकाने को चुपचाप घेर लिया। अनुज के ड्राइवर को पहले ही हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस ने उसे दरवाजा खटखटाने और अनुज को बाहर आने के लिए मनाने को कहा।

ड्राइवर ने आग्रह किया, ₹दरवाजा खोल दो, पुलिस कुछ नहीं करेगी,₹ लेकिन अनुज ने न सिर्फ दरवाजा खोलने से इनकार किया, बल्कि पुलिस को ललकारते हुए गोलियां बरसानी शुरू कर दीं।

अनुज ने चहारदीवारी पर लगे सीसीटीवी कैमरों का सहारा लेकर अपनी स्थिति बदल-बदलकर पुलिस को चकमा देने की कोशिश की। लेकिन जब पुलिस को उसकी चाल का पता चला, तो जवानों ने सभी कैमरों को तोड़ डाला। इसके बाद चारदीवारी पर चढ़कर ताबड़तोड़ जवाबी फायरिंग शुरू की गई।

इस बीच यूपी एसटीएफ के डीएसपी डीके शशि की बांह में गोली लगी। साथी जवानों ने उन्हें फायरिंग के बीच से निकालकर तुरंत टाटा मेन हास्पिटल (टीएमएच) पहुंचाया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

अपनी व्यथा सुनाते अमलतास सिटी के स्थानीय निवासी। पड़ोसियों में दहशत, माफिया पर सवाल

बच्चों को तीन भाषाएं सीखने पर दिया गया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में बच्चों के तीन भाषाएं सीखने पर जोर दिया गया है, जिनमें दो भाषाएं अनिवार्य रूप से भारतीय होंगी। देश के अधिसंख्य स्कूलों में बच्चों को तीन भाषाएं सिखाई भी जाती हैं। देश के 61.6 प्रतिशत स्कूलों में बच्चों को तीन भाषाओं की पढ़ाई होती है। हालांकि, झारखंड में ऐसे स्कूलों की संख्या 39 प्रतिशत ही है। इनमें सरकारी एवं गैर सरकारी द्वारा श्रेणी के स्कूल सम्मिलित हैं। लोकसभा में कनिमोझी करुणानिधि के एक सवाल पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने यह जानकारी दी है। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने यूडायस प्लस-2023-24 की रिपोर्ट के आधार पर बताया कि झारखंड के 19 प्रतिशत स्कूलों में एक भाषा तथा 42 प्रतिशत स्कूलों में बच्चों को दो भाषा सिखाई जाती है। पूरे देश में ऐसे स्कूलों की संख्या क्रमशः 10.1 तथा 28.3 प्रतिशत ही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

हालांकि, केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा यह जानकारी नहीं दी गई है कि तीन भाषाओं में कहां किन-किन भाषाओं की पढ़ाई होती है। यूडायस प्लस की रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख नहीं है। वैसे माना जा रहा है कि झारखंड में हिन्दी, अंग्रेजी के अलावा क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई होती है।

कुछ निजी स्कूलों में अंग्रेजी के अलावा अन्य विदेशी भाषाएं भी सिखाई जाती हैं। बताते चलें कि दक्षिणी राज्य इस आधार पर तीन भाषाओं के फामूर्ले का विरोध करते हैं कि उ नपर हिंदी भाषा थोपी जा रही है।

हालांकि, दक्षिणी राज्यों में तीन भाषाओं के फामूर्ले को लागू करने में भिन्नता है। जैसे, तमिलनाडु में महज 3.2 प्रतिशत स्कूलों में तीन भाषाओं की पढ़ाई होती है, वहीं कर्नाटक में ऐसे स्कूलों की संख्या 76.4 प्रतिशत है।

झारखण्ड के14 राजनीतिक दलों को असूचीबद्ध करने की पहल तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य में कुछ ऐसे पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं, जिनका कोई संपर्क सूत्र है ही नहीं, जिसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग उनसे कोई संपर्क स्थापित ही नहीं कर पा रहा है।

अब इन्हें असूचिबद्ध करने की पहल की जा रही है। ऐसे 14 राजनीतिक दलों की सूची बनायी गई है जिसके बारे में भारत निर्वाचन आयोग को जानकारी दी गई है।

बताया गया है कि इन दलों के द्वारा पंजीकृत पता उपयोग में है ही नहीं, साथ ही ऐसे राजनीतिक दल नियमानुसार कार्यरत भी नहीं हैं।

इन पार्टियों तक न तो निर्वाचन से संबंधित जानकारियां व भारत निर्वाचन आयोग का दिशा-निर्देश पहुंच पा रहा हैं और न ही इनके सुझाव निर्वाचन कार्यालय तक पहुंच पाते हैं।

मालूम हो कि पहले भी वर्ष 2022 में इस प्रकार से निष्क्रिय पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन के उचित प्रावधानों के तहत असूचीबद्ध करने का भी कार्य किया जा चुका है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने तीन दिन पहले ही निर्वाचन संबंधी विषयों पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर कई दिशा-निर्देश दिए थे।

उसमें प्रविधानों के अनुसार मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के सुझावों को लागू करने का काम करने की बात कही गई थी।

उन्होंने राजनीतिक दलों के जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे बूथ लेवल एजेंट के चुनाव संबंधी ज्ञान संवर्धन और उनके द्वारा बीएलओ के कार्य में सहयोग की अपेक्षा की थी।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल

बूथवार अपने बूथ लेवल एजेंट अवश्य नियुक्त करें। कुछ राजनीतिक दलों के अनुपस्थित रहने से उनके पास न तो सूचना गई और न ही इसका कोई जवाब आया, जबकि इनके संपर्क सूत्र मिले ही नहीं।

ये जो निबंधित पार्टियां हैं उनसे कोई संपर्क स्थापित नहीं किया जा पा रहा है। न ही इनकी कोई रिपोर्ट सामने आ रही है। ऐसे में अब भारत निर्वाचन आयोग ही इन पार्टियों पर फैसला लेगी। जो भी निर्णय होगा कमिशन के द्वारा ही लिया जाएगा।

महंगाई भत्ते में 0.7 प्रतिशत की कटौती आज से प्रभावी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सेल में काम करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 0.7 प्रतिशत की कटौती की गई है। नई दर एक अप्रैल 2025 से प्रभावी होगी। इससे बोकारो इस्पात संयंत्र समेत अन्य इकाइयों के लगभग 56 हजार संयंत्रकर्मियों के वेतन पर असर पड़ेगा। महंगाई भत्ते में कटौती के साथ कामगारों का डीए 49.6 से घटकर 48.9 प्रतिशत हो जाएगा।

इसकी जानकारी उन्हें अगले माह की वेतनपर्ची से प्राप्त हो सकेगी। लेबर ब्यूरो बाजार की स्थिति को देख कर सेल कर्मियों के डीए में बढ़ोतरी व कटौती करती है।

इस तिमाही खुदरा बाजार में खाद्य पदार्थ समेत अन्य दैनिक वस्तुओं की मूल्य में कमी के कारण भत्ते को घटाया जा रहा है। इससे पहले एक जनवरी 2024 को डीए में 0.1 प्रतिशत कटौती की गई थी।

एक जनवरी 2025 को उनके अंतिम महंगाई भत्ता में 1.9 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। इसके बाद उनका डीए 47.7 से बढ़कर 49.6 प्रतिशत पर आ गया था।

महारत्न कंपनी सेल में कामगारों का अंतिम वेतन समझौता पांच के बजाए 10 साल की अवधि पर करने के साथ डीए को समायोजित कर दिया गया है।

इससे भत्ता में बढ़ोतरी व कटौती का प्रभाव अधिशासी व अनाधिशासी दोनों की जेब पर अब एक समान होगा।बोकारो स्टील प्लांट में स्थित बीएसएल कैंटीन में सेल एससी एसटी इम्प्लाईज फेडरेशन, बोकारो यूनिट की विभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आनंद कुमार रजक ने की, जबकि संचालन मुकेश कुमार पासवान ने किया। इस बैठक में स्टील मेल्टिंग शाप के कर्मियों की समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रस्ताव पर एसएमएस-न्यू विभाग की विभागीय समिति का पुनर्गठन किया गया।

नवगठित विभागीय समिति में सर्वसम्मति से ओलिवर सुरिन को अध्यक्ष, अजित कुमार और आकाशदीप तिर्की को उपाध्यक्ष, जीवन दास को सचिव, रामशरण कुमार को सयुक्त सचिव चुने गये।

बैठक में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को मिला 100 दिनों का टास्क

- सीधे सीनियर्स से जुड़ेंगे आम कार्यकर्ता
- पार्टी ने पांच वर्षों का किया रोड मैप तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

***रांची।** प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू छह दिनों तक झारखंड में विभिन्न स्तरों पर पार्टी पदाधिकारियों और नेताओं के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को अगले सौ दिनों के लिए कार्य आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि तमाम नेताओं को प्रदेश कमेटी में अपनी दावेदारी करने के लिए आमंत्रित किया गया है।इनके आवेदनों के आधार पर कमेटी का गठन होगा। अप्रैल मध्य तक झारखंड कांग्रेस एप सभी कार्यकताओं के मोबाइल में इंस्टाल हो जाएगा। इसके माध्यम से आम कार्यकर्ता सीधे सीनियर्स के साथ जुड़ा रहेगा।*

इस एप के माध्यम से कार्यकर्ताओं को कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी तो सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया जाएगा। इसके माध्यम से कार्यकताओं की शिकायतें और सुझाव सीनियर लीडर्स तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस संगठन को गांव स्तर से प्रदेश स्तर तक मजबूत करना है। सिर्फ संगठन से पार्टी नहीं बनेगी, कुछ एक्टिविटी भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल तक पार्टी नेता-कार्यकर्ता कैसे काम करेंगे इसका रोडमैप तैयार किया गया है। राजनीतिक दल सिर्फ चुनाव लड़ने के लिए नहीं, बल्कि लोगों के इश्यू पर काम करने के भी होते हैं।

उन्होंने कहा कि बोर्ड निगम और पंचायती राज संस्थाओं के बारे में विस्तार से मुख्यमंत्री के साथ चर्चा हुई। सीएम ने इस मुद्दे पर स्पष्ट संकेत दिए और भागीदारी को लेकर भी चर्चा हुई। तमाम लंबित मामलों का हल करने के लिए सीएम सक्रिय है।

उन्होंने मुख्यमंत्री को अनुसूचित जाति परामर्शदाता परिषद के गठन को लेकर बधाई दी। के. राजू ने कहा कि देश में पहली बार कोई राज्य ऐसा काम करने जा रहा है। के. राजू ने कहा कि पेसा नियमावली के लिए कांग्रेस पार्टी सक्रिय है और सभी प्रकार के संगठन प्रेस कान्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, सुबोधकांत सहाय, राकेश सिन्हा, सतीश पाल मुंजनी समेत अन्य मौजूद थे। आदिवासी समाज में मनाया जाने वाला सरहुल पर्व भारत वर्ष में पर्यावरण, जंगल, पहाड़ और पानी को संरक्षित करने का संदेश देता है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि यह पर्व हमें प्रकृति से प्रेम करना सिखाता है।कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के द्वारा बनहौरा में सरहुल के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद प्रदेश प्रभारी के. राजू ने कहा कि जिस समाज में प्रकृति की पूजा की जाती है, वह निश्चित रूप से संवेदनशील समाज होता है।

प्रकृति पूजक आदिवासी समाज पर्यावरणीय संतुलन को बरकरार रखने, जंगलों की रक्षा के लिए कृत संकल्प होता है। सरहुल के संदेश से पूरे विश्व को सीखने की आवश्यकता है। आज पूरे विश्व में वनों को बचाने और उनके क्षेत्रफल बढ़ाने पर चर्चा की जा रही है। झारखंड में इस दिशा में काफी प्रयास जारी है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, सतीश पाल मुंजनी, शांतनु मिश्रा, अजय नाथ शाहदेव, रियाज अंसारी आदि उपस्थित थे।

पर समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वसंसेवक संघ के प्रांत शारीरिक प्रमुख कुणाल कुमार ने आरएसएस रांची महानगर की ओर से वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के फुटबाल मैदान में किया गया था।

राष्ट्रीय स्वसंसेवक संघ के प्रांत शारीरिक प्रमुख कुणाल कुमार ने कहा कि संघ आज समाज व्यापी बन चुका है। अपने शताब्दी वर्ष में इसे सर्वव्यापी बनाना है। हर गांव और मुहल्लों में संघ का काम प्रारंभ करना है।

उन्होंने कहा कि आज भी समाज में कट्टरपंथी इस्लाम, चर्च और मार्क्सवाद जैसी शक्तियां जाति, भाषा और प्रांत आदि के नाम पर विभेद पैदा करना चाहती है। ऐसे लोग छद्म युद्ध जारी रखे हुए हैं। वैसे लोगों से समाज को सजग भी करना है और सामाजिक सद्भाव बनाए रखते हुए आगे बढ़ना है।

उन्होंने कहा कि संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जिस उद्देश्य को लेकर आरएसएस की स्थापना की वह पूरा होता दिखाई दे रहा है, परंतु उसके लिए हम सभी लोगों को और तेजी से काम करने की जरुरत है। जो जिस क्षेत्र में लगे हैं, उस क्षेत्र में ही समाज को सशक्त बनाने का काम करें।

उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने भारत के नवोत्थान के लिए जिन बातों को ध्यान में रखकर संघ की स्थापना की, वह समाज में दिख रहा है। उस समय भी समाज को एकजुट होने का आह्वान किया था और वह विषय आज भी मौजूद है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी कहा था कि आपस में मिलकर नहीं रहे तो संविधान भी आपको सुरक्षित नहीं रख सकता है। इसलिए आज सामाजिक एकता बनाए रखने की जरुरत है।

संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच प्रण को लेकर समाज में जाने का निर्णय लिया है। यह है सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वयं का बोध एवं नागरिक कर्तव्य।

शारीरिक प्रमुख ने कहा कि संघ के छह प्रमुख उत्सवों में से एक वर्ष प्रतिपदा उत्सव भी है।

पाकिस्तान को लगा झटका, न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच से बाहर हुआ बड़ा खिलाड़ी

हेमिल्टन (एजेंसी)। पाकिस्तान के बल्लेबाज उस्मान खान चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच से बाहर हो गये है। पाकिस्तान क्रिकेट बोड (पीसीबी) की ओर से जारी बयान के अनुसार सलामी बल्लेबाज उस्मान खान नेपियर के मैक्लीन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए चोटिल हो गए थे।

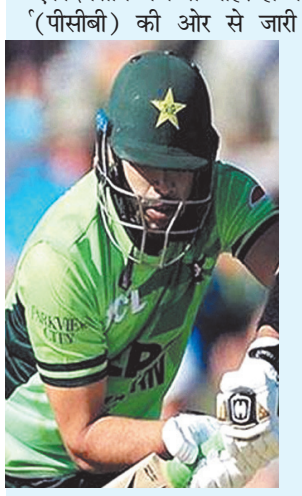

एमआरआई स्कैन में हल्की चोट की पुष्टि हुई है जिसके कारण वह दो अप्रैल को हैमिल्टन के सेडन पार्क में होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। उस्मान पहले एकदिवसीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें टी-20 सीरीज के बाद पाकिस्तान की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने पहले एकदिवसीय पदार्पण मैच में 33 गेंदों पर 39 रन बनाये थे। हेमिल्टन में बुधवार को दूसरा एकदिवसीय मैच खेला जाएगा।

पहले मैच में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा था जिस कारण पाकिस्तान को सीरीज में बने रहने के लिए दूसरा वनडे जीतना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं होता तो पाकिस्तान टीम एक बार फिर निशाने पर होगी क्योंकि न्यूजीलैंड दौरे के दौरान पाकिस्तान को टी20 सीरीज में 1-4 से हार मिली थी।

सारा अली खान के हॉट वीडियो ढूंढने वाला ये क्रिकेटर फिर हुआ ट्रोल!

गुवाहाटी (एजेंसी)। आईपीएल 2024 सीजन से पहले शुरू हुए एक विवाद के कारण सारा अली खान के कारण सोशल मीडिया पर रियान पराग फिर से ट्रोल हो रहे हैं। एक लाइवस्ट्रीम के दौरान अनजाने में पराग की यूट्यूब सर्च हिस्ट्री दिख गई थी जिसमें उन्होंने सारा अली खान और अनन्या पांडे की हॉट वीडियोज ढूंढी थी। यह घटना क्रिकेट फैंस ने देखी और वायरल कर दिया। इस कारण पराग को ट्रोलिंग और मीम्स का सामना करना पड़ा। पराग पहले तो चुप रहे लेकिन बाद में जब पानी सिर के ऊपर से गुजर गया तो उन्होंने कहा कि वह किसी और व्यक्ति का लेपटॉप इस्तेमाल कर रहे थे। मामले को बिना मतलब बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।

इसी बीच आईपीएल 2025 के तहत गुवाहाटी के मैदान पर चेन्नई बनाम राजस्थान मैच से पहले रंगारंग सेरेमनी करवाई गई। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान परफार्म करने पहुंची। गुवाहाटी पराग का घरेलू मैदान है। ऐसे में सारा जब यहां आई तो पराग की ट्रोलिंग शुरू हो गई। फैंस ने उनपर जमकर मीम्स और चुटकुले चलाए। मैच में रियान का प्रदर्शन भी स्तरीय रहा। वह राजस्थान के लिए पहले तीन मैचों के लिए कप्तान थे और चेन्नई के ऊपर ऐतिहासिक जीत में उन्होंने दर्ज की। मैच के दौरान भी वह प्रभावी रहे। उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों पर 37 रन तो बनाए ही साथ ही साथ फील्डिंग करते हुए शिवम दुबे का शानदार कैच भी पकड़ा जिससे पूरा मैच पलट गया। पराग की अच्छी परफार्मेंस का सोशल मीडिया यूजर्स ने सारा की मौजूदगी को ही जिम्मेदार माना।

नीतीश राजस्थान के लिए पावरप्ले में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज, 21 गेंदों में जड़ा पचासा

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान की शुरुआत इस मैच में झटके के साथ हुई थी। खलील अहमद ने पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल (4) को अश्विन के हाथों कैच कराया। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए नीतीश राणा आए। उन्होंने संजू सैमसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी की और पावरप्ले में राजस्थान का स्कोर 80 रन के करीब पहुंचाया। राजस्थान रॉयल्स के स्टार बल्लेबाज नीतीश राणा शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने महज 21 गेंदों में करियर का 19वां अर्धशतक जड़कर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजों को परेशान किया। हालांकि, धोनी ने उन्हें स्टंप आउट कर दिया। बता दें कि, आईपीएल 2025 का 11वां मुकाबला राजस्थान और चेन्नई के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

पावरप्ले में राजस्थान रॉयल्स के लिए सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज

रन	बल्लेबाज	विपक्षी टीम	स्थान	वर्ष
66*	जोस बटलर	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली	2018
62*	यशस्वी जायसवाल	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता	2023
58	नीतीश राणा	चेन्नई सुपर किंग्स	गुवाहाटी	2025*
54	जोस बटलर	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद	2023
54	जोस बटलर	गुजरात टाइटंस	मुंबई	2022

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टीमें

रन/विकेट	टीम	स्थान	वर्ष
81/1	राजस्थान रॉयल्स	अबू धाबी	2021
80/1	लखनऊ सुपर जायंट्स	चेन्नई	2023
79/1	राजस्थान रॉयल्स	चेन्नई	2025*
78/0	मुंबई इंडियंस	मुंबई	2008

राजस्थान के लिए अपना तीसरा मुकाबला खेलने उतरे बाएं हाथ के बल्लेबाज नीतीश ने 36 गेंदों में 81 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 225 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 10 चौके और पांच छक्के लगाए। पावरप्ले में उन्होंने 58 रन बनाए। इसी के साथ वह राजस्थान के लिए पावरप्ले में तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। इस मामलें में शीर्ष पर जोस बटलर हैं, जिन्होंने 2018 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में 66* रन बनाए थे।

धोनी 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते :सीएसके के मुख्य कोच फ्लेमिंग

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए आईपीएल 2025 के 11वें मैच में हार का सामना करना पड़ा। रोमांचक मुकाबले में आखिरी ओवर में चेन्नई को जीत के लिए 20 रन चाहिए थे और महेंद्र सिंह धोनी आउट हो गए और उसी वक्त फैंस और टीम की उम्मीदें भी खत्म हो गई। मैच के बाद सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि महान भारतीय विकेटकीपर एमएस धोनी इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। धोनी ने पहले मैच में केवल दो गेंदों का सामना किया था जिसे चेन्नई ने जीता था, तथा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार में उन्होंने 16 गेंदों पर 30 रन बनाए थे, लेकिन वे असफल रहे थे। फ्लेमिंग ने कहा, %यह समय की बात है - एमएस इसका आकलन करते हैं। उनके घुटने पहले जैसे नहीं रहे। वे ठीक चल रहे हैं, लेकिन अभी भी उनमें कमजोरी है। वे पूरी ताकत से दौड़ते हुए 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते, इसलिए वे उस दिन यह आकलन करेंगे कि वे हमें क्या दे सकते हैं।

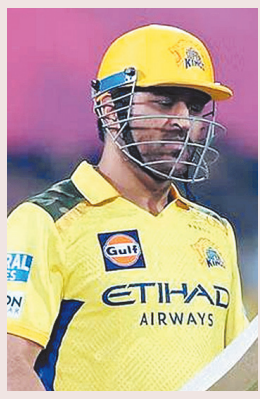

उन्होंने कहा, अगर खेल संतुलन में है, तो वह थोड़ा पहले चला जाएगा और जब अन्य अवसर सामने आएंगे तो वह अन्य खिलाड़ियों का समर्थन करेगा। यह संतुलन बनाने के बारे में है। मैंने पिछले साल कहा था कि वह बहुत मूल्यवान है और नेतृत्व के लिहाज से उसे 9 या 10 ओवर के बाद मैदान में उतारना उचित नहीं है - उसने ऐसा कभी नहीं किया। 13/14 के आसपास से वह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन टीम में है।

एथलीट पोते के साथ शुरू हुआ सफर, अब 93 की उम्र में देश के लिए जीतना चाहती हैं गोल्ड

बेंगलूर (एजेंसी)। आपने कई बार सुना होगा कि उम्र सिर्फ एक संख्या है, खास कर उन लोगों के लिए जिनके पास विजन है और कुछ कर दिखाने का जजबा है। एथलीट पानी देवी पर यह बातें सटीक बैठती हैं जिन्होंने बेंगलुरु में मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दौड़, डिस्कस थ्रो, गोला फेंक में 3 गोल्ड मेडल जीते हैं।

घुटने में चोट और 93 साल की उर्म उन्हें रोकने में बेअसर रही और 100 मीटर रेस 45 सेकंड में पूरी की। अब इंडोनेशिया में होने वाले टूर्नामेंट के लिए चुनी गई हैं। मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप उन पुरुष-महिलाओं के लिए होती है, जिनकी उम्र 35 साल से अधिक हैं। हालांकि इस प्रतियोगिता में 100 साल की उम्र तक के प्रतियोगी हिस्सा ले सकते हैं। अब उनकी नजर विश्व मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने पर हैं। पानी देवी का सफर दो साल अपने एथलीट पोते जयकिशन गोदारा के साथ ग्राउंड से शुरू हुआ जहां वहां दिव्यांग बच्चों को खेलते देख सोचती हैं कि मैं भी कर सकती हूं। पोते ने दौड़ने के लिए कहा और पानी देवी 400 मीटर का

चक्कर लगा दिया। रुचि बढ़ी तो रोज ग्राउंड पर जाना शुरू किया और शॉट पुट और डिस्कस थ्रो सीखा।

तीर्थ यात्रा के बहाने चैंपियनशिप हिस्सा लिया और तीन मैडल जीते - नवंबर 2023 में पानी देवी के पोते ने अलवर में स्टेट मास्टर्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेने को कहा। उन्होंने समाज के डर से पहले तो मैंने मना कर दिया लेकिन फिर उन्होंने हम तीर्थ यात्रा पर जाने की बात कहकर सफर शुरू कर दिया। मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पहली बार हिस्सा लिया और तीन गोल्ड जीते।

अब इंडोनेशिया की तैयारी -इसके बाद भी किसी को कुछ नहीं बताया और 2024 में पुणे में नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बिना किसी को बताया हिस्सा लिया और वहां भी तीन गोल्ड जीते। इस बार पोते ने फेसबुक पर पोस्ट डाल दी और इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए स्वीडन जाने का मौका मिला, लेकिन अधिक खर्च के कारण नहीं जा पाई। पिछली बार विदेश यात्रा के लिए विधायक, खेल मंत्री तक गुहार लगाई। लेकिन मदद नहीं मिली। इस बार इंडोनेशिया जाना है। वहां भेजने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री, खेल मंत्री से लेकर पीएम को चि?ट्ठी लिखी है।

फिटनेस मंत्र भी समझे - पानी देवी का कहना है कि वह सुबह 4 से 5 बजे के बीच उठ जाती हैं और सुबह से रात तक व्यस्त रहती है। वह अपने सभी काम खुद करती हूं और शाम को युवा एथलीट्स के साथ प्रैक्टिस करती हैं।

शेन वॉर्न की मौत पर पुलिस अधिकारी का चौंकाने वाला खुलासा, हटा दी गई थी कामाग्रा ड्रग की बोतल

सिडनी (एजेंसी)। महान स्पिनर शेन वॉर्न की अप्रैल 2022 में कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने के बाद 52 साल की उम्र में मौत हो गई थी। अब ताजा रिपोर्ट में पुलिस अधिकारी ने वॉर्न की मौत पर खुलासा करते हुए कहा कि वॉर्न की मौत के बाद घटनास्थल पर कामाग्रा की एक बोतल मिली थी - यह दवा स्तंभन दोष से पीड़ित लोगों द्वारा प्रयोग की जाती है। इस दवा में वियाग्रा जैसे ही तत्व हैं, लेकिन कथित तौर पर इसका उपयोग हृदय संबंधी समस्याओं वाले लोगों द्वारा नहीं किया जाता।

नाम न बताने की शर्त पर एक पुलिस अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि कुछ वरिष्ठ लोगों ने उनसे घटनास्थल से दवा हटाने को कहा था क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि वॉर्न जैसी राष्ट्रीय हस्ती की मौत की खबर इस तरह से सामने आए। उन्होंने कहा, हमारे वरिष्ठों ने हमें बोतल हटाने का आदेश दिया था। ये आदेश ऊपर से आ रहे थे, और मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें शामिल थे क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उनके राष्ट्रीय व्यक्तित्व का अंत इस तरह हो। इसलिए, आधिकारिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था और इसके कारण के बारे में कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया। अधिकारी ने कहा, कोई भी कामाग्रा की पुष्टि करने के लिए आगे नहीं आएगा क्योंकि यह एक संवेदनशील विषय बना हुआ है। इस सबके पीछे कई शक्तिशाली लोगों का हाथ था। यह एक बोतल थी, लेकिन हमें नहीं पता कि उसने कितनी बोतल ली। घटनास्थल पर उल्टी और खून का एक गड्ढा भी था, लेकिन जैसा हमें बताया गया था, हमने कामाग्रा को साफ कर दिया।

भारत की प्रगनिका बनी विश्व अंडर 7 स्कूल शतरंज चैम्पियन

सर्बिया, (एजेंसी)। आखिर क्यूँ भारतीय शतरंज इस समय दुनिया की शतरंज का केंद्र बना हुआ है इसका जबाब है देश में मौजूद शानदार प्रतिभाओं का खजाना। सर्बिया में सम्पन्न हुई विश्व स्कूल शतरंज चैंपियनशिप में कुल 43 देशो से विभिन्न आयु वर्गो के 462 खिलाड़ियों नें प्रतिभागिता की । भारत से इस प्रतियोगिता में 22 खिलाड़ियों के दल नें भाग लिया और एक स्वर्ण और दो रजत पदक अपने नाम किए । भारत की सात वर्षीय खिलाड़ी प्रागनिका वाका लक्ष्मी नें 9 राउंड में से सभी नौ राउंड जीतकर अंडर 7 बालिका वर्ग का विश्व स्कूल खिताब अपने नाम किया । प्रागनिका नें अपनी नजदीकी प्रतिद्वंदीयों से दो अंक की बढ़त के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया । 7 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर उज्बेकिस्तान की मोहिनूर अजम्खुजेवा दूसरे और न्यूज़ीलैंड की जिंतियान वेरा तीसरे स्थान पर रही ।

बालक अंडर 7 वर्ग में भारत के ओम गोट्टमुकला नें 7.5 अंक बनाकर रजत पदज जीता ,9 अंक बनाकर कज़ाकिस्तान के अब्दुल मालिक स्वर्ण और रूस के ऑस्कर फटख्लिसलमोव 6.5 अंक बनाकर कांस्य पदक जीतने में कामयाब रहे । बालिका वर्ग में भारत को एक और पदक मिला अंडर 11 बालिका वर्ग में भारत की दिवि विजेश दुर्भाग्यशाली रही क्यूंकी पहले स्थान पर टाई होने पर टाईब्रेक के कारण 8 अंक बनाकर वह दूसरे तो इतने ही अंक बनाकर मंगोलिया की चिंजोरीग नंदिनजिगुर पहले स्थान पर रही और दिवि को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा जबकि मंगोलिया की ही मुंख आयलगु तीसरे स्थान पर रही ।

नितीश राणा की बल्लेबाजी पर केन विलियमसनयह शीर्ष स्तर की बेहतरीन पारी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने नितीश राणा की प्रशंसा करते हुए उनकी 36 गेंद में 81 रन की पारी को 'शीर्ष स्तर की बेहतरीन पारी' कहा और चेन्नई सुपरकिंग्स पर छह रन की जीत का श्रेय राजस्थान रॉयल्स के क्षेत्ररक्षण को भी दिया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नितीश ने आक्रामक पारी खेली जिससे रॉयल्स ने 9 विकेट पर 182 रन बनाए और फिर सुपरकिंग्स को छह विकेट पर 176 रन पर रोककर सत्र की पहली जीत दर्ज की।

वानिंदु हसरंगा के चार विकेट और कार्यवाहक कप्तान रियान पराग का शिवम दुबे का एक हाथ से शानदार कैच लपकने सहित टीम के बेहतरीन क्षेत्ररक्षण ने जीत में अहम भूमिका निभाई। सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के लिए खेल चुके

विलियमसन ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, 'नितीश स्पिन के खिलाफ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं लेकिन उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत तेज गेंदबाजी के खिलाफ की, गति का अच्छा इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा, 'शायद बाएं हाथ, दाएं हाथ के संयोजन के कारण वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। यह शीर्ष स्तर की एक बेहतरीन पारी थी। राजस्थान रॉयल्स के पास कई अन्य प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं, लेकिन आज नितीश मैच विजेता थे। इस तरह के मैच में जहां ऐसी विकेट पर गलती की गुंजाइश काफी कम थी वहां मेरा मानना ??है कि राजस्थान रॉयल्स के क्षेत्ररक्षण ने उन्हें जीत दिलाई।

सुपरकिंग्स को जब 12 गेंद पर 39 रन चाहिए थे तब महेंद्र सिंह धोनी (16) ने शॉर्ट थर्ड मैन पर एक चौका और तुषार देशपांडे की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर लंबा छक्का लगाया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। धोनी के तेज पर बात करते हुए विलियमसन ने कहा, 'सुपरकिंग्स विरोधी के मैदान पर खेल रहे थे, फिर भी अधिकतर दर्शक पीले रंग की पोशाक में थे, यह अविश्वसनीय था। हमने इसे पहले भी कई बार देखा है।

हसरंगा ने सीएसके के खिलाफ बनाया विशेष रिकॉर्ड, हरभजन-ब्रैड हॉग पहले से लिस्ट में शामिल

35 रन देकर 4 विकेट चटकाए

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के लेग ब्रेक स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 4 विकेट लेकर एक विशेष क्लब में प्रवेश किया और गुवाहाटी की सतह पर 183 रनों का पीछा करने की चेन्नई की कोशिश की कमर तोड़ दी। उन्होंने राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, शिवम दुबे और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को आउट करके सीएसके के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने चार ओवरों की अपनी पूरी गेंदबाजी कोटा समाप्त करते हुए 35 रन देकर 4 विकेट चटकाए और इस लुभावनी लीग में चेन्नई के खिलाफ 4 विकेट लेने वाले तीसरे स्पिनर बन गए।

पूर्व गेंदबाज हरभजन सिंह ने 2011

में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच बार की चैंपियन के खिलाफ 18 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे। ब्रैड हॉग इस क्लब में प्रवेश करने वाले दूसरे खिलाड़ी थे जिन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 29 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे। इसके अलावा रॉयल्स के लिए एस20 लॉकंस के लिए स्पिन करते हुए उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 4 से अधिक विकेट चटकाए थे। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज सोहेल तनवीर ने पहले संस्करण में जयपुर में 14 रन देकर 6 विकेट चटकाए थे।

हसरंगा जहां अपनी व्यक्तिगत और राजस्थान की सफलता का आनंद ले रहे थे, वहीं सीएसके को वास्तविकता का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक मानी जाने वाली चेन्नई ने आईपीएल 2021 के बाद से उन 9 मैचों में से प्रत्येक में हार का सामना किया है जिसमें उन्हें 175 से अधिक के लक्ष्य का पीछा किया। उन्होंने इनमें से सात मुकाबलों में टॉस जीता, जिसमें गुवाहाटी में राजस्थान के खिलाफ उनकी हार भी शामिल है।

राजस्थान के टॉस हारने के बाद नितीश राणा की 36 गेंदों पर 81 रनों की तूफानी पारी ने स्टेडियम में माहौल बनाया और रॉयल्स को 182/9 के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में चेन्नई को शुरू से ही संघर्ष करना पड़ा और आवश्यक रन गति को नियंत्रण में रखने में भी उन्हें संघर्ष करना पड़ा। अंततः यह मैच सीएसके की पहुंच से बाहर हो गया और उन्हें छह रन से हार का सामना करना पड़ा।

धोनी के आउट होने पर सीएसके फैन गर्ल हुई वायरल, अदाओं ने अपनी तरफ खींचा सबका ध्यान, वीडियो

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए आईपीएल 2025 के 11वें मैच में हार का सामना करना पड़ा। रोमांचक मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी के आउट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें सीएसके की फैन गर्ल के रिएक्शन ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। राजस्थान बनाम चेन्नई के मुकाबले में आखिरी ओवर में चेन्नई को जीत के लिए 20 रन चाहिए थे। उस वक्त धोनी और रविंद्र जडेजा क्रीज पर मौजूद थे और फैंस को उम्मीद थी कि धोनी एक बार फिर से कमाल दिखाएंगे। लेकिन संदीप शर्मा ने पहली ही गेंद पर धोनी को बाउंड्री के पास कैच आउट करा दिया जिससे मैच राजस्थान के पक्ष में चला गया। धोनी के आउट होने के बाद कैमरे की नजर स्टेडियम में बैठी एक लड़की पर गई, जो बेहद गुस्से में दिखाई दी और हाथ के इशारों से यह साफ जाहिर था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और देखते ही देखते लोग इस लड़की को धोनी फैन गर्ल कहने लगे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के प्राइवेट अस्पताल में देर रात लगी आग से मचा हड़कंप, मरीज और स्टाफ सुरक्षित

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के लक्ष्मी नगर स्थित एक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में रविवार देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की सूचना पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद इस पर काबू पाया। आग से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक, पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर में मक्कर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में रविवार देर रात आग लग गई। दमकल की चार गाड़ियां ने तुंरत मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों ने अस्पताल में मौजूद मरीजों और स्टाफ को सकुशल बाहर निकाल लिया। फायर ऑफिसर दीपक हुड्डा ने कहा, हमें एक अस्पताल में आग लगने की कॉल मिली थी। आग ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी और उसे बुझा दिया गया है। दमकल की 4-5 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। दिल्ली के ही पीतमपुरा इलाके में रविवार सुबह एक चार मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी। मौर्या एंक्लेव थाने से एटीओ रवि कुमार और हेड कांस्टेबल विक्रम अन्य पुलिस कर्मियों के साथ पहुंचे। हेड कांस्टेबल विक्रम ने दमकल कर्मियों के साथ पड़ोस की छत पर पहुंचे और इमारत में फंसीं 70 वर्षीय रीता मोंगा, 76 वर्षीय कांता मोंगा और 80 वर्षीय सत्या ग्रोवर को सुरक्षित बाहर निकाला। आग लगने के कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

दिल्ली में हर जगह लगने जा रहा है एफआरएस, घर से निकलते ही पकड़े जाएंगे बदमाश

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में लोगों की सुरक्षा और अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिस एफआरएस (फेस रिकॉग्नाइजेशन सिस्टम) से लैस कैमरों का जाल बिछाने जा रही है। इसके लिए प्रत्येक थानाध्यक्ष से पूछा गया है कि उनके क्षेत्र में किन स्थानों पर कैमरे में एफआरएस डाला जा सकता है। इनकी सूची पुलिस मुख्यालय को भेज दी गई है। जल्द ही इन कैमरों को एफआरएस सॉफ्टवेयर से लैस कर दिया जाएगा। ऐसा होने पर बदमाश घर से निकलते ही पकड़े जाएंगे। दिल्ली के कई प्रमुख बाजारों और सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों में एफआरएस का इस्तेमाल किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और अन्य सभी बड़े कार्यक्रमों में सुरक्षा के लिए पुलिस एफआरएस तकनीक का इस्तेमाल करती है। दिल्ली पुलिस ने इस तकनीक की मदद से न केवल कई अपराधियों को पकड़ा है, बल्कि अपराध को भी कम करने में कामयाब रही है। बीते दिनों सेफ सिटी प्रोजेक्ट के अतिरिक्त आयुक्त मनोज सी की तरफ से सभी जिला पुलिस उपायुक्त को इस बारे में पत्र भेजा गया। इसमें बताया गया है कि दिल्ली में कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे 15-20 फुट की ऊंचाई पर लगे हैं। ऐसे कैमरों में एफआरएस सॉफ्टवेयर नहीं चलाया जा सकता है। यह सॉफ्टवेयर 8 से 10 फुट की ऊंचाई पर लगे कैमरों में ही बेहतर ढंग से काम करेगा। ऐसे में प्रत्येक थाना क्षेत्र में ऐसे कैमरों को चिह्नित किया जाए जिसमें यह सॉफ्टवेयर डाला जा सके। एफआरएस सॉफ्टवेयर बेहतर क्वॉलिटी के सीसीटीवी कैमरों में डाला जाता है। इसमें उन अपराधियों का डाटा होता है जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज है। इन कैमरों के सामने जब कोई अपराधी आता है, तो वह तुरंत कंट्रोल रूम को अलर्ट देता है। क्राइम ब्रान्च के स्पेशल कमिश्नर देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि दिल्ली में अभी कई स्थानों पर एफआरएस लगे हैं। इसकी मदद से अपराधी पकड़े जा रहे हैं। भीड़भाड़ वाले इलाकों में इससे सुरक्षा बेहतर हुई है। सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल ज्यादा सीसीटीवी कैमरों में किया जाएगा।

8 साल बाद भी हम वहीं खड़े हैं; दिल्ली के अस्पतालों की हालत पर बोला हाईकोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी के सरकारी अस्पतालों की बदहाल स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की है। हाईकोर्ट ने कहा कि पिछले एक साल से अस्पतालों की कमी और सिफारिशों को लेकर बैठकें की जा रही हैं, लेकिन सुधार का कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। ऐसे में दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक अपनी निगरानी में राज्य के सरकारी अस्पतालों में सुधार के लिए कदम उठवाएं।

जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मनमीत पी. अरोड़ा की बेंच ने एम्स के डायरेक्टर को कहा है कि वह डॉ. एसके सरीन कमेटी की ओर से दिए गए सुझावों को अमलीजामा पहनाने के लिए चार सप्ताह के भीतर योजना तैयार करें। साथ ही, बेंच के समक्ष इस शुरुआत की तारीख भी बताएं कि किस दिन से सिफारिशों पर काम शुरू हो जाएगा। हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि इस बाबत वर्ष 2017 में बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका पर सुनवाई शुरू की थी, लेकिन 8 साल बाद भी हम वहीं खड़े हैं, जहां से शुरुआत हुई थी। सिर्फ

समस्या को समझ लेना आगे बढ़ना नहीं होता। समस्या का समाधान होना जरूरी है। इसलिए सुधार की कोशिश के बजाय मरीजों के हित में काम किया जाए। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक साल पहले राजधानी के सरकारी अस्पतालों की बदहाल स्थिति का पता लगाने के लिए डॉ. एस के सरीन की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया था। जुलाई 2024 में समिति ने अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट के समक्ष पेश की थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने दिल्ली के अस्पतालों की निगरानी एम्स डायरेक्टर को सौंपी थी।

अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। ऐसे में डॉ. सरीन कमेटी ने निजी क्षेत्र में कार्यरत डॉक्टरों को घंटों के हिसाब से भुगतान कर ओपीडी-ऑपरेशन के लिए बुलाने का सुझाव दिया था। सरकार ने बताया कि पांच ऐसे अस्पतालों को चिह्नित किया जा रहा है, जहां पहले इस तरीके को अपनाकर देखा जाएगा। इसके बाद इसे आगे बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

दवाइयों का दो महीने का स्टॉक रखा जाएगा। इसके अलावा वार्षिक जरूरत की 50 फीसदी दवाइयों और अन्य उपकरणों का बजट पहले से ही बनाकर रखा जाएगा। हाईकोर्ट ने एम्स निदेशक को कहा है कि वह दिल्ली सरकार के संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर सुनिश्चित करें कि तमाम सिफारिशों को लागू करने की तारीख तय की जाए। बेंच ने कहा कि इस बार सिर्फ सुनवाई नहीं होगी, बल्कि सरकारी अस्पतालों में बदलाव की तस्वीर भी आनी चाहिए।

प्रत्येक अस्पताल में सस्ती दवाओं के लिए जन औषधि केंद्र खोले जाने का प्रस्ताव संबंधित विभाग को भेजा गया है, ताकि लोगों को सस्ती दवाएं मिल सके। अस्पताल में खराब उपकरण को ठीक करने में देरी का कारण बन रहे व्यक्ति पर आर्थिक दंड लगाया जा रहा है डॉक्टरों के अतिरिक्त नर्सिंग और अन्य पैरा मेडिकल कर्मचारी की कमी को संविदा के आधार पर नियुक्त कर दूर किया जा रहा है एमबीबीएस करने वालों को तीन साल तक सरकारी अस्पताल में सेवा देने की अनिवार्यता पर प्रक्रिया जारी है, इससे उन्हें मेडिकल रेजिडेंट ऑफिसर बनने में भी सहायता मिलेगी खून की जांच अस्पतालों के अलावा मोहल्ला क्लीनिक में भी हो रही है, मरीजों को दवाई भी दी जा रही है।

दिल्ली के रानी झांसी फ्लाईओवर के जमीन अधिग्रहण में सरकारी धन की बंदरबांट

नईदिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली में बने रानी झांसी फ्लाईओवर के लिए जमीन अधिग्रहण में भारी अनियमितता बरती गई। इसमें सरकारी खजाने की बंदरबांट हुई। यह खुलासा लोकपाल की आरंभिक जांच रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भूमि अधिग्रहण का मुआवजा उन लोगों को दे दिया गया, जिनकी वहां भूमि ही नहीं थी।

लोकपाल जस्टिस एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली बेंच ने अपने फैसले में कहा कि 21 अगस्त, 2024 की आरंभिक जांच रिपोर्ट और 15 अक्टूबर, 2024 की पूरक आरंभिक जांच रिपोर्ट से पता चलता है, फ्लाईओवर के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अवैध तरीके से की गई। इसमें सरकारी धन की हेराफेरी की गई और निजी लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। सरकारी अफसरों और निजी व्यक्तियों की सांठगांठ की पुष्टि हुई है। हालांकि, लोकपाल ने आरोपी अफसरों पर कार्रवाई का आदेश देने से मना कर दिया। दरअसल, कानून के हिसाब से अपराध होने की तारीख से 7 साल बाद दाखिल शिकायत पर लोकपाल कार्रवाई का आदेश नहीं दे सकता।राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया नेशनल कोल्ड एंड स्टोरेज रेफ्रिजरेशन लि. ने मुआवजा लिया, मगर भूमि उसके कब्जे में नहीं थी जमीन के वास्तविक मालिक भूमि एवं विकास विभाग को मुआवजा नहीं मिला मेथोडिस्ट चर्च की जमीन के बदले किसी दूसरे व्यक्ति को 15.2 करोड़ मुआवजा दे दिया गया रानी झांसी फ्लाईओवर बनाने की प्रक्रिया 2006 में शुरू हुई और भूमि अधिग्रहण के बदले 2010-11 में मुआवजे का भुगतान किया गया। घोटाले का आरोप लगाते हुए लोकपाल में 2020 में शिकायत दाखिल की गई। लोकपाल ने 2020 में फ्लाईओवर घोटाले की शिकायत पर केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) और अन्य प्राधिकारों के जरिये आरंभिक जांच कराई है। लोकपाल ने कहा है कि इस मामले में सक्षम प्राधिकार (दूसरी एजेंसियां) दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं। लोकपाल ने सक्षम प्राधिकार को घोटाले के जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने को कहा है।

दिल्ली में 7 साल की बच्ची की गला काटकर हत्या, घर के अंदर मिली लहूलुहान लाश

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में एक 7 वर्षीय बच्ची की गला काटकर निर्मम हत्या करने का मामला सामने आया है। हत्यारे और हत्या की वजह अब तक पता नहीं चल पाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस संदिग्ध का पता लगाने को घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बाहरी उत्तरी दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके के एक घर में सात वर्षीय बच्ची की गला कटी लाश मिली है। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार शाम को तब प्रकाश में आई जब गश्त कर रही पुलिस टीम ने घर के बाहर भीड़ जमा देखी।

गश्त कर रही पुलिस टीम के एक हेड कॉन्स्टेबल पूछताछ में पाया कि बच्ची घर के अंदर खून से लथपथ बेहोश पड़ी थी। उसने तुरंत स्थानीय पुलिस थाने और अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद घटनास्थल पर और टीमें भेजी गईं और जांच शुरू की गई।

घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में लड़की का पिता प्रेम सिंह (32) और उसका परिचित रंजीत घटना के समय इलाके से निकलते हुए दिखाई दिए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रेम सिंह मूल रूप से बिहार के पटना का रहने वाला है और दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करता है। उसकी पत्नी मुस्कान (32) दिल्ली के लिबासपुर में एक फैक्ट्री में काम करती है। अधिकारी ने बताया कि दंपती की एक और बेटी है, जिसकी उम्र 9 साल है।

दिल्ली में बढ़ेगी गर्मी की मार, इस हफ्ते पारा 7 डिग्री सेल्सियस चढ़ने के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में इस सप्ताह तापमान और बढ़ने की संभावना है। इस हफ्ते रविवार की अपेक्षा तापमान में सात डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, अप्रैल के पहले सप्ताह के अंत तक राजधानी का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक होने की संभावना है। एक से 4 अप्रैल तक हवा की रफ्तार 10 किलोमीटर प्रति घंटा से कम रहने की संभावना है।

मौसम विभाग (आईएमडी) ने राजधानी में सोमवार को तेज हवाएं चलने तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33 और 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 0.2 डिग्री कम है। वहीं, न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत तापमान से 1.8 डिग्री कम है।

न्यूज एजेंसी वार्ता के अनुसार, दिल्ली सरकार की सक्रिय नीति और ठोस प्रयासों से राजधानी की हवा लगातार बेहतर हो रही है। दिल्ली में रविवार को

वायु गुणवत्ता सूचकांक 138 दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले शनिवार को 153 था और पिछले साल इसी दिन 189 दर्ज किया गया था। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी प्रेस रिलीज में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में राजधानी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए 'विकसित दिल्ली संकल्प' के तहत तेजी से काम किया जा रहा है।

बयान के अनुसार, प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार नई तकनीकों को अपनाने पर काम कर रही है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु प्रदूषण के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के प्रजेंटेशन और उनकी तकनीक को देखा जो वायु प्रदूषण नियंत्रण में विशेष तकनीकों पर काम कर रही हैं। इनमें ड्रोन मिस्ट स्प्रिंकलर, आउटडोर एयर प्यूरीफायर और वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन शामिल हैं।

यूरोप के स्पेस प्रोग्राम को लगा तगड़ा झटका, सिर्फ 40 सेकंड में ही धरती पर गिरा रॉकेट

बर्लिन, एजेंसी।
यूरोप की अंतरिक्ष परियोजना को बड़ा झटका लगा है। जर्मनी की बवेरियन इसार एयरोस्पेस कंपनी का अंतरिक्ष रॉकेट उड़ान भरने के 40 सेकंड बाद ही धमाके के साथ धरती पर आ गिरा। दुर्घटना के कारण अंतरिक्ष रॉकेट में भीषण आग लग गई। इस बारे में एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

यूरोप में उपग्रह प्रक्षेपण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए रॉकेट को नॉर्वे के आर्कटिक एंडोया अंतरिक्ष बंदरगाह से प्रक्षेपित किया गया। इस रॉकेट का वजन एक मीट्रिक टन था, जिसे छोटे और मध्यम आकार में डिजाइन किया गया था। रॉकेट उड़ान भरने के मात्र 40

सेकंड के भीतर ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया और जमीन पर गिरते ही विस्फोट के साथ उसमें आग लग गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूरोप से एक अंतरिक्ष रॉकेट को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने का प्रयास किया गया। स्वीडन और ब्रिटेन सहित कई देशों ने इस मिशन में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी। रॉकेट के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद भी इसार एयरोस्पेस कंपनी को महत्वपूर्ण डेटा प्राप्त हुआ है, जो भविष्य के मिशनों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

कंपनी ने पहले ही यह आशा व्यक्त की थी कि रॉकेट दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगा। इसार एयरोस्पेस के सह-संस्थापक और सीईओ डैनियल मेट्ज़लर ने रॉकेट लॉन्च से पहले कहा था कि हमारे लिए हर उड़ान बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे अनुभव और डेटा मिलता है। यहां तक ??कि 30 सेकंड की उड़ान भी बहुत बड़ी सफलता होगी। हालांकि, कंपनी को उम्मीद थी कि यह रॉकेट अंतरिक्ष तक नहीं पहुंच पाएगा।

मस्क ने दो मतदाताओं को दिए एक मिलियन डॉलर के चेक

विस्कॉन्सिन, एजेंसी।
अमेरिका के विस्कॉन्सिन में होने वाले सुप्रीम कोर्ट चुनाव में टेक दिग्गज एलन मस्क खूब दखल दे रहे हैं। अपने खेमे न्यायाधीशों को जिताने के लिए मस्क पर आरोप लगे हैं। डेमोक्रेट नेता ने आरोप लगाया कि मस्क ने चुनाव से पहले दो मतदाताओं को एक मिलियन डॉलर के चेक सौंपे। साथ ही उनको अपने राजनीतिक समूह के प्रवक्ता घोषित किया। इसे लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। हालांकि अरबपति ने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे और सभ्यता के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। मस्क ने न्यायिक दौड़ को देश के लिए महत्वपूर्ण बताया। मस्क ने कहा कि सदन में बहुमत अब बहुत कम रह गया है। एक अदालत ने राज्य के डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल द्वारा मस्क को दो मतदाताओं को चेक सौंपने से रोकने के आखिरी मिनट के प्रयास को सुनने से इनकार कर दिया। दो निचली अदालतों ने डेमोक्रेट जोश कौल की कानूनी चुनौती को पहले ही खारिज कर दिया था। कार्रवाई के रूप में लेने से इनकार कर दिया। अदालत ने अपने फैसले के लिए कोई तर्क नहीं दिया। मस्क के वकीलों ने भी अदालती दस्तावेजों में तर्क दिया कि भुगतान का उद्देश्य कार्यकर्ता न्यायाधीशों के विरोध में जमीनी स्तर पर आंदोलन उत्पन्न करना है, न कि किसी उम्मीदवार के पक्ष में या उसके खिलाफ स्पष्ट रूप से वकालत करना।

नमाज के दौरान भूकंप का कहर

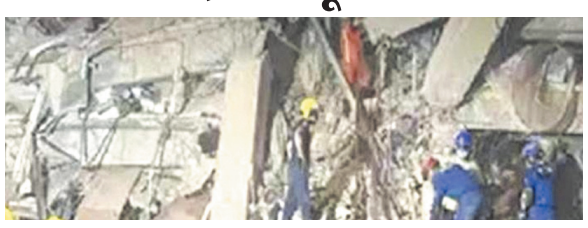

म्यांमार, एजेंसी। रमजान में जुमे की नमाज के दौरान म्यांमा में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के कारण 700 से अधिक नमाजियों की मौत हो गई। म्यांमा के एक मुस्लिम संगठन ने यह दावा किया है। 'स्प्रिंग रेवोल्यूशन म्यांमा मुस्लिम नेटवर्क की संचालन समिति के सदस्य तुन की ने सोमवार को बताया कि देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के निकट आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के कारण लगभग 60 मस्जिदें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गईं। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि मस्जिदों में मारे गए लोगों की यह संख्या भूकंप में अब तक मारे गए 1,700 से अधिक लोगों की आधिकारिक संख्या में शामिल है या नहीं। 'द इरावदी ऑनलाइन समाचार साइट पर 'पोस्ट किए गए वीडियो में भूकंप के दौरान कई मस्जिदें गिरती हुई दिखाई दे रही हैं और लोग इधर-उधर भागते नजर आ रहे हैं। तुन की ने कहा कि क्षतिग्रस्त हुई अधिकतर मस्जिदों की इमारतें पुरानी थीं।

भूकंप से गिरी 33 मंजिला इमारत में घुसे चार चीनी हिरासत में

संदिग्ध दस्तावेज चुराने की कोशिश में थे

बैंकॉक, एजेंसी।
बैंकॉक में शुक्रवार को आए भूकंप में गिरी 33 मंजिला इमारत में अवैध रूप से घुसने पर पुलिस ने चार चीनी नागरिकों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि चारों युवक इमारत से संदिग्ध दस्तावेजों को चुराने की कोशिश कर रहे थे। चारों के पास से 32 संदिग्ध दस्तावेज भी मिले हैं। पुलिस ने चारों युवकों से पूछताछ शुरू कर दी है।

बैंकॉक में भूकंप के झटकों से एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत देखते ही देखते धराशायी हो गई थी। 33 मंजिला इमारत थाईलैंड के राज्य लेखा परीक्षा कार्यालय (एसएओ) की थी। इस इमारत को बना रही चीन समर्थित फर्म के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। बैंकॉक के गर्वनर ने इमारत वाले क्षेत्र को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया है। साथ ही यहां पर बिना अनुमति के किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ब्यूरो के डिप्टी कमिश्नर, पुलिस मेजर जनरल नोपासिन पूलस्वात ने कहा कि भूकंप से गिरी इमारत के पिछले हिस्से से अवैध रूप 32 फाइलों को हटाने के आरोप में चार चीनी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने कहा कि सूचना मिली थी कि कुछ लोग साइट से दस्तावेज हटा रहे हैं। इसके बाद घटनास्थल पर एक संदिग्ध चीनी व्यक्ति मिला। उसने पूछताछ में बताया कि वह निर्माण परियोजना का परियोजना प्रबंधक है। हालांकि उसके पास वैध वर्क परमिट भी मिला।

इसके बाद पकड़े अन्य तीनों चीनी युवकों से कागजात जब्त किए गए। तीनों ने पुलिस को बताया कि वे इटालियन-थाई डेवलपमेंट पीएलसी (आईटीडी) के तहत एक ठेकेदार के लिए काम करते थे। वे बीमा दावे के लिए आवश्यक दस्तावेज लेने के लिए वहां गए थे। पूछताछ पूरी करने के बाद पुलिस ने संदिग्धों को अस्थायी रूप से रिहा कर दिया। इसके बाद चीनी नागरिकों के खिलाफ निर्माण स्थल में प्रवेश करके और इमारत से ब्लूप्रिंट और अन्य दस्तावेज निकालने के आरोप में शिकायत दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि चारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चीन से है इमारत का कनेक्शन: 33 मंजिला इमारत थाईलैंड के राज्य लेखा परीक्षा कार्यालय (एसएओ) की थी। दो अरब से अधिक बहत (45 मिलियन पाउंड) की लागत से तीन साल से यहां कार्यालय का निर्माण किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि एसएओ भवन की इमारत के निर्माण को लेकर इटालियन-थाई डेवलपमेंट पीएलसी (आईटीडी) और चाइना रेलवे नंबर 10 (थाईलैंड) लिमिटेड में अनुबंध हुआ था। चाइना रेलवे नंबर 10 (थाईलैंड) चीन के बड़े इंजीनियरिंग ग्रुप की सहायक कंपनी है, इसके पास 49 फीसदी हिस्सेदारी है।

योग्य दंपत्तियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार सोमवार को सदर अस्पताल सभागार में आदर्श दंपत्ति सम्मेलन सह सीएचओ सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर *सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद, उपाधीक्षक डॉ अरविंद कुमार, डीपीएम दीपक कुमार, डीपीसी मनोज कुमार महतो, डीएएम अमित कुमार सिंहा डीडीएम कंचन कुमारी, सभी ब्लॉक के बीटीसी, सहिया दीदी आदि उपस्थित थे। समारोह में सभी नौ प्रखंडों से योग्य दंपत्ति, जिन्होंने दो बच्चों के बाद ऑपरेशन कर लिया है एवं दो बच्चों के बीच में तीन साल का अंतर रखा। उन्हें सम्मानित करने का कार्य किया गया।

समारोह में प्रत्येक प्रखंड से आएं तीन योग्य दंपतियों ने हिस्सा लिया। जिन्हें सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले दंपतियों में जरीडीह प्रखंड से रेखा कुमारी, सरिता देवी एवं जुगनी देवी। चंदनकियारी प्रखंड से सूची स्मिता एवं सरिता देवी। बेरमो प्रखंड से पूनम, छोटी देवी एवं पूजा देवी। पेटरवार प्रखंड से ममता देवी। नावाडीह प्रखंड से आशा देवी एवं गायत्री देवी। कसमार प्रखंड से सुनीता देवी, सरिता देवी एवं सुषमा देवी शामिल रहीं। वहीं, सीएचओ सामान समारोह में बेहतर कार्य करने वाले सीएचओ को प्रशस्ति पत्र एवं कार्यालय कार्य हेतु लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले सीएचओ में सीएचओ लक्ष्मी कुमारी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) चांपी, सीएचओ सोनी बंक, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) चांदो, सीएच ओ अनुराधा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) अरजुआ, सीएचओ अजंलीना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) चिलगड्डा, सीएच ओ अनीता, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) घटियाली, सीएचओ विद्या रानी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) अदखुडी, सीएचओ अजीमुन निशा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) अंगवांली एवं सीएचओ चदंना कुमारी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) बलरामपुर शामिल रहीं।

नमाज अदा कर दिया शांति और सौहार्द का पैगाम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ईद-उल-फितर के अवसर पर सोमवार को जिले के सभी ईदगाह और मस्जिदों में शांतिपूर्ण तरीके ईद की नमाज अदा की गई। इस अवसर पर नमाजियों ने देश की खुशहाली, बरकत, अमन और चैन की दुआ मांगी। विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह 7.15 बजे से लेकर 9:00 बजे तक ईद की विशेष नमाज अदा की गई। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने बताया कि शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने जिले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये थे। सभी थाना क्षेत्र तथा संवेदनशील इलाकों में मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सुबह 6:00 बजे से कंट्रोल रूम कार्यरत रहा। कंट्रोल रूम में कहीं से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। ईद-उल-फितर के अवसर पर जिले के झरिया, एना इस्लामपुर, तेतुलमारी, बलियापुर, पूर्वी टुंडी, टुंडी, निरसा, कलियासोल, बाघमारा, एगारकुंड सहित धनबाद के रेलवे ग्राउंड, नया बाजार ईदगाह मस्जिद, टीसी कंपाउंड मस्जिद, हैदरी मस्जिद लोहा मार्केट, मनईटांड़ मस्जिद, नूरी मस्जिद वासेपुर, अब्दुल जब्बार बड़ी मस्जिद वासेपुर, शमशेर नगर ईदगाह, इसलामपुर ईदगाह, नयी मस्जिद वासेपुर, रहमतगंज मस्जिद, सी ब्लाक मदरसा इस्लामिया भूली, डी ब्लाक टाउनशिप ईदगाह भूली, अहसन आलम मस्जिद मारुफगंज, मदीना मस्जिद कुसुण्डा स्टेशन, कोयला नगर मस्जिद, रजा मस्जिद शमशेर नगर, गौसिया मस्जिद भट्टा मोहल्ला नया बाजार, गौसिया मस्जिद मिल्लतगंज, बगदादी मस्जिद चेक पोस्ट कतरास रोड, जोनल ट्रेनिंग स्कूल वासेपुर, आजाद नगर ईदगाह सहित अन्य ईदगाह व मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और एक दूसरे के साथ खुशियां बांटी।

खूंटी में नमाजियों ने अमन-चैन की मांगी दुआ

खूंटी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में ईद का त्योहार हर्ष और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। खूंटी, कर्रा, तोरपा, रनियां एवं फूदी पंचायत से शिल्दा बस्ती, डांडोल में इमाम के द्वारा ईद की नमाज अदा कराई गई। नए कपड़े पहनकर इत्र लगाकर बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी नमाज पढ़ने के लिए नजदीकी मस्जिदों एवं ईदगाहों में पहुंचे। हजारों लोगों ने रब की बारगाह में सजदा किया और देश तथा दुनिया में अमन चैन के लिए दुआ की। नमाज के बाद लोग एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। मौके पर शिल्दा बस्ती के सचिव जनाब जुबेर अहमद साहब, समाजसेवी यासीन अंसारी ने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर खूंटी थाना के पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जिले की सभी मुस्लिम समुदायों ने ईद में खुशियां बांटी। प्रशासनिक अधिकारियों ने न सिर्फ लोगों को मुबारकबाद दी बल्कि एक दूसरे को गले लगाकर गंगा यमुना तहजीब को कायम किया। सभी ने मिलकर ईद का मिठाईयां एवं सेवईयां से मुंह मीठा किया। इस मौके पर गांव के सभी जिम्मेवार मौजूद रहे जिसमें तौफीक अंसारी, सदीक हुसैन, रज्जाक अंसारी, जाबिर अंसारी, हाशिम अंसारी, तौहीद अंसारी, महबूब अंसारी एवं गांव के सभी गणमान्य शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

बोकारो में शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाई गई ईद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में ईद मनाई गई। जिले के मस्जिद और ईदगाहों में निर्धारित समय पर मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा कर एक दूसरे को ईद की बधाई दी। डा

इरफान अंसारी एवं समाजसेवी खालिद खान ने कहा कि ईद मोहम्मद मोहब्बत का पैगाम देने का काम करता है। यह भाईचारा और एकता का महान पर्व है। उन्होंने ईद के त्यौहार को आपस में मिलजुल कर मनाने का पैगाम दिया। यह पैगाम ईद की नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समाज के अन्य बुद्धिजीवियों ने भी दिया। इनका कहना है कि इस्लाम कभी भी नफरत की बात नहीं करता है। इस्लाम एक दूसरे के साथ मिलजुल कर रहने का पैगाम देता है और एक महीने का जो हमारा रोजा है वह हमें कई सबक और नसीहत देने का भी काम करता है। पूरे विश्व के साथ हम हिंदुस्तान के लोग भी अमन चैन के साथ एक दूसरे के साथ मोहब्बत बांटने का काम करें यही हमारी असली सिख है।

सरहुल की शोभायात्रा निर्धारित रूट पर ही निकलेगी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। श्री रामकथा ट्रस्ट द्वारा 27 मार्च से 04 अप्रैल तक मजदूर मैदान, सेक्टर-4 में श्री राम कथा के आयोजन के दौरान यातायात को सुव्यवस्थित रखने एवं विधि-व्यवस्था के मद्देनजर यातायात रूट में बदलाव हेतु आदेश निर्गत किया गया है। सरहुल पर्व के अवसर पर 01 अप्रैल को आज सरना समाज, सरना स्थल, सेक्टर-8 ए बोकारो द्वारा शोभायात्रा आयोजित करने की सूचना दी गई है। शोभायात्रा कार्यक्रम सरना स्थल, सेक्टर-8 ए बोकारो स्टील सिटी से प्रारंभ होकर बसंती मोड़, बोकारो जेनरल अस्पताल चौक, गाँधी चौक, सेक्टर-4, राजेन्द्र चौक, सेक्टर-2 होते हुए बिरसा चौक, नयामोड़ पर समाप्त होगी। अतः उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए सिर्फ सरना स्थल, सेक्टर-8 ए, बोकारो स्टील सिटी का शोभायात्रा / जुलूस निकालने की छूट दी जाती है। अन्य निर्देश यथावत रहेंगे।

हजारीबाग में ड्रोन के जरिए छतों की तलाशी

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रामनवमी जुलूस मार्ग के प्रत्येक घर की छत का निगरानी ड्रोन कैमरे से किया जा रहा है। हजारीबाग जिला प्रशासन

शहर से लेकर गांव तक ड्रोन के माध्यम से हर के घर की तलाशी ले रहा है। हजारीबाग के विभिन्न मार्ग जिसमें जमा मस्जिद रोड, झंडा चौक, पेलावल ,गवाटोली , इंद्रपुरी चौक, समेत कई इलाकों के छत का तलाशी लिया गया है. अगर किसी के छत पर ईट पत्थर या कोई अन्य आपत्तिजनक सामान देखा जा रहा है तो उसे हिदायत भी दी जा रही है. जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रथम चरण में सभी घरों का तलाशी का काम हो चुका है. दूसरे चरण की तैयारी चल रही है. पहले चरण में जिसके घर में भी पत्थर या ईट देखा गया था उसे नोटिस दिया गया है. दूसरे चरण में पत्थर ईट देखा जाएगा तो उस पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी. हजारीबाग जिले में 15 ड्रोन कैमरे से छत की तलाशी का काम किया जा रहा है. प्रशासन का यह भी कहना है कि घर में भी कोई भी व्यक्ति ईट पत्थर जैसे आपत्तिजनक सामान जमा करके नहीं रखेंगे.

'फैटी लीवर मुक्त रांची' शुरू होगा अभियान : संजय सेठ

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रांची में लोगों को फैटी लीवर की समस्या से बचने और सुझाव के साथ उपचार बहुत जल्द दिए जाएंगे।यह जानकारी रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वस्थ भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए फैटी लिवर मुक्त रांची अभियान की शुरूआत होने जा रही है। रांची लोकसभा क्षेत्र पूरे देश के लिए एक मॉडल बने यह मेरा प्रयास है।उन्होंने कहा कि फैटी लीवर के मामले में भारत की समस्या गंभीर होती जा रही है। आने वाले दिनों में एक महामारी का रूप धारण करेगी। यह निश्चित रूप से चिंता का विषय है। इसको लेकर हमने रांची

के लोगों के लिए फैटी लीवर से बचने के लिए विश्व प्रसिद्ध लिवर रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एस के सरीन के समक्ष सदर अस्पताल रांची के साथ मिलकर मैने रांची में काम करने का प्रस्ताव रखा था। इस आलोक में उन्होंने रांची वासियोयो को निशुल्क फैटी लीवर की स्क्रीनिंग पर अपना समिति दे दी है। आईएलबीएस और सदर अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में रांची में अप्रैल माह से फैटी लीवर की निशुल्क स्कैनिंग शुरू की जाएगी।इस कार्यक्रम के तहत 18 से अधिक आयु के सभी वयस्को की स्क्रीनिंग की योजना है। चार मोबाइल वैन के माध्यम से फैटी लीवर की स्क्रीनिंग होगी। हर गाड़ी में सबसे अत्याधुनिक मशीन लगी हुई है।प्रथम चरण में मोटे, उक्त रक्तचाप एवं उच्च जोखिम वाले लोगों की स्क्रीनिंग निशुल्क की जायेगी। मोबाइल वैन आधारित स्क्रीनिंग प्रोग्राम के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्यक्रम चलाया जाएगा।

वार्ता का समय निर्धारित नहीं करने पर यूनियन ने की आलोचना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ के पदाधिकारी और सदस्यों की बैठक सेक्टर 3, टू टैंक गार्डन में तारकेश्वर महतो 'तारा बाबू' की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें मुख्य रूप से बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन को दिए गए 20 सूत्री मांग पत्र के आलोक में वार्ता का समय निर्धारित नहीं करने पर सभी सदस्यों ने एकमत से प्रबंधन की कड़ी आलोचना की। संघ के महामंत्री सुमन सिंह ने कहा कि मजदूरों एवं कामगारों की मांग को प्रबंधन गंभीरता से ले।संयुक्त महामंत्री आशा देवी ने कहा कि बी एस एल प्लांट के अनाधिशासीयों के पदों का पूनः निर्धारण के मांग को स्वीकार करने के

लिए प्रबंधन का स्वागत एवं कर्मचारियों को बधाई दी।कार्यालय सचिव गंगेश कुमार पाठक ने कहा कि संघ अपने सदस्यों के लिए जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करेगा।बैठक में उपस्थित सदस्यों में मुख्य रुप से पुष्पा मिश्रा मंजु सिंह मिनाक्षी सिंह राम सागर शर्मा बिंदेश्वर बम श्याम कुमार गोकुल प्रशाद मिथुन कुमार रजनी देवी सुरेश प्रशाद सुमीत सिंह आदि थे। बैठक का संचालन संघ के उपाध्यक्ष नवीन सिंह एवं धन्यवाद् ज्ञापन देवेन्द्र कुमार ने कुशलतापूर्वक किया।

हजारीबाग व गिरिडीह की घटना सरकार की तुष्टिकरण का नतीजा : यदुनाथ पाण्डेय

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा के पूर्व सांसद और फायर ब्रांड नेता यदुनाथ पांडे ने राज्य सरकार को सलाह देते हुए कहा है कि सरकार को तुष्टिकरण की राजनीति करने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को सर्वधर्म समभाव के रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने

कहा कि जिस प्रकार से हजारीबाग गिरिडीह की घटना हुई है वह पूरी तरह से खुफिया विभाग की नाकामी है। भाजपा के पूर्व सांसद यदुनाथ पांडे दो दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंचे थे जहां उन्होंने सर्किट हाउस में मीडिया से वर्तमान राजनीति पर चर्चा की। बोकारो जिला प्रशासन ने ईद की नमाज को देखते हुए लोगों के सड़क आर पार होने की स्थिति में सुबह 6 से 10 बजे तक बड़े वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी थी, इसी को लेकर श्री पांडे ने सरकार से पूछा कि जब शादी विवाह में लोग आम दिन की तरह सड़क पर आना-जाना करते हैं ,तो आखिर इस तरह की नो एंट्री कर तुष्टीकरण क्यों किया जा रहा है। कई धार्मिक जुलूस भी होते हैं तब इस तरह का आदेश नहीं निकलता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस तरह की तुष्टिकरण की राजनीति से बचना चाहिए।

रतनलाल मांझी बने जेएमएम के बोकारो जिला अध्यक्ष

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे ने बोकारो जिला कमेटी की घोषणा पत्र के माध्यम से की है। रतनलाल मांझी को बोकारो का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। रतनलाल मांझी के जिला अध्यक्ष बनने पर बोकारो जिला के झामुमो नेताओं ने रतनलाल माँझी को मिठाई खिलाते हुए फूल माला से उनका स्वागत किया। इस दौरान सभी नेताओं ने केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे का आभार

जताया है। केंद्रीय महासचिव ने बोकारो जिला कमेटी की भी घोषणा कर दी है। जिला अध्यक्ष बनने पर रतनलाल मांझी ने कहा कि जिला से लेकर पंचायत स्तर तक पार्टी का विस्तार के साथ-साथ लोक कल्याण की योजनाओं को पहुंचना हमारा लक्ष्य होगा उन्होंने कहा कि 2029 में विपक्ष का सुपड़ा साफ करना हमारी प्राथमिकता होगी ।जिस उम्मीद के साथ मुझे यह पद दिया गया है। इस पद का मान सम्मान बचा कर रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

चिकित्सक की लापरवाही से नवजात की मौत का आरोप, कार्रवाई की मांग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास स्थित सिटी केयर हॉस्पिटल में कथित लापरवाही से एक नवजात की मौत होने का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर परिजन और जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल पर कार्रवाई करने की मांग की है। नवजात की मृत्यु हो जाने के बाद भी अस्पताल के द्वारा बच्चों को सीरियस बता कर पैसे की वसूली की गई है ,पैसा देने के बाद जब नवजात को दूसरे अस्पताल में ले जाया गया तो चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों की अस्पताल में भीड़ हो गई मौके पर पहुंची पुलिस में भी परिजनों के लिखित शिकायत के बाद जांच करने की बात कही है। चास आदर्श कॉलोनी के रहने वाली गर्भवती महिला को अस्पताल में कई दिन पूर्व भर्ती किया गया था, जहां महिला ने बच्चे को ऑपरेशन के बाद जन्म दिया। उसके बाद बच्चे की स्थिति बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि सही समय पर इलाज और परिजनों को दूसरे जगह बच्चों को ले जाने की सलाह नहीं देने के कारण लापरवाही से मौत हुई है। वही सास के पूर्व मेयर भोलू पासवान ने कहा कि इस अस्पताल की लापरवाही हमेशा सामने आती है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग इस पर कार्रवाई नहीं करता है। भोलू पासवान ने सिविल सर्जन से कार्रवाई की मांग की है।

श्रीराम चरितमानस अध्ययन व अनुकरण से मनुष्य जीवन का होता है कल्याण : केएन त्रिपाठी

रेड़मा ठाकुरबाड़ी में श्रीराम चरित मानस यज्ञ के 58वें अधिवेशन का त्रिपाठी ने किया उद्घाटन

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जीवन की सभी समस्याओं का समाधान राम चरित मानस में है। इस धर्म ग्रंथ के अध्ययन व अनुकरण से मनुष्य जीवन का कल्याण होता है। उक्त बातें सूबे के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कही। वे सोमवार को रेड़मा ठाकुरबाड़ी में श्रीराम चरित मानस यज्ञ के 58वें अधिवेशन के उद्घाटन करने के पश्चात बोल रहे थे। त्रिपाठी ने कहा कि मानस में वर्णन मिलता है रावण का नाश राम नीति से हुआ था। इसी प्रकार रामायण के प्रसंगों में जीवन की आपाधापी में आने वाले मूल समस्याओं का समाधान छुपा हुआ है। राम चरित मानस ग्रंथ के अध्ययन से मानवीय जीवन का कल्याण सुनिश्चित होता है।

उद्घाटन समारोह के क्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दीनानाथ तिवारी को यज्ञ कमेटी ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उद्घाटन समारोह के पश्चात पं. गंगोत्री तिवारी ने कहा कि श्री रामचरितमानस की चर्चा की। यज्ञ कमिटी के अध्यक्ष दिलीप तिवारी मिंटू ने सभी आंगुतकों का स्वागत किया। कहा कि रेड़मा गांव के लिए गर्व की बात है कि 58 वर्ष से निरंतर श्री राम चरित मानस यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में अजय तिवारी अकेला, राज कमल तिवारी, प्रेम कमल तिवारी, अजय तिवारी, सत्येन्द्र तिवारी, ब्रजमोहन तिवारी, नवीन तिवारी, प्रदीप तिवारी महाकाल, चंचल तिवारी, अभिषेक तिवारी, मिकू तिवारी, अप्पू तिवारी, आलोक तिवारी सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

अस्मिता खेलो इंडिया में काजल कुमारी ने जूडो खेल में जीता गोल्ड मेडल

पलामू के 3 खिलाड़ियों ने जीते पदक, अनामिका मेहता ने सिल्वर मेडल व स्नेहा कुमारी ने झटके कांस्य पदक

पलामू जूडो संघ के अध्यक्ष अमित कुमार व सचिव सुमित बर्मन ने खिलाड़ियों को दी बधाई

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के डीएवी कोयला नगर में खेलो इंडिया अस्मिता जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पलामू की पांच बालिकाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अंडर 60 किलोग्राम वेट कैटेगरी में काजल कुमारी ने जूडो खेल का बेहतर प्रदर्शन करते हुए पलामू के लिए गोल्ड मेडल जीता। प्रतियोगिता में अंडर 48 किलोग्राम वेट कैटगरी में अनामिका मेहता ने पलामू के लिए सिल्वर मेडल व अंडर 28 किलोग्राम वेट कैटगरी में स्नेहा कुमारी ने पलामू के लिए कांस्य पदक जीते। बाकी के 2 खिलाड़ी तमाना शरण अन्वी पांडेय इस प्रतियोगिता में क्रमशः 2 व 1 प्वाइंट से पीछे रह गईं। अस्मिता खेलो इंडिया में भाग लेने वाली पांचों बालिका खिलाड़ी पलामू जिला के द कराटे एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। मौके पर द कराटे एकेडमी के निदेशक सह पलामू जिला जुडो के सचिव सुमित बर्मन ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई दी है। कहा कि पलामू की पांचों खिलाड़ियों ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन किया है। इनमें काजल कुमारी ने गोल्ड मेडल जीतकर पलामू का नाम रौशन किया है। इसी तरह खिलाड़ी अनामिका मेहता ने पलामू के लिए सिल्वर मेडल जीतकर पलामू वासियों को गौरवान्वित किया है। खिलाड़ी स्नेहा कुमारी ने भी पलामू के लिए कांस्य पदक जीत कर प्रतियोगिता में अपना डंका बजाया है। पलामू वासियों के लिए यह पल खुशी का है। पलामू वासियों को इन तीनों खिलाड़ियों पर नाज होना चाहिए। कहा कि अन्य दो खिलाड़ियों ने भी पूरे दमखम के साथ खेल में भाग लिया था। लेकिन खिलाड़ी तमाना शरण दो व अन्वी पांडेय मात्र एक प्वाइंट से पिछड़ी है। कहा कि इन दोनों खिलाड़ियों पर उन्हें विश्वास है कि एक न एक दिन अपने खेल का लोहा मनवा कर रहेंगी। इधर पलामू

जूडो संघ के अध्यक्ष अमित कुमार ने भी तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य में खेल का बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145665 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com